

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ६ / १६ · Volume 6 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मैथिली सर्वनाम आ क्रिया क्विज Videha QUIZ	५०० प्रश्न
२. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजन क्विज Videha QUIZ	१००० प्रश्न
३. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि क्विज Videha QUIZ	१००० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

5

१. “खायब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?
 - (A) खा
 - (B) खायब
 - (C) नहि
 - (D) हम
२. “पीब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?
 - (A) सकर्मक
 - (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
 - (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
 - (D) अव्यय
३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?
 - (A) क्रिया
 - (B) सर्वनाम
 - (C) संज्ञा
 - (D) विशेषण
४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?
 - (A) खेलि रहल अछि
 - (B) हम
 - (C) पोथी
 - (D) ओ
५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?
 - (A) कर्मक
 - (B) केवल नकारक
 - (C) केवल सम्बोधनक
 - (D) केवल रंगक
६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?
 - (A) कर्म आवश्यक नहि
 - (B) कर्ता आवश्यक नहि
 - (C) क्रिया होइते नहि
 - (D) सर्वनाम नहि लागै
७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?
 - (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
 - (B) नकार
 - (C) प्रश्न
 - (D) सम्बन्ध
८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?
 - (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
 - (B) दुनू सर्वनाम
 - (C) दुनू नकार
 - (D) दुनू प्रश्न

९. क्रियाक मूल भागकें की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

१०. “ओ सुतब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

११. “हँसब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) हँस
- (B) हँसब
- (C) नहि
- (D) हम

१२. “कानब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) अकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

१३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

१५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

१६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

१७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

१८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

१९. क्रियाक मूल भागकेँ की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

२०. “ओ झड़ब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

२१. “खायब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) खा
- (B) खायब
- (C) नहि
- (D) हम

२२. “पीब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) सकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

२३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

२४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

२५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

२६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

२७. “माई बालककें सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

२८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

२९. क्रियाक मूल भागकें की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

३०. “ओ सुतब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

३१. “हँसब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) हँस
- (B) हँसब
- (C) नहि
- (D) हम

३२. “कानब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) अकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

३३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

३४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

३५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

३६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

३७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

३८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

३९. क्रियाक मूल भागकेँ की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

४०. “ओ झड़ब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

४१. “खायब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) खा
- (B) खायब
- (C) नहि
- (D) हम

४२. “पीब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) सकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

४३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

४४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

४५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

४६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

४७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

४८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

४९. क्रियाक मूल भागकें की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

५०. “ओ सुतब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

५१. “हँसब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) हँस
- (B) हँसब
- (C) नहि
- (D) हम

५२. “कानब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) अकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

५३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

५४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

५५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

५६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

५७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

५८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

५९. क्रियाक मूल भागकेँ की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

६०. “ओ झड़ब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

६१. “खायब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) खा
- (B) खायब
- (C) नहि
- (D) हम

६२. “पीब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) सकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

६३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

६४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

६५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

६६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

६७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

६८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

६९. क्रियाक मूल भागकेँ की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

७०. “ओ सुतब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

७१. “हँसब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) हँस
- (B) हँसब
- (C) नहि
- (D) हम

७२. “कानब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) अकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

७३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

७४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

७५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

७६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

७७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

७८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

७९. क्रियाक मूल भागकेँ की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

८०. “ओ झड़ब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

८१. “खायब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) खा
- (B) खायब
- (C) नहि
- (D) हम

८२. “पीब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) सकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

८३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

८४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

८५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

८६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

८७. “माई बालककेँ सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

८८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

८९. क्रियाक मूल भागके की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

९०. “ओ सुतब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

९१. “हँसब” क्रियाक मूल धातु कोन अछि?

- (A) हँस
- (B) हँसब
- (C) नहि
- (D) हम

९२. “कानब” मुख्य रूपेँ कोन प्रकारक क्रिया अछि?

- (A) अकर्मक
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- (D) अव्यय

९३. जे शब्द काज, घटना वा दशा बतबैत अछि, ओकरा की कहल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

९४. वाक्य “बालक खेलि रहल अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) खेलि रहल अछि
- (B) हम
- (C) पोथी
- (D) ओ

९५. सकर्मक क्रिया ककर अपेक्षा करैत अछि?

- (A) कर्मक
- (B) केवल नकारक
- (C) केवल सम्बोधनक
- (D) केवल रंगक

९६. अकर्मक क्रियामे की विशेषता रहैत अछि?

- (A) कर्म आवश्यक नहि
- (B) कर्ता आवश्यक नहि
- (C) क्रिया होइते नहि
- (D) सर्वनाम नहि लागै

९७. “माई बालककें सुतौलनि।” मे “सुतौलनि” कोन भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सम्बन्ध

९८. “खायब” आ “खुआयब” मे भेद की अछि?

- (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
- (B) दुनू सर्वनाम
- (C) दुनू नकार
- (D) दुनू प्रश्न

९९. क्रियाक मूल भागकें की कहल जाइत अछि?

- (A) धातु
- (B) सर्वनाम
- (C) सम्बन्ध
- (D) प्रश्न

१००. “ओ झड़ब चाहैत अछि।” मे “चाहैत अछि”क काज की अछि?

- (A) इच्छा व्यक्त करब
- (B) व्यक्ति-सर्वनाम बनब
- (C) संज्ञा बनब
- (D) रंग देखायब

6

१०१. “हम जाइत छी।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१०२. “ओ गेल।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१०३. “अहाँ जाएब।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१०४. “ओ लोकनि”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) जाइत छथि
- (B) गेलाह
- (C) जेताह
- (D) के

१०५. “बालक”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) खेलत
- (B) खेलैत अछि
- (C) खेलल
- (D) कियो

१०६. “विद्यार्थीसभ”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) पढ़लाह
- (B) पढ़ताह
- (C) पढ़ैत छथि
- (D) किछु

१०७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१०८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१०९. क्रियारूपमे काल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

११०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१११. “बालक खेलैत अछि।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

११२. “विद्यार्थीसभ पढ़लाह।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

११३. “हम जाएँ।” में काल कौन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

११४. “ओ”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) जाइत अछि
- (B) गेल
- (C) जाएत
- (D) के

११५. “अहाँ”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) जाएब
- (B) जाइत छी
- (C) गेलहुँ
- (D) कियो

११६. “ओ लोकनि”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) गेलाह
- (B) जेताह
- (C) जाइत छथि
- (D) किछु

११७. “हम लिखि रहल छी” में क्रिया कौन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

११८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” में मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

११९. क्रियारूपमें काल किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१२०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामें की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१२१. “अहाँ जाइत छी।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१२२. “ओ लोकनि गेलाह।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१२३. “बालक खेलत।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१२४. “विद्यार्थीसभ”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) पढ़ैत छथि
- (B) पढ़लाह
- (C) पढ़ताह
- (D) के

१२५. “हम”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) जाएब
- (B) जाइत छी
- (C) गेलहुँ
- (D) कियो

१२६. “ओ”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) गेल
- (B) जाएत
- (C) जाइत अछि
- (D) किछु

१२७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१२८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१२९. क्रियारूपमे काल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१३०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१३१. “हम जाइत छी।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१३२. “ओ गेल।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१३३. “अहाँ जाएब।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१३४. “ओ लोकनि”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) जाइत छथि
- (B) गेलाह
- (C) जेताह
- (D) के

१३५. “बालक”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) खेलत
- (B) खेलैत अछि
- (C) खेलल
- (D) कियो

१३६. “विद्यार्थीसभ”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) पढ़लाह
- (B) पढ़ताह
- (C) पढ़ैत छथि
- (D) किछु

१३७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१३८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१३९. क्रियारूपमे काल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१४०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१४१. “बालक खेलैत अछि।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१४२. “विद्यार्थीसभ पढ़लाह।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१४३. “हम जएबा।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१४४. “ओ”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) जाइत अछि
- (B) गेल
- (C) जाएत
- (D) के

१४५. “अहाँ”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) जाएब
- (B) जाइत छी
- (C) गेलहुँ
- (D) कियो

१४६. “ओ लोकनि”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) गेलाह
- (B) जेताह
- (C) जाइत छथि
- (D) किछु

१४७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१४८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१४९. क्रियारूपमे काल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१५०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१५१. “अहाँ जाइत छी।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१५२. “ओ लोकनि गेलाह।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१५३. “बालक खेलत।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१५४. “विद्यार्थीसभ”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) पढ़ैत छथि
- (B) पढ़लाह
- (C) पढ़ताह
- (D) के

१५५. “हम”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) जाएब
- (B) जाइत छी
- (C) गेलहुँ
- (D) कियो

१५६. “ओ”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) गेल
- (B) जाएत
- (C) जाइत अछि
- (D) किछु

१५७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१५८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१५९. क्रियारूपमे काल किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१६०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१६१. “हम जाइत छी।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१६२. “ओ गेल।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१६३. “अहाँ जाएब।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१६४. “ओ लोकनि”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) जाइत छथि
- (B) गेलाह
- (C) जेताह
- (D) के

१६५. “बालक”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) खेलत
- (B) खेलैत अछि
- (C) खेलल
- (D) कियो

१६६. “विद्यार्थीसभ”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) पढ़लाह
- (B) पढ़ताह
- (C) पढ़ैत छथि
- (D) किछु

१६७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१६८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१६९. क्रियारूपमे काल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१७०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१७१. “बालक खेलैत अछि।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१७२. “विद्यार्थीसभ पढ़लाह।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१७३. “हम जाएब।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१७४. “ओ”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) जाइत अछि
- (B) गेल
- (C) जाएत
- (D) के

१७५. “अहाँ”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) जाएब
- (B) जाइत छी
- (C) गेलहुँ
- (D) कियो

१७६. “ओ लोकनि”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) गेलाह
- (B) जेताह
- (C) जाइत छथि
- (D) किछु

१७७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१७८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१७९. क्रियारूपमे काल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१८०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१८१. “अहाँ जाइत छी।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१८२. “ओ लोकनि गेलाह।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१८३. “बालक खेलत।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१८४. “विद्यार्थीसभ”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) पढ़ैत छथि
- (B) पढ़लाह
- (C) पढ़ताह
- (D) के

१८५. “हम”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) जाएब
- (B) जाइत छी
- (C) गेलहुँ
- (D) कियो

१८६. “ओ”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) गेल
- (B) जाएत
- (C) जाइत अछि
- (D) किछु

१८७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१८८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१८९. क्रियारूपमे काल किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

१९०. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

१९१. “हम जाइत छी।” मे काल कोन अछि?

- (A) वर्तमान काल
- (B) भूत काल
- (C) भविष्य काल
- (D) सम्बन्ध

१९२. “ओ गेल।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) निजवाचक

१९३. “अहाँ जाएबा” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) अनिश्चयवाचक

१९४. “ओ लोकनि”क संग वर्तमानक उचित रूप चुनू।

- (A) जाइत छथि
- (B) गेलाह
- (C) जेताह
- (D) के

१९५. “बालक”क संग भविष्यक उचित रूप चुनू।

- (A) खेलत
- (B) खेलैत अछि
- (C) खेलल
- (D) कियो

१९६. “विद्यार्थीसभ”क संग भूतक उचित रूप चुनू।

- (A) पढ़लाह
- (B) पढ़ताह
- (C) पढ़ैत छथि
- (D) किछु

१९७. “हम लिखि रहल छी” मे क्रिया कोन अवस्था देखबैत अछि?

- (A) चालू काज
- (B) पूर्ण निषेध
- (C) केवल सम्बोधन
- (D) सम्बन्ध

१९८. “ओ लिखल” आ “ओ लिखत” मे मुख्य भेद की अछि?

- (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
- (B) दुनू प्रश्न
- (C) दुनू सर्वनाम
- (D) दुनू नकार

१९९. क्रियारूपमे काल किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
- (B) केवल रंग बतबैत अछि
- (C) संज्ञा हटबैत अछि
- (D) व्यक्ति सदिखन बदलैत अछि

२००. “अछि, छी, छथि” जकाँ शब्द क्रियामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) सहायक क्रिया
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) संज्ञा
- (D) विशेषण

२०१. “कृपया पोथी पढ़ू।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२०२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२०३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२०४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तु रंग
- (D) मात्रा

२०५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२०६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२०७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२०८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२०९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२१०. “चलू पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२११. “कृपया पोथी पढ़ू।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२१२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२१३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२१४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तुक रंग
- (D) मात्रा

२१५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२१६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२१७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२१८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२१९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२२०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२२१. “कृपया पोथी पढ़ी” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२२२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२२३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२२४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तु रंग
- (D) मात्रा

२२५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२२६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२२७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२२८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२२९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२३०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२३१. “कृपया पोथी पढ़ू।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२३२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२३३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२३४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तुक रंग
- (D) मात्रा

२३५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२३६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२३७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२३८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२३९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२४०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२४१. “कृपया पोथी पढ़ू।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२४२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२४३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२४४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तु रंग
- (D) मात्रा

२४५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२४६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२४७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२४८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२४९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२५०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२५१. “कृपया पोथी पढ़ू।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२५२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२५३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२५४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तुक रंग
- (D) मात्रा

२५५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२५६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२५७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२५८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२५९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२६०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२६१. “कृपया पोथी पढ़ी।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२६२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२६३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२६४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तु रंग
- (D) मात्रा

२६५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२६६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२६७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२६८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२६९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२७०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२७१. “कृपया पोथी पढ़ी” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२७२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२७३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२७४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तु रंग
- (D) मात्रा

२७५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२७६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२७७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२७८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२७९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२८०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२८१. “कृपया पोथी पढ़ू।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२८२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२८३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२८४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तु रंग
- (D) मात्रा

२८५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२८६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२८७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२८८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२८९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

२९०. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

२९१. “कृपया पोथी पढ़ू।” मे मुख्य भाव कोन अछि?

- (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
- (B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- (C) सम्बन्धवाचक रूप
- (D) संज्ञा

२९२. “रहल अछि” क्रिया-समूहमे कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

२९३. “चुकल अछि” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) पूर्णता
- (B) प्रश्न
- (C) सम्बोधन
- (D) अनिश्चित व्यक्ति

२९४. “सकैत अछि” क्रिया-समूह कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) वस्तुक रंग
- (D) मात्रा

२९५. “चाही”क प्रयोग कोन भावमे होइत अछि?

- (A) कर्तव्य/बाध्यता
- (B) केवल प्रश्न
- (C) दूर संकेत
- (D) अधिकार

२९६. “करू” रूप सामान्यतः कोन भावमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) आज्ञा/अनुरोध
- (B) भूत काल
- (C) अनिश्चयवाचक
- (D) सम्बन्ध

२९७. “पत्र लिखल गेल” मे वाक्यक दृष्टि ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) कर्म पर
- (B) कर्ता पर
- (C) प्रश्न पर
- (D) रंग पर

२९८. “खुआयब” जकाँ रूप कोन क्रिया-भाव दैत अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) नकार
- (C) प्रश्न
- (D) सर्वनाम

२९९. सहायक क्रिया ककरा स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल नाम

३००. “चलू, पढ़ाइ शुरू करी।” मे “चलू”क भाव की अछि?

- (A) आमन्त्रण/सहभागिता
- (B) भूतकाल
- (C) अनिश्चित वस्तु
- (D) सम्बन्ध

8

३०१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जएब।
- (B) हम जएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३०२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३०३. “हम नहि खएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) खएब
- (D) मे

३०४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३०५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३०६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३०७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३०८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३०९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३१०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३११. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जएब।
- (B) हम जएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३१२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३१३. “हम नहि खएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) खएब
- (D) मे

३१४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३१५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३१६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३१७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३१८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३१९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३२०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) तूँ सर्वनाम नहि
- (D) तूँमे क्रिया नहि

३२१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जएब।
- (B) हम जएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३२२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३२३. “हम नहि खएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) खएब
- (D) मे

३२४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३२५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३२६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३२७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३२८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३२९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३३०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३३१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जाएब।
- (B) हम जाएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३३२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३३३. “हम नहि जाएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) जाएब
- (D) मे

३३४. कर्त्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३३५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३३६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३३७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३३८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३३९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३४०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३४१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जाएब।
- (B) हम जाएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३४२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३४३. “हम नहि जाएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) जाएब
- (D) मे

३४४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३४५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३४६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३४७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३४८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३४९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३५०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३५१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जएब।
- (B) हम जएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३५२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३५३. “हम नहि खएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) खएब
- (D) मे

३५४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३५५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३५६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३५७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३५८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३५९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३६०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३६१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जएब।
- (B) हम जएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३६२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३६३. “हम नहि खएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) खएब
- (D) मे

३६४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३६५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३६६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३६७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३६८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३६९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३७०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३७१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जएब।
- (B) हम जएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३७२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३७३. “हम नहि खएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) खएब
- (D) मे

३७४. कर्त्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३७५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३७६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३७७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३७८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३७९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३८०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३८१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जाएब।
- (B) हम जाएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३८२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३८३. “हम नहि जाएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) जाएब
- (D) मे

३८४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३८५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३८६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३८७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३८८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३८९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

३९०. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

३९१. शुद्ध वाक्य चुनू।

- (A) हम नहि जएब।
- (B) हम जएब नहि।
- (C) नहि
- (D) ककरो

३९२. मैथिलीमे सामान्य नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) अपन
- (C) के
- (D) करैत

३९३. “हम नहि खएब” मे नकार कोन शब्दसँ बनल अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) खएब
- (D) मे

३९४. कर्ता-क्रिया मेलक अर्थ की अछि?

- (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
- (B) क्रिया हटायब
- (C) सर्वनाम हटायब
- (D) रंग जोड़ब

३९५. “ओ लोकनि पढ़ैत छथि” मे “छथि” किएक उचित अछि?

- (A) आदर/बहुवचनक कारण
- (B) नकारक कारण
- (C) प्रश्नक कारण
- (D) वस्तुक कारण

३९६. “हमरा भूख लागल अछि” मे “हमरा” किएक आयल?

- (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
- (B) क्रियाक मूल
- (C) विशेषण
- (D) अव्यय

३९७. “ओ नहि आयल” मे नकारक प्रभाव ककरा पर अछि?

- (A) आयबाक क्रिया पर
- (B) ओकरे नाम पर
- (C) वाक्यक रंग पर
- (D) संज्ञाक लिंग पर

३९८. सही वाक्य-क्रमक सामान्य रूप कोन अछि?

- (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
- (B) क्रिया—केवल नकार—कर्ता
- (C) केवल कर्म—केवल विशेषण
- (D) नकार—नकार—नकार

३९९. “अहाँ नहि जाइ छी” मे “अहाँ”क संग क्रिया किएक “छी” अछि?

- (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
- (B) भूतकालक चिन्ह
- (C) संज्ञाक नाम
- (D) अनिश्चय

४००. “तूँ नहि जा” आ “अहाँ नहि जाउ” मे भेद की अछि?

- (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
- (B) पहिल वाक्य भविष्य काल
- (C) दुनू सर्वनाम नहि
- (D) दुनूमे क्रिया नहि

४०१. “राम अपन पोथी पढ़ैत अछि।” मे “अपन”क काज की अछि?

- (A) निज सम्बन्ध देखायब
- (B) भूतकाल बनायब
- (C) प्रश्न करब
- (D) नकार करब

४०२. “के एतय गीत गाबि रहल अछि?” मे प्रश्नवाचक सर्वनाम कोन अछि?

- (A) के
- (B) गीत
- (C) रहल अछि
- (D) एतय

४०३. “हमरा काज करबाक चाही।” मे क्रिया-भाव कोन अछि?

- (A) बाध्यता
- (B) निजवाचक
- (C) दूर संकेत
- (D) अनिश्चितता

४०४. “ओ लोकनि कथा सुनबैत छथि।” मे आदर/बहुवचनक संकेत कोन अछि?

- (A) लोकनि आ छथि
- (B) कथा
- (C) ओ
- (D) सुनबैत

४०५. “जे मेहनत करत, से सफल होयत।” मे सर्वनाम-जोड़ी कोन अछि?

- (A) जे—से
- (B) हम—अहाँ
- (C) के—कियो
- (D) ई—ओ

४०६. “कियो आबि सकैत अछि।” मे “सकैत अछि” की बतबैत अछि?

- (A) सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४०७. “अहाँक विचार नीक अछि।” मे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कोन अछि?

- (A) अहाँक
- (B) विचार
- (C) नीक
- (D) अछि

४०८. “पत्र लिखल गेल।” मे वाच्य कोन दिस झुकल अछि?

- (A) कर्मवाच्य
- (B) कर्तृवाच्य
- (C) प्रश्नवाच्य
- (D) निजवाच्य

४०९. “हम नहि बोलब।” मे नकारक शब्द कोन अछि?

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) बोलब
- (D) मे

४१०. “ई गाछ फूलि रहल अछि।” मे निकट संकेतवाचक सर्वनाम कोन अछि?

- (A) ई
- (B) गाछ
- (C) फूलि
- (D) अछि

४११. “ओकरा सँ पूछू।” मे “ओकरा” कोन रूप अछि?

- (A) कारक रूप
- (B) सहायक क्रिया
- (C) विशेषण
- (D) नकार

४१२. “अपन भाषा सीखू।” मे “अपन”क अर्थ की अछि?

- (A) निजक
- (B) परक
- (C) अनिश्चित
- (D) केवल प्रश्न

४१३. “हमसभ पढ़ब।” मे “सभ”क अर्थ की अछि?

- (A) बहुवचन
- (B) भूतकाल
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४१४. “की लिखलहुँ?” मे “की”क भूमिका की अछि?

- (A) वस्तु/बात पूछब
- (B) निजता बतायब
- (C) आदर बतायब
- (D) पूर्णता बतायब

४१५. “बालक दौड़ैत अछि।” मे क्रिया कोन अछि?

- (A) दौड़ैत अछि
- (B) बालक
- (C) मे
- (D) अछि मात्र

४१६. “माई भात पकबैत छथि।” मे “पकबैत”क भाव की अछि?

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) अनिश्चय
- (C) प्रश्न
- (D) नकार

४१७. “ओ काल्हि आयल।” मे काल कोन अछि?

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) आज्ञा

४१८. “अहाँ काल्हि आउब।” मे काल कोन अछि?

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) पूर्ण पक्ष

४१९. “बच्चा खेलि रहल अछि।” मे पक्ष कोन अछि?

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४२०. “किछु जल दिअ।” मे “किछु” की अछि?

- (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) क्रिया
- (D) विशेषण

४२१. “राम अपन पोथी पढ़ैत अछि।” मे “अपन”क काज की अछि? अभ्यास 2।

- (A) निज सम्बन्ध देखायब
- (B) भूतकाल बनायब
- (C) प्रश्न करब
- (D) नकार करब

४२२. “के एतय गीत गाबि रहल अछि?” मे प्रश्नवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) के
- (B) गीत
- (C) रहल अछि
- (D) एतय

४२३. “हमरा काज करबाक चाही।” मे क्रिया-भाव कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) बाध्यता
- (B) निजवाचक
- (C) दूर संकेत
- (D) अनिश्चितता

४२४. “ओ लोकनि कथा सुनबैत छथि।” मे आदर/बहुवचनक संकेत कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) लोकनि आ छथि
- (B) कथा
- (C) ओ
- (D) सुनबैत

४२५. “जे मेहनत करत, से सफल होयत।” मे सर्वनाम-जोड़ी कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) जे—से
- (B) हम—अहाँ
- (C) के—कियो
- (D) ई—ओ

४२६. “कियो आबि सकैत अछि।” मे “सकैत अछि” की बतबैत अछि? अभ्यास 2।

- (A) सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४२७. “अहाँक विचार नीक अछि।” मे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) अहाँक
- (B) विचार
- (C) नीक
- (D) अछि

४२८. “पत्र लिखल गेल।” मे वाच्य कोन दिस झुकल अछि? अभ्यास 2।

- (A) कर्मवाच्य
- (B) कर्तृवाच्य
- (C) प्रश्नवाच्य
- (D) निजवाच्य

४२९. “हम नहि बोलब।” मे नकारक शब्द कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) बोलब
- (D) मे

४३०. “ई गाछ फूलि रहल अछि।” मे निकट संकेतवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) ई
- (B) गाछ
- (C) फूलि
- (D) अछि

४३१. “ओकरा सँ पूछू।” मे “ओकरा” कोन रूप अछि? अभ्यास 2।

- (A) कारक रूप
- (B) सहायक क्रिया
- (C) विशेषण
- (D) नकार

४३२. “अपन भाषा सीखू।” मे “अपन”क अर्थ की अछि? अभ्यास 2।

- (A) निजक
- (B) परक
- (C) अनिश्चित
- (D) केवल प्रश्न

४३३. “हमसभ पढ़बा” मे “सभ”क अर्थ की अछि? अभ्यास 2।

- (A) बहुवचन
- (B) भूतकाल
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४३४. “की लिखलहुँ?” मे “की”क भूमिका की अछि? अभ्यास 2।

- (A) वस्तु/बात पूछब
- (B) निजता बतायब
- (C) आदर बतायब
- (D) पूर्णता बतायब

४३५. “बालक दौड़ैत अछि।” मे क्रिया कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) दौड़ैत अछि
- (B) बालक
- (C) मे
- (D) अछि मात्र

४३६. “माई भात पकबैत छथि।” मे “पकबैत”क भाव की अछि? अभ्यास 2।

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) अनिश्चय
- (C) प्रश्न
- (D) नकार

४३७. “ओ काल्हि आयल।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) आज्ञा

४३८. “अहाँ काल्हि आउब।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) पूर्ण पक्ष

४३९. “बच्चा खेलि रहल अछि।” मे पक्ष कोन अछि? अभ्यास 2।

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४४०. “किछु जल दिअ।” मे “किछु” की अछि? अभ्यास 2।

- (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) क्रिया
- (D) विशेषण

४४१. “राम अपन पोथी पढ़ैत अछि।” मे “अपन”क काज की अछि? अभ्यास ३।

- (A) निज सम्बन्ध देखायब
- (B) भूतकाल बनायब
- (C) प्रश्न करब
- (D) नकार करब

४४२. “के एतय गीत गाबि रहल अछि?” मे प्रश्नवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) के
- (B) गीत
- (C) रहल अछि
- (D) एतय

४४३. “हमरा काज करबाक चाही।” मे क्रिया-भाव कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) बाध्यता
- (B) निजवाचक
- (C) दूर संकेत
- (D) अनिश्चितता

४४४. “ओ लोकनि कथा सुनबैत छथि।” मे आदर/बहुवचनक संकेत कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) लोकनि आ छथि
- (B) कथा
- (C) ओ
- (D) सुनबैत

४४५. “जे मेहनत करत, से सफल होयत।” मे सर्वनाम-जोड़ी कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) जे—से
- (B) हम—अहाँ
- (C) के—कियो
- (D) ई—ओ

४४६. “कियो आबि सकैत अछि।” मे “सकैत अछि” की बतबैत अछि? अभ्यास ३।

- (A) सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४४७. “अहाँक विचार नीक अछि।” मे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) अहाँक
- (B) विचार
- (C) नीक
- (D) अछि

४४८. “पत्र लिखल गेल।” मे वाच्य कोन दिस झुकल अछि? अभ्यास ३।

- (A) कर्मवाच्य
- (B) कर्तृवाच्य
- (C) प्रश्नवाच्य
- (D) निजवाच्य

४४९. “हम नहि बोलब।” मे नकारक शब्द कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) बोलब
- (D) मे

४५०. “ई गाछ फूलि रहल अछि।” मे निकट संकेतवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) ई
- (B) गाछ
- (C) फूलि
- (D) अछि

४५१. “ओकरा सँ पूछू।” मे “ओकरा” कोन रूप अछि? अभ्यास ३।

- (A) कारक रूप
- (B) सहायक क्रिया
- (C) विशेषण
- (D) नकार

४५२. “अपन भाषा सीखू।” मे “अपन”क अर्थ की अछि? अभ्यास ३।

- (A) निजक
- (B) परक
- (C) अनिश्चित
- (D) केवल प्रश्न

४५३. “हमसभ पढ़ब।” मे “सभ”क अर्थ की अछि? अभ्यास ३।

- (A) बहुवचन
- (B) भूतकाल
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४५४. “की लिखलहुँ?” मे “की”क भूमिका की अछि? अभ्यास ३।

- (A) वस्तु/बात पूछब
- (B) निजता बतायब
- (C) आदर बतायब
- (D) पूर्णता बतायब

४५५. “बालक दौड़ैत अछि।” मे क्रिया कोन अछि? अभ्यास ३।

- (A) दौड़ैत अछि
- (B) बालक
- (C) मे
- (D) अछि मात्र

४५६. “माई भात पकबैत छथि।” मे “पकबैत”क भाव की अछि? अभ्यास ३।

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) अनिश्चय
- (C) प्रश्न
- (D) नकार

४५७. “ओ काल्हि आयल।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 3।

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) आज्ञा

४५८. “अहाँ काल्हि आउब।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 3।

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) पूर्ण पक्ष

४५९. “बच्चा खेलि रहल अछि।” मे पक्ष कोन अछि? अभ्यास 3।

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४६०. “किछु जल दिअ।” मे “किछु” की अछि? अभ्यास 3।

- (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) क्रिया
- (D) विशेषण

४६१. “राम अपन पोथी पढ़ैत अछि।” मे “अपन”क काज की अछि? अभ्यास 4।

- (A) निज सम्बन्ध देखायब
- (B) भूतकाल बनायब
- (C) प्रश्न करब
- (D) नकार करब

४६२. “के एतय गीत गाबि रहल अछि?” मे प्रश्नवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) के
- (B) गीत
- (C) रहल अछि
- (D) एतय

४६३. “हमरा काज करबाक चाही।” मे क्रिया-भाव कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) बाध्यता
- (B) निजवाचक
- (C) दूर संकेत
- (D) अनिश्चितता

४६४. “ओ लोकनि कथा सुनबैत छथि।” मे आदर/बहुवचनक संकेत कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) लोकनि आ छथि
- (B) कथा
- (C) ओ
- (D) सुनबैत

४६५. “जे मेहनत करत, से सफल होयत।” मे सर्वनाम-जोड़ी कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) जे—से
- (B) हम—अहाँ
- (C) के—कियो
- (D) ई—ओ

४६६. “कियो आबि सकैत अछि।” मे “सकैत अछि” की बतबैत अछि? अभ्यास 4।

- (A) सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४६७. “अहाँक विचार नीक अछि।” मे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) अहाँक
- (B) विचार
- (C) नीक
- (D) अछि

४६८. “पत्र लिखल गेल।” मे वाच्य कोन दिस झुकल अछि? अभ्यास 4।

- (A) कर्मवाच्य
- (B) कर्तृवाच्य
- (C) प्रश्नवाच्य
- (D) निजवाच्य

४६९. “हम नहि बोलब।” मे नकारक शब्द कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) बोलब
- (D) मे

४७०. “ई गाछ फूलि रहल अछि।” मे निकट संकेतवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) ई
- (B) गाछ
- (C) फूलि
- (D) अछि

४७१. “ओकरा सँ पूछू।” मे “ओकरा” कोन रूप अछि? अभ्यास 4।

- (A) कारक रूप
- (B) सहायक क्रिया
- (C) विशेषण
- (D) नकार

४७२. “अपन भाषा सीखू।” मे “अपन”क अर्थ की अछि? अभ्यास 4।

- (A) निजक
- (B) परक
- (C) अनिश्चित
- (D) केवल प्रश्न

४७३. “हमसभ पढ़ब।” मे “सभ”क अर्थ की अछि? अभ्यास 4।

- (A) बहुवचन
- (B) भूतकाल
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४७४. “की लिखलहुँ?” मे “की”क भूमिका की अछि? अभ्यास 4।

- (A) वस्तु/बात पूछब
- (B) निजता बतायब
- (C) आदर बतायब
- (D) पूर्णता बतायब

४७५. “बालक दौड़ैत अछि।” मे क्रिया कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) दौड़ैत अछि
- (B) बालक
- (C) मे
- (D) अछि मात्र

४७६. “माई भात पकबैत छथि।” मे “पकबैत”क भाव की अछि? अभ्यास 4।

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) अनिश्चय
- (C) प्रश्न
- (D) नकार

४७७. “ओ काल्हि आयल।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) आज्ञा

४७८. “अहाँ काल्हि आउब।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) पूर्ण पक्ष

४७९. “बच्चा खेलि रहल अछि।” मे पक्ष कोन अछि? अभ्यास 4।

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४८०. “किछु जल दिअ।” मे “किछु” की अछि? अभ्यास 4।

- (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) क्रिया
- (D) विशेषण

४८१. “राम अपन पोथी पढ़ैत अछि।” मे “अपन”क काज की अछि? अभ्यास 5।

- (A) निज सम्बन्ध देखायब
- (B) भूतकाल बनायब
- (C) प्रश्न करब
- (D) नकार करब

४८२. “के एतय गीत गाबि रहल अछि?” मे प्रश्नवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) के
- (B) गीत
- (C) रहल अछि
- (D) एतय

४८३. “हमरा काज करबाक चाही।” मे क्रिया-भाव कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) बाध्यता
- (B) निजवाचक
- (C) दूर संकेत
- (D) अनिश्चितता

४८४. “ओ लोकनि कथा सुनबैत छथि।” मे आदर/बहुवचनक संकेत कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) लोकनि आ छथि
- (B) कथा
- (C) ओ
- (D) सुनबैत

४८५. “जे मेहनत करत, से सफल होयत।” मे सर्वनाम-जोड़ी कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) जे—से
- (B) हम—अहाँ
- (C) के—कियो
- (D) ई—ओ

४८६. “कियो आबि सकैत अछि।” मे “सकैत अछि” की बतबैत अछि? अभ्यास 5।

- (A) सम्भावना
- (B) निश्चित भूत
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४८७. “अहाँक विचार नीक अछि।” मे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) अहाँक
- (B) विचार
- (C) नीक
- (D) अछि

४८८. “पत्र लिखल गेल।” मे वाच्य कोन दिस झुकल अछि? अभ्यास 5।

- (A) कर्मवाच्य
- (B) कर्तृवाच्य
- (C) प्रश्नवाच्य
- (D) निजवाच्य

४८९. “हम नहि बोलब।” मे नकारक शब्द कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) नहि
- (B) हम
- (C) बोलब
- (D) मे

४९०. “ई गाछ फूलि रहल अछि।” मे निकट संकेतवाचक सर्वनाम कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) ई
- (B) गाछ
- (C) फूलि
- (D) अछि

४९१. “ओकरा सँ पूछू।” मे “ओकरा” कोन रूप अछि? अभ्यास 5।

- (A) कारक रूप
- (B) सहायक क्रिया
- (C) विशेषण
- (D) नकार

४९२. “अपन भाषा सीखू।” मे “अपन”क अर्थ की अछि? अभ्यास 5।

- (A) निजक
- (B) परक
- (C) अनिश्चित
- (D) केवल प्रश्न

४९३. “हमसभ पढ़ब।” मे “सभ”क अर्थ की अछि? अभ्यास 5।

- (A) बहुवचन
- (B) भूतकाल
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

४९४. “की लिखलहुँ?” मे “की”क भूमिका की अछि? अभ्यास 5।

- (A) वस्तु/बात पूछब
- (B) निजता बतायब
- (C) आदर बतायब
- (D) पूर्णता बतायब

४९५. “बालक दौड़ैत अछि।” मे क्रिया कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) दौड़ैत अछि
- (B) बालक
- (C) मे
- (D) अछि मात्र

४९६. “माई भात पकबैत छथि।” मे “पकबैत”क भाव की अछि? अभ्यास 5।

- (A) प्रेरणार्थक
- (B) अनिश्चय
- (C) प्रश्न
- (D) नकार

४९७. “ओ काल्हि आयल।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) भूत काल
- (B) वर्तमान काल
- (C) भविष्य काल
- (D) आज्ञा

४९८. “अहाँ काल्हि आउब।” मे काल कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) भविष्य काल
- (B) भूत काल
- (C) वर्तमान काल
- (D) पूर्ण पक्ष

४९९. “बच्चा खेलि रहल अछि।” मे पक्ष कोन अछि? अभ्यास 5।

- (A) चालू पक्ष
- (B) पूर्ण पक्ष
- (C) नकार
- (D) सम्बन्ध

५००. “किछु जल दिअ।” मे “किछु” की अछि? अभ्यास 5।

- (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) क्रिया
- (D) विशेषण

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) खा
२. (A) सकर्मक
३. (A) क्रिया
४. (A) खेलि रहल अछि
५. (A) कर्मक
६. (A) कर्म आवश्यक नहि
७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
९. (A) धातु
१०. (A) इच्छा व्यक्त करब
११. (A) हँस
१२. (A) अकर्मक
१३. (A) क्रिया
१४. (A) खेलि रहल अछि
१५. (A) कर्मक
१६. (A) कर्म आवश्यक नहि
१७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज

१८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
१९. (A) धातु
२०. (A) इच्छा व्यक्त करब
२१. (A) खा
२२. (A) सकर्मक
२३. (A) क्रिया
२४. (A) खेलि रहल अछि
२५. (A) कर्मक
२६. (A) कर्म आवश्यक नहि
२७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
२८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
२९. (A) धातु
३०. (A) इच्छा व्यक्त करब
३१. (A) हँस
३२. (A) अकर्मक
३३. (A) क्रिया
३४. (A) खेलि रहल अछि
३५. (A) कर्मक
३६. (A) कर्म आवश्यक नहि
३७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
३८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
३९. (A) धातु
४०. (A) इच्छा व्यक्त करब
४१. (A) खा
४२. (A) सकर्मक
४३. (A) क्रिया
४४. (A) खेलि रहल अछि
४५. (A) कर्मक
४६. (A) कर्म आवश्यक नहि
४७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
४८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
४९. (A) धातु
५०. (A) इच्छा व्यक्त करब
५१. (A) हँस
५२. (A) अकर्मक
५३. (A) क्रिया

५४. (A) खेलि रहल अछि
५५. (A) कर्मक
५६. (A) कर्म आवश्यक नहि
५७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
५८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
५९. (A) धातु
६०. (A) इच्छा व्यक्त करब
६१. (A) खा
६२. (A) सकर्मक
६३. (A) क्रिया
६४. (A) खेलि रहल अछि
६५. (A) कर्मक
६६. (A) कर्म आवश्यक नहि
६७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
६८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
६९. (A) धातु
७०. (A) इच्छा व्यक्त करब
७१. (A) हँस
७२. (A) अकर्मक
७३. (A) क्रिया
७४. (A) खेलि रहल अछि
७५. (A) कर्मक
७६. (A) कर्म आवश्यक नहि
७७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
७८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
७९. (A) धातु
८०. (A) इच्छा व्यक्त करब
८१. (A) खा
८२. (A) सकर्मक
८३. (A) क्रिया
८४. (A) खेलि रहल अछि
८५. (A) कर्मक
८६. (A) कर्म आवश्यक नहि
८७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
८८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
८९. (A) धातु

९०. (A) इच्छा व्यक्त करब
९१. (A) हँस
९२. (A) अकर्मक
९३. (A) क्रिया
९४. (A) खेलि रहल अछि
९५. (A) कर्मक
९६. (A) कर्म आवश्यक नहि
९७. (A) प्रेरणार्थक/कराओल काज
९८. (A) दोसरा सँ खायब कराबयमे “खुआयब”
९९. (A) धातु
१००. (A) इच्छा व्यक्त करब
१०१. (A) वर्तमान काल
१०२. (A) भूत काल
१०३. (A) भविष्य काल
१०४. (A) जाइत छथि
१०५. (A) खेलत
१०६. (A) पढ़लाह
१०७. (A) चालू काज
१०८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१०९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
११०. (A) सहायक क्रिया
१११. (A) वर्तमान काल
११२. (A) भूत काल
११३. (A) भविष्य काल
११४. (A) जाइत अछि
११५. (A) जाएब
११६. (A) गेलाह
११७. (A) चालू काज
११८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
११९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१२०. (A) सहायक क्रिया
१२१. (A) वर्तमान काल
१२२. (A) भूत काल
१२३. (A) भविष्य काल
१२४. (A) पढ़ैत छथि
१२५. (A) जाएब

१२६. (A) गेल
१२७. (A) चालू काज
१२८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१२९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१३०. (A) सहायक क्रिया
१३१. (A) वर्तमान काल
१३२. (A) भूत काल
१३३. (A) भविष्य काल
१३४. (A) जाइत छथि
१३५. (A) खेलत
१३६. (A) पढ़लाह
१३७. (A) चालू काज
१३८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१३९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१४०. (A) सहायक क्रिया
१४१. (A) वर्तमान काल
१४२. (A) भूत काल
१४३. (A) भविष्य काल
१४४. (A) जाइत अछि
१४५. (A) जाएब
१४६. (A) गेलाह
१४७. (A) चालू काज
१४८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१४९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१५०. (A) सहायक क्रिया
१५१. (A) वर्तमान काल
१५२. (A) भूत काल
१५३. (A) भविष्य काल
१५४. (A) पढ़ैत छथि
१५५. (A) जाएब
१५६. (A) गेल
१५७. (A) चालू काज
१५८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१५९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१६०. (A) सहायक क्रिया
१६१. (A) वर्तमान काल

१६२. (A) भूत काल
१६३. (A) भविष्य काल
१६४. (A) जाइत छथि
१६५. (A) खेलत
१६६. (A) पढ़लाह
१६७. (A) चालू काज
१६८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१६९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१७०. (A) सहायक क्रिया
१७१. (A) वर्तमान काल
१७२. (A) भूत काल
१७३. (A) भविष्य काल
१७४. (A) जाइत अछि
१७५. (A) जाएब
१७६. (A) गेलाह
१७७. (A) चालू काज
१७८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१७९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१८०. (A) सहायक क्रिया
१८१. (A) वर्तमान काल
१८२. (A) भूत काल
१८३. (A) भविष्य काल
१८४. (A) पढ़ैत छथि
१८५. (A) जाएब
१८६. (A) गेल
१८७. (A) चालू काज
१८८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१८९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
१९०. (A) सहायक क्रिया
१९१. (A) वर्तमान काल
१९२. (A) भूत काल
१९३. (A) भविष्य काल
१९४. (A) जाइत छथि
१९५. (A) खेलत
१९६. (A) पढ़लाह
१९७. (A) चालू काज

१९८. (A) पहिल भूत, दोसर भविष्य
१९९. (A) काज कखन भेल/होइत/होयत से बतबैत अछि
२००. (A) सहायक क्रिया
२०१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२०२. (A) चालू पक्ष
२०३. (A) पूर्णता
२०४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२०५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२०६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२०७. (A) कर्म पर
२०८. (A) प्रेरणार्थक
२०९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२१०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२११. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२१२. (A) चालू पक्ष
२१३. (A) पूर्णता
२१४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२१५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२१६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२१७. (A) कर्म पर
२१८. (A) प्रेरणार्थक
२१९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२२०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२२१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२२२. (A) चालू पक्ष
२२३. (A) पूर्णता
२२४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२२५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२२६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२२७. (A) कर्म पर
२२८. (A) प्रेरणार्थक
२२९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२३०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२३१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२३२. (A) चालू पक्ष
२३३. (A) पूर्णता

२३४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२३५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२३६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२३७. (A) कर्म पर
२३८. (A) प्रेरणार्थक
२३९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२४०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२४१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२४२. (A) चालू पक्ष
२४३. (A) पूर्णता
२४४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२४५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२४६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२४७. (A) कर्म पर
२४८. (A) प्रेरणार्थक
२४९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२५०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२५१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२५२. (A) चालू पक्ष
२५३. (A) पूर्णता
२५४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२५५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२५६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२५७. (A) कर्म पर
२५८. (A) प्रेरणार्थक
२५९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२६०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२६१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२६२. (A) चालू पक्ष
२६३. (A) पूर्णता
२६४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२६५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२६६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२६७. (A) कर्म पर
२६८. (A) प्रेरणार्थक
२६९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष

२७०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२७१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२७२. (A) चालू पक्ष
२७३. (A) पूर्णता
२७४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२७५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२७६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२७७. (A) कर्म पर
२७८. (A) प्रेरणार्थक
२७९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२८०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२८१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२८२. (A) चालू पक्ष
२८३. (A) पूर्णता
२८४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२८५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२८६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२८७. (A) कर्म पर
२८८. (A) प्रेरणार्थक
२८९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
२९०. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
२९१. (A) आज्ञार्थक/अनुरोध
२९२. (A) चालू पक्ष
२९३. (A) पूर्णता
२९४. (A) सामर्थ्य वा सम्भावना
२९५. (A) कर्तव्य/बाध्यता
२९६. (A) आज्ञा/अनुरोध
२९७. (A) कर्म पर
२९८. (A) प्रेरणार्थक
२९९. (A) काल, भाव, आदर, पक्ष
३००. (A) आमन्त्रण/सहभागिता
३०१. (A) हम नहि जएब।
३०२. (A) नहि
३०३. (A) नहि
३०४. (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३०५. (A) आदर/बहुवचनक कारण

३०६. (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
३०७. (A) आयबाक क्रिया पर
३०८. (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
३०९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३१०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३११. (A) हम नहि जएब।
३१२. (A) नहि
३१३. (A) नहि
३१४. (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३१५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३१६. (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
३१७. (A) आयबाक क्रिया पर
३१८. (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
३१९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३२०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३२१. (A) हम नहि जएब।
३२२. (A) नहि
३२३. (A) नहि
३२४. (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३२५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३२६. (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
३२७. (A) आयबाक क्रिया पर
३२८. (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
३२९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३३०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३३१. (A) हम नहि जएब।
३३२. (A) नहि
३३३. (A) नहि
३३४. (A) कर्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३३५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३३६. (A) अनुभवकर्ताक कारक रूप
३३७. (A) आयबाक क्रिया पर
३३८. (A) कर्ता—कर्म—क्रिया
३३९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३४०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३४१. (A) हम नहि जएब।

३४२. (A) नहि
३४३. (A) नहि
३४४. (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३४५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३४६. (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
३४७. (A) आयबाक क्रिया पर
३४८. (A) कर्त्ता—कर्म—क्रिया
३४९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३५०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३५१. (A) हम नहि जएब।
३५२. (A) नहि
३५३. (A) नहि
३५४. (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३५५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३५६. (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
३५७. (A) आयबाक क्रिया पर
३५८. (A) कर्त्ता—कर्म—क्रिया
३५९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३६०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३६१. (A) हम नहि जएब।
३६२. (A) नहि
३६३. (A) नहि
३६४. (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३६५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३६६. (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
३६७. (A) आयबाक क्रिया पर
३६८. (A) कर्त्ता—कर्म—क्रिया
३६९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३७०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३७१. (A) हम नहि जएब।
३७२. (A) नहि
३७३. (A) नहि
३७४. (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३७५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३७६. (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
३७७. (A) आयबाक क्रिया पर

३७८. (A) कर्त्ता—कर्म—क्रिया
३७९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३८०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३८१. (A) हम नहि जएब।
३८२. (A) नहि
३८३. (A) नहि
३८४. (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३८५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३८६. (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
३८७. (A) आयबाक क्रिया पर
३८८. (A) कर्त्ता—कर्म—क्रिया
३८९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
३९०. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
३९१. (A) हम नहि जएब।
३९२. (A) नहि
३९३. (A) नहि
३९४. (A) कर्त्ताक पुरुष/आदर अनुसार क्रिया राखब
३९५. (A) आदर/बहुवचनक कारण
३९६. (A) अनुभवकर्त्ताक कारक रूप
३९७. (A) आयबाक क्रिया पर
३९८. (A) कर्त्ता—कर्म—क्रिया
३९९. (A) आदरसूचक मध्यम पुरुषक मेल
४००. (A) दोसर वाक्य अधिक आदरसूचक
४०१. (A) निज सम्बन्ध देखायब
४०२. (A) के
४०३. (A) बाध्यता
४०४. (A) लोकनि आ छथि
४०५. (A) जे—से
४०६. (A) सम्भावना
४०७. (A) अहाँक
४०८. (A) कर्मवाच्य
४०९. (A) नहि
४१०. (A) ई
४११. (A) कारक रूप
४१२. (A) निजक
४१३. (A) बहुवचन

४१४. (A) वस्तु/बात पूछब
४१५. (A) दौड़ैत अछि
४१६. (A) प्रेरणार्थक
४१७. (A) भूत काल
४१८. (A) भविष्य काल
४१९. (A) चालू पक्ष
४२०. (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
४२१. (A) निज सम्बन्ध देखायब
४२२. (A) के
४२३. (A) बाध्यता
४२४. (A) लोकनि आ छथि
४२५. (A) जे—से
४२६. (A) सम्भावना
४२७. (A) अहाँक
४२८. (A) कर्मवाच्य
४२९. (A) नहि
४३०. (A) ई
४३१. (A) कारक रूप
४३२. (A) निजक
४३३. (A) बहुवचन
४३४. (A) वस्तु/बात पूछब
४३५. (A) दौड़ैत अछि
४३६. (A) प्रेरणार्थक
४३७. (A) भूत काल
४३८. (A) भविष्य काल
४३९. (A) चालू पक्ष
४४०. (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
४४१. (A) निज सम्बन्ध देखायब
४४२. (A) के
४४३. (A) बाध्यता
४४४. (A) लोकनि आ छथि
४४५. (A) जे—से
४४६. (A) सम्भावना
४४७. (A) अहाँक
४४८. (A) कर्मवाच्य
४४९. (A) नहि

४५०. (A) ई
४५१. (A) कारक रूप
४५२. (A) निजक
४५३. (A) बहुवचन
४५४. (A) वस्तु/बात पूछब
४५५. (A) दौड़ैत अछि
४५६. (A) प्रेरणार्थक
४५७. (A) भूत काल
४५८. (A) भविष्य काल
४५९. (A) चालू पक्ष
४६०. (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
४६१. (A) निज सम्बन्ध देखायब
४६२. (A) के
४६३. (A) बाध्यता
४६४. (A) लोकनि आ छथि
४६५. (A) जे—से
४६६. (A) सम्भावना
४६७. (A) अहाँक
४६८. (A) कर्मवाच्य
४६९. (A) नहि
४७०. (A) ई
४७१. (A) कारक रूप
४७२. (A) निजक
४७३. (A) बहुवचन
४७४. (A) वस्तु/बात पूछब
४७५. (A) दौड़ैत अछि
४७६. (A) प्रेरणार्थक
४७७. (A) भूत काल
४७८. (A) भविष्य काल
४७९. (A) चालू पक्ष
४८०. (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
४८१. (A) निज सम्बन्ध देखायब
४८२. (A) के
४८३. (A) बाध्यता
४८४. (A) लोकनि आ छथि
४८५. (A) जे—से

४८६. (A) सम्भावना
४८७. (A) अहाँक
४८८. (A) कर्मवाच्य
४८९. (A) नहि
४९०. (A) ई
४९१. (A) कारक रूप
४९२. (A) निजक
४९३. (A) बहुवचन
४९४. (A) वस्तु/बात पूछब
४९५. (A) दौड़ैत अछि
४९६. (A) प्रेरणार्थक
४९७. (A) भूत काल
४९८. (A) भविष्य काल
४९९. (A) चालू पक्ष
५००. (A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

0

१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'आवधिक विभाजन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (C) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (D) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब

२. 'आवधिक विभाजन'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (D) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब

३. 'आवधिक विभाजन' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (C) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
- (D) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब

४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'आवधिक विभाजन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (B) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (C) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

५. परीक्षामे 'आवधिक विभाजन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (C) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (D) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब

६. 'आवधिक विभाजन'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
- (D) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब

७. 'आवधिक विभाजन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (D) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब

८. विद्यार्थी 'आवधिक विभाजन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (B) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब

९. 'आवधिक विभाजन' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (B) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब

१०. काल-विभाजनमे 'आवधिक विभाजन'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
- (C) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
- (D) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब

११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भाषिक प्रमाण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (B) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (C) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

१२. 'भाषिक प्रमाण'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (D) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान

१३. 'भाषिक प्रमाण' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (B) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (C) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

१४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'भाषिक प्रमाण' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (B) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब

१५. परीक्षामे 'भाषिक प्रमाण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (D) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ

१६. 'भाषिक प्रमाण'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (B) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (C) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

१७. 'भाषिक प्रमाण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (B) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (C) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

१८. विद्यार्थी 'भाषिक प्रमाण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (D) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान

१९. 'भाषिक प्रमाण' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (B) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (C) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

२०. काल-विभाजनमे 'भाषिक प्रमाण'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
- (B) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
- (C) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'समाज-सन्दर्भ'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (C) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
- (D) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब

२२. 'समाज-सन्दर्भ'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (B) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
- (C) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

२३. 'समाज-सन्दर्भ' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (B) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
- (C) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

२४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'समाज-सन्दर्भ' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (C) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
- (D) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब

२५. परीक्षामे 'समाज-सन्दर्भ' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (C) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
- (D) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब

२६. 'समाज-सन्दर्भ'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
- (B) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
- (C) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

२७. 'समाज-सन्दर्भ' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (C) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
- (D) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब

२८. विद्यार्थी 'समाज-सन्दर्भ' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
- (B) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ

२९. 'समाज-सन्दर्भ' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
- (C) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (D) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब

३०. काल-विभाजनमे 'समाज-सन्दर्भ'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
- (D) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब

३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'साहित्य-साक्ष्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (B) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
- (C) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

३२. 'साहित्य-साक्ष्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (D) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप

३३. 'साहित्य-साक्ष्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (D) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब

३४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'साहित्य-साक्ष्य' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (D) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब

३५. परीक्षामे 'साहित्य-साक्ष्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
- (B) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (C) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

३६. 'साहित्य-साक्ष्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (D) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप

३७. 'साहित्य-साक्ष्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
- (D) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब

३८. विद्यार्थी 'साहित्य-साक्ष्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (B) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
- (C) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

३९. 'साहित्य-साक्ष्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
- (C) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (D) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब

४०. काल-विभाजनमे 'साहित्य-साक्ष्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
- (D) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप

४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लिपि-साक्ष्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (B) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब

४२. 'लिपि-साक्ष्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (C) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
- (D) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह

४३. 'लिपि-साक्ष्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
- (B) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ

४४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'लिपि-साक्ष्य' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (D) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब

४५. परीक्षामे 'लिपि-साक्ष्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (B) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (C) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (D) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब

४६. 'लिपि-साक्ष्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (B) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब

४७. 'लिपि-साक्ष्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (D) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह

४८. विद्यार्थी 'लिपि-साक्ष्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
- (B) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (C) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

४९. 'लिपि-साक्ष्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
- (C) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (D) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब

५०. काल-विभाजनमे 'लिपि-साक्ष्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
- (C) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
- (D) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ

५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'ध्वनि-परिवर्तन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
- (B) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
- (C) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

५२. 'ध्वनि-परिवर्तन'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
- (D) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव

५३. 'ध्वनि-परिवर्तन' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (B) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
- (C) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

५४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'ध्वनि-परिवर्तन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (D) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव

५५. परीक्षामे 'ध्वनि-परिवर्तन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (D) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब

५६. 'ध्वनि-परिवर्तन'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
- (D) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब

५७. 'ध्वनि-परिवर्तन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
- (B) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
- (C) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

५८. विद्यार्थी 'ध्वनि-परिवर्तन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
- (C) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
- (D) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब

५९. 'ध्वनि-परिवर्तन' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (C) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
- (D) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब

६०. काल-विभाजनमे 'ध्वनि-परिवर्तन'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
- (D) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव

६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'रूप-परिवर्तन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (B) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब

६२. 'रूप-परिवर्तन'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
- (B) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ

६३. 'रूप-परिवर्तन' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
- (D) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब

६४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'रूप-परिवर्तन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (B) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
- (C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

६५. परीक्षामे 'रूप-परिवर्तन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
- (D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव

६६. 'रूप-परिवर्तन'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
- (C) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (D) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब

६७. 'रूप-परिवर्तन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
- (B) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ

६८. विद्यार्थी 'रूप-परिवर्तन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
- (D) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब

६९. 'रूप-परिवर्तन' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (C) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
- (D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव

७०. काल-विभाजनमे 'रूप-परिवर्तन'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
- (D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव

७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लोक आ शिष्ट रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
- (B) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब

७२. 'लोक आ शिष्ट रूप'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (B) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध

७३. 'लोक आ शिष्ट रूप' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
- (B) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) लोकभाषा केँ कमतर बुझब

७४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'लोक आ शिष्ट रूप' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (B) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध

७५. परीक्षामे 'लोक आ शिष्ट रूप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (B) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
- (C) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

७६. 'लोक आ शिष्ट रूप'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (D) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध

७७. 'लोक आ शिष्ट रूप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
- (C) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (D) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब

७८. विद्यार्थी 'लोक आ शिष्ट रूप' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (D) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध

७९. 'लोक आ शिष्ट रूप' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (C) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
- (D) लोकभाषा केँ कमतर बुझब

८०. काल-विभाजनमे 'लोक आ शिष्ट रूप'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
- (B) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
- (C) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'काल-सीमा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (D) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब

८२. 'काल-सीमा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
- (D) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब

८३. 'काल-सीमा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (D) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब

८४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'काल-सीमा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (C) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
- (D) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब

८५. परीक्षामे 'काल-सीमा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
- (C) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (D) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब

८६. 'काल-सीमा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (D) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब

८७. 'काल-सीमा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
- (C) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
- (D) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब

८८. विद्यार्थी 'काल-सीमा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
- (B) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब

८९. 'काल-सीमा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
- (C) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (D) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब

९०. काल-विभाजनमे 'काल-सीमा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
- (D) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब

९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'तुलनात्मक पद्धति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल अलगाववादी दावा करब
- (B) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (C) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ट आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

९२. 'तुलनात्मक पद्धति'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (B) केवल अलगाववादी दावा करब
- (C) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ट आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

९३. 'तुलनात्मक पद्धति' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल अलगाववादी दावा करब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ट आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
- (D) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब

९४. काल-विभाजनक आधारक सन्दर्भमे 'तुलनात्मक पद्धति' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल अलगाववादी दावा करब
- (B) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ट आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
- (C) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

९५. परीक्षामे 'तुलनात्मक पद्धति' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) केवल अलगाववादी दावा करब
- (D) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ट आ नव-आर्य भाषा संग तुलना

९६. 'तुलनात्मक पद्धति'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ट आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) केवल अलगाववादी दावा करब
- (D) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब

९७. 'तुलनात्मक पद्धति' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (B) केवल अलगाववादी दावा करब
- (C) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

९८. विद्यार्थी 'तुलनात्मक पद्धति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) केवल अलगाववादी दावा करब
- (D) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ नव-आर्य भाषा संग तुलना

९९. 'तुलनात्मक पद्धति' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) केवल अलगाववादी दावा करब
- (B) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
- (C) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

१००. काल-विभाजनमे 'तुलनात्मक पद्धति'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) केवल अलगाववादी दावा करब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
- (D) पूर्विय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ नव-आर्य भाषा संग तुलना

1

१०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'आरम्भिक युग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
- (D) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि

१०२. 'आरम्भिक युग'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
- (B) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि

१०३. 'आरम्भिक युग' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
- (B) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
- (C) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

१०४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'आरम्भिक युग' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
- (B) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ

१०५. परीक्षामे 'आरम्भिक युग' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
- (B) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ

१०६. 'आरम्भिक युग'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
- (D) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ

१०७. 'आरम्भिक युग' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
- (B) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि

१०८. विद्यार्थी 'आरम्भिक युग' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
- (C) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
- (D) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब

१०९. 'आरम्भिक युग' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
- (B) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब

११०. काल-विभाजनमे 'आरम्भिक युग'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
- (B) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब

१११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पूर्वीय आर्य धरातल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (B) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास

११२. 'पूर्वीय आर्य धरातल'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (B) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास

११३. 'पूर्वीय आर्य धरातल' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (B) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास
- (C) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

११४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'पूर्वीय आर्य धरातल' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (B) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास

११५. परीक्षामे 'पूर्वीय आर्य धरातल' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास

११६. 'पूर्वीय आर्य धरातल'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास

११७. 'पूर्वीय आर्य धरातल' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास
- (B) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब

११८. विद्यार्थी 'पूर्वीय आर्य धरातल' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (B) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास
- (C) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

११९. 'पूर्वीय आर्य धरातल' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
- (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास

१२०. काल-विभाजनमे 'पूर्वीय आर्य धरातल'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
- (D) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब

१२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'अपभ्रंश-सम्बन्ध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
- (C) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (D) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण

१२२. 'अपभ्रंश-सम्बन्ध'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (C) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
- (D) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण

१२३. 'अपभ्रंश-सम्बन्ध' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (D) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब

१२४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'अपभ्रंश-सम्बन्ध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (D) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण

१२५. परीक्षामे 'अपभ्रंश-सम्बन्ध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (B) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
- (C) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

१२६. 'अपभ्रंश-सम्बन्ध'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
- (B) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब

१२७. 'अपभ्रंश-सम्बन्ध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
- (D) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण

१२८. विद्यार्थी 'अपभ्रंश-सम्बन्ध' केँ कोना चिन्हत?

- (A) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
- (D) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब

१२९. 'अपभ्रंश-सम्बन्ध' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
- (D) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब

१३०. काल-विभाजनमे 'अपभ्रंश-सम्बन्ध'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
- (C) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
- (D) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब

१३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'अवहट्ट-सूत्र'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
- (C) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

१३२. 'अवहट्ट-सूत्र'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (C) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि

१३३. 'अवहट्ट-सूत्र' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (D) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ

१३४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'अवहट्ट-सूत्र' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ
- (D) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब

१३५. परीक्षामे 'अवहट्ट-सूत्र' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ
- (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
- (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

१३६. 'अवहट्ट-सूत्र'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
- (D) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब

१३७. 'अवहट्ट-सूत्र' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (D) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ

१३८. विद्यार्थी 'अवहट्ट-सूत्र' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (C) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि

१३९. 'अवहट्ट-सूत्र' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (D) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ

१४०. काल-विभाजनमे 'अवहट्ट-सूत्र'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझेनाइ
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
- (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि

१४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'देशज शब्द'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
- (D) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब

१४२. 'देशज शब्द'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
- (D) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा

१४३. 'देशज शब्द' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (B) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब

१४४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'देशज शब्द' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (C) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
- (D) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा

१४५. परीक्षामे 'देशज शब्द' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
- (B) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
- (C) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

१४६. 'देशज शब्द'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (C) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
- (D) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा

१४७. 'देशज शब्द' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
- (D) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब

१४८. विद्यार्थी 'देशज शब्द' केँ कोना चिन्हत?

- (A) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
- (D) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब

१४९. 'देशज शब्द' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
- (C) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (D) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा

१५०. काल-विभाजनमे 'देशज शब्द'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
- (C) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
- (D) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब

१५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'तद्भव रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब
- (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब

१५२. 'तद्भव रूप'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब
- (B) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब

१५३. 'तद्भव रूप' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (C) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब
- (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब

१५४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'तद्भव रूप' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब
- (C) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब

१५५. परीक्षामे 'तद्भव रूप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब
- (C) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
- (D) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द

१५६. 'तद्भव रूप'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
- (C) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (D) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब

१५७. 'तद्भव रूप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (C) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
- (D) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब

१५८. विद्यार्थी 'तद्भव रूप' केँ कोना चिन्हत?

- (A) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (B) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब

१५९. 'तद्भव रूप' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब

१६०. काल-विभाजनमे 'तद्भव रूप'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) प्रत्येक तद्भव केँ गलती कहब
- (C) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
- (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब

१६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'तत्सम प्रवेश'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
- (B) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब

१६२. 'तत्सम प्रवेश'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
- (B) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब

१६३. 'तत्सम प्रवेश' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (C) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (D) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब

१६४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'तत्सम प्रवेश' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (B) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (C) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

१६५. परीक्षामे 'तत्सम प्रवेश' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (D) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब

१६६. 'तत्सम प्रवेश'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
- (B) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (C) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

१६७. 'तत्सम प्रवेश' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
- (C) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (D) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द

१६८. विद्यार्थी 'तत्सम प्रवेश' केँ कोना चिन्हत?

- (A) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (D) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब

१६९. 'तत्सम प्रवेश' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (C) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
- (D) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब

१७०. काल-विभाजनमे 'तत्सम प्रवेश'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
- (B) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द

१७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'स्थानीय उच्चारण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (B) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
- (C) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

१७२. 'स्थानीय उच्चारण'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (C) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (D) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब

१७३. 'स्थानीय उच्चारण' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
- (D) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप

१७४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'स्थानीय उच्चारण' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (D) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब

१७५. परीक्षामे 'स्थानीय उच्चारण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (B) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (C) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

१७६. 'स्थानीय उच्चारण'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
- (B) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब

१७७. 'स्थानीय उच्चारण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (C) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (D) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब

१७८. विद्यार्थी 'स्थानीय उच्चारण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
- (C) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (D) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब

१७९. 'स्थानीय उच्चारण' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (C) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (D) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब

१८०. काल-विभाजनमे 'स्थानीय उच्चारण'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
- (B) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
- (C) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

१८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मौखिक परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
- (D) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब

१८२. 'मौखिक परम्परा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
- (B) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (C) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

१८३. 'मौखिक परम्परा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (D) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा

१८४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'मौखिक परम्परा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (B) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा

१८५. परीक्षामे 'मौखिक परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (B) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब

१८६. 'मौखिक परम्परा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (B) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब

१८७. 'मौखिक परम्परा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (C) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (D) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब

१८८. विद्यार्थी 'मौखिक परम्परा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (B) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब

१८९. 'मौखिक परम्परा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (C) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (D) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब

१९०. काल-विभाजनमे 'मौखिक परम्परा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
- (D) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब

१९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भाषा-स्वायत्तता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (D) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था

१९२. 'भाषा-स्वायत्तता'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (C) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
- (D) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था

१९३. 'भाषा-स्वायत्तता' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
- (D) साम्यता देखिते पहचान मिटायब

१९४. आरम्भिक युग : उद्भवक सन्दर्भमे 'भाषा-स्वायत्तता' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
- (B) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था

१९५. परीक्षामे 'भाषा-स्वायत्तता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (B) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) साम्यता देखिते पहचान मिटायब

१९६. 'भाषा-स्वायत्तता'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
- (C) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
- (D) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब

१९७. 'भाषा-स्वायत्तता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
- (B) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (C) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

१९८. विद्यार्थी 'भाषा-स्वायत्तता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
- (C) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (D) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था

१९९. 'भाषा-स्वायत्तता' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
- (B) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) साम्यता देखिते पहचान मिटायब

२००. काल-विभाजनमे 'भाषा-स्वायत्तता'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
- (C) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
- (D) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था

२०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पुरान गद्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
- (B) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (C) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
- (D) सभ युगकें एके रंग मानब

२०२. 'पुरान गद्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
- (B) परिवर्तन कें दोष कहब
- (C) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (D) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब

२०३. 'पुरान गद्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (B) परिवर्तन कें दोष कहब
- (C) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
- (D) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब

२०४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'पुरान गद्य' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
- (C) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (D) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब

२०५. परीक्षामे 'पुरान गद्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (B) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
- (C) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
- (D) सभ युगकें एके रंग मानब

२०६. 'पुरान गद्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
- (D) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब

२०७. 'पुरान गद्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (C) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
- (D) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब

२०८. विद्यार्थी 'पुरान गद्य' कें कोना चिन्हत?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
- (C) गद्यक इतिहासकें आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
- (D) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि

२०९. 'पुरान गद्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
- (D) गद्यक इतिहासकेँ आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब

२१०. काल-विभाजनमे 'पुरान गद्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) गद्यक इतिहासकेँ आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
- (D) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि

२११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'वर्णनात्मक शैली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (D) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब

२१२. 'वर्णनात्मक शैली'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
- (D) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब

२१३. 'वर्णनात्मक शैली' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
- (B) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब

२१४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'वर्णनात्मक शैली' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (D) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब

२१५. परीक्षामे 'वर्णनात्मक शैली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
- (B) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (C) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

२१६. 'वर्णनात्मक शैली'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (B) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
- (C) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

२१७. 'वर्णनात्मक शैली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (D) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब

२१८. विद्यार्थी 'वर्णनात्मक शैली' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
- (C) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (D) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब

२१९. 'वर्णनात्मक शैली' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (B) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
- (C) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

२२०. काल-विभाजनमे 'वर्णनात्मक शैली'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
- (B) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
- (C) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पाण्डुलिपि परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (B) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
- (C) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

२२२. 'पाण्डुलिपि परम्परा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
- (B) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब

२२३. 'पाण्डुलिपि परम्परा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (B) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (C) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

२२४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'पाण्डुलिपि परम्परा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
- (B) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब

२२५. परीक्षामे 'पाण्डुलिपि परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (B) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (C) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

२२६. 'पाण्डुलिपि परम्परा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (B) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा

२२७. 'पाण्डुलिपि परम्परा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (D) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा

२२८. विद्यार्थी 'पाण्डुलिपि परम्परा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (B) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (C) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

२२९. 'पाण्डुलिपि परम्परा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
- (B) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (C) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

२३०. काल-विभाजनमे 'पाण्डुलिपि परम्परा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
- (D) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा

२३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'संस्कृत-सम्बन्ध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (B) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) विद्या आ शास्त्रिक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क

२३२. 'संस्कृत-सम्बन्ध'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) विद्या आ शास्त्रिक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब

२३३. 'संस्कृत-सम्बन्ध' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क

२३४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'संस्कृत-सम्बन्ध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क

२३५. परीक्षामे 'संस्कृत-सम्बन्ध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब
- (B) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

२३६. 'संस्कृत-सम्बन्ध'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब

२३७. 'संस्कृत-सम्बन्ध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
- (B) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

२३८. विद्यार्थी 'संस्कृत-सम्बन्ध' केँ कोना चिन्हत?

- (A) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क

२३९. 'संस्कृत-सम्बन्ध' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
- (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
- (D) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब

२४०. काल-विभाजनमे 'संस्कृत-सम्बन्ध'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
- (C) संस्कृत प्रभाव केँ मात्र बोझ मानब
- (D) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब

२४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लोक-ध्वनि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (B) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब

२४२. 'लोक-ध्वनि'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (D) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब

२४३. 'लोक-ध्वनि' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब
- (B) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

२४४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'लोक-ध्वनि' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (B) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब

२४५. परीक्षामे 'लोक-ध्वनि' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (D) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब

२४६. 'लोक-ध्वनि'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब
- (D) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब

२४७. 'लोक-ध्वनि' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (D) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप

२४८. विद्यार्थी 'लोक-ध्वनि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (B) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब
- (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (D) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब

२४९. 'लोक-ध्वनि' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (D) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब

२५०. काल-विभाजनमे 'लोक-ध्वनि'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
- (B) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) लिखित रूप केँ पूर्णतः कृत्रिम मानब

२५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'प्राचीन शब्दावली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) युगक जीवन-क्षेत्र बुझैनाइ
- (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (C) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

२५२. 'प्राचीन शब्दावली'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (B) युगक जीवन-क्षेत्र बुझैनाइ
- (C) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

२५३. 'प्राचीन शब्दावली' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (C) युगक जीवन-क्षेत्र बुझैनाइ
- (D) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द

२५४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'प्राचीन शब्दावली' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (C) युगक जीवन-क्षेत्र बुझैनाइ
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

२५५. परीक्षामे 'प्राचीन शब्दावली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (C) युगक जीवन-क्षेत्र बुझैनाइ
- (D) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब

२५६. 'प्राचीन शब्दावली'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) युगक जीवन-क्षेत्र बुझैनाइ
- (C) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (D) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब

२५७. 'प्राचीन शब्दावली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (C) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (D) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ

२५८. विद्यार्थी 'प्राचीन शब्दावली' केँ कोना चिन्हत?

- (A) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ

२५९. 'प्राचीन शब्दावली' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ
- (D) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द

२६०. काल-विभाजनमे 'प्राचीन शब्दावली'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
- (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ

२६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'रचना-संरचना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (C) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
- (D) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब

२६२. 'रचना-संरचना'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
- (B) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब

२६३. 'रचना-संरचना' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (B) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
- (C) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

२६४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'रचना-संरचना' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (C) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब
- (D) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम

२६५. परीक्षामे 'रचना-संरचना' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (B) भाषाकेँ समाजसेँ काटब
- (C) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसेँ जोड़ब
- (D) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम

२६६. 'रचना-संरचना'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसेँ जोड़ब
- (D) रचना-संगठनक उपेक्षा

२६७. 'रचना-संरचना' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसेँ जोड़ब
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
- (D) रचना-संगठनक उपेक्षा

२६८. विद्यार्थी 'रचना-संरचना' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसेँ जोड़ब
- (B) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (C) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

२६९. 'रचना-संरचना' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (B) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसेँ जोड़ब

२७०. काल-विभाजनमे 'रचना-संरचना'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) रचना-संगठनक उपेक्षा
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसेँ जोड़ब
- (D) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम

२७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लेखनक उद्देश्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (C) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (D) सिर्फ मनोरंजन मानब

२७२. 'लेखनक उद्देश्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (C) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (D) सिर्फ मनोरंजन मानब

२७३. 'लेखनक उद्देश्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) सिर्फ मनोरंजन मानब
- (B) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ

२७४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'लेखनक उद्देश्य' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सिर्फ मनोरंजन मानब
- (B) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (C) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२७५. परीक्षामे 'लेखनक उद्देश्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (B) सिर्फ मनोरंजन मानब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब

२७६. 'लेखनक उद्देश्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (B) सिर्फ मनोरंजन मानब
- (C) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२७७. 'लेखनक उद्देश्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (D) सिर्फ मनोरंजन मानब

२७८. विद्यार्थी 'लेखनक उद्देश्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) सिर्फ मनोरंजन मानब
- (B) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ

२७९. 'लेखनक उद्देश्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सिर्फ मनोरंजन मानब
- (B) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (C) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

२८०. काल-विभाजनमे 'लेखनक उद्देश्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
- (D) सिर्फ मनोरंजन मानब

२८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मिश्रित रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (B) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
- (C) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

२८२. 'मिश्रित रूप'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
- (D) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति

२८३. 'मिश्रित रूप' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
- (B) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब

२८४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'मिश्रित रूप' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
- (B) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (C) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (D) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब

२८५. परीक्षामे 'मिश्रित रूप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
- (C) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (D) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब

२८६. 'मिश्रित रूप'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
- (C) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (D) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब

२८७. 'मिश्रित रूप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
- (D) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब

२८८. विद्यार्थी 'मिश्रित रूप' केँ कोना चिन्हत?

- (A) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
- (B) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (C) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

२८९. 'मिश्रित रूप' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
- (B) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब

२९०. काल-विभाजनमे 'मिश्रित रूप'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
- (B) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
- (C) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'साक्ष्य-पठन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
- (C) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (D) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब

२९२. 'साक्ष्य-पठन'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (B) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (C) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

२९३. 'साक्ष्य-पठन' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
- (C) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (D) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब

२९४. आरम्भिक साहित्यिक प्रमाणक सन्दर्भमे 'साक्ष्य-पठन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (C) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (D) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब

२९५. परीक्षामे 'साक्ष्य-पठन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (B) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
- (C) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

२९६. 'साक्ष्य-पठन'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (C) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (D) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब

२९७. 'साक्ष्य-पठन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (D) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब

२९८. विद्यार्थी 'साक्ष्य-पठन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
- (B) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब

२९९. 'साक्ष्य-पठन' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
- (C) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (D) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब

३००. काल-विभाजनमे 'साक्ष्य-पठन'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) पुरान पाठ केँ भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
- (C) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
- (D) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब

3

३०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मध्य युग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (C) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
- (D) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल

३०२. 'मध्य युग'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (B) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब

३०३. 'मध्य युग' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (B) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
- (C) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

३०४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'मध्य युग' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (C) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (D) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ

३०५. परीक्षामे 'मध्य युग' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (B) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ

३०६. 'मध्य युग'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
- (C) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (D) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल

३०७. 'मध्य युग' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (C) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (D) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ

३०८. विद्यार्थी 'मध्य युग' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
- (B) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (C) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (D) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब

३०९. 'मध्य युग' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
- (C) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (D) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब

३१०. काल-विभाजनमे 'मध्य युग'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) एहि युग केँ केवल अंधकार कहब
- (D) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ

३११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'विद्यापति परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) प्रेम, भक्ति, श्रृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (D) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब

३१२. 'विद्यापति परम्परा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
- (B) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
- (C) प्रेम, भक्ति, श्रृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

३१३. 'विद्यापति परम्परा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (C) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
- (D) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब

३१४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'विद्यापति परम्परा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (B) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
- (C) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

३१५. परीक्षामे 'विद्यापति परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
- (D) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा

३१६. 'विद्यापति परम्परा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (B) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब

३१७. 'विद्यापति परम्परा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब

३१८. विद्यार्थी 'विद्यापति परम्परा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (D) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब

३१९. 'विद्यापति परम्परा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (D) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब

३२०. काल-विभाजनमे 'विद्यापति परम्परा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
- (C) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
- (D) विद्यापति केँ केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब

३२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पदावली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (D) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब

३२२. 'पदावली'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (D) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब

३२३. 'पदावली' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (B) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब

३२४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'पदावली' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (D) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा

३२५. परीक्षामे 'पदावली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (B) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
- (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

३२६. 'पदावली'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (D) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब

३२७. 'पदावली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (D) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब

३२८. विद्यार्थी 'पदावली' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (B) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
- (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

३२९. 'पदावली' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
- (D) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा

३३०. काल-विभाजनमे 'पदावली'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
- (B) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
- (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

३३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भक्ति-भाव'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
- (B) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (C) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

३३२. 'भक्ति-भाव'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
- (B) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब

३३३. 'भक्ति-भाव' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
- (C) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (D) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब

३३४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'भक्ति-भाव' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (C) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (D) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब

३३५. परीक्षामे 'भक्ति-भाव' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
- (C) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (D) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण

३३६. 'भक्ति-भाव'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (D) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब

३३७. 'भक्ति-भाव' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
- (C) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (D) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण

३३८. विद्यार्थी 'भक्ति-भाव' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (B) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब

३३९. 'भक्ति-भाव' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
- (B) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (C) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

३४०. काल-विभाजनमे 'भक्ति-भाव'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
- (D) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब

३४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'शृंगार-रस'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (B) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (C) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

३४२. 'शृंगार-रस'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (D) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ

३४३. 'शृंगार-रस' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (B) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (C) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

३४४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'शृंगार-रस' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (B) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (C) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

३४५. परीक्षामे 'शृंगार-रस' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (C) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (D) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति

३४६. 'शृंगार-रस'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (B) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब

३४७. 'शृंगार-रस' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (B) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (C) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

३४८. विद्यार्थी 'शृंगार-रस' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (B) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (C) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

३४९. 'शृंगार-रस' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (D) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ

३५०. काल-विभाजनमे 'शृंगार-रस'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
- (B) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
- (C) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

३५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लोक-लय'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) लयक उपेक्षा करब
- (D) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय

३५२. 'लोक-लय'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लयक उपेक्षा करब
- (B) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (C) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

३५३. 'लोक-लय' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (B) लयक उपेक्षा करब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब

३५४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'लोक-लय' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (D) लयक उपेक्षा करब

३५५. परीक्षामे 'लोक-लय' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (C) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
- (D) लयक उपेक्षा करब

३५६. 'लोक-लय'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) लयक उपेक्षा करब
- (C) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (D) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब

३५७. 'लोक-लय' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लयक उपेक्षा करब
- (B) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय

३५८. विद्यार्थी 'लोक-लय' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
- (B) लयक उपेक्षा करब
- (C) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

३५९. 'लोक-लय' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) लयक उपेक्षा करब
- (B) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब

३६०. काल-विभाजनमे 'लोक-लय'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
- (B) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) लयक उपेक्षा करब

३६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'नायिका-स्वर'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
- (D) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर

३६२. 'नायिका-स्वर'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
- (D) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर

३६३. 'नायिका-स्वर' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
- (C) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (D) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर

३६४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'नायिका-स्वर' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (B) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर

३६५. परीक्षामे 'नायिका-स्वर' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (B) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
- (C) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

३६६. 'नायिका-स्वर'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
- (B) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब

३६७. 'नायिका-स्वर' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
- (B) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) स्त्री-स्वरक उपेक्षा

३६८. विद्यार्थी 'नायिका-स्वर' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (C) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
- (D) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब

३६९. 'नायिका-स्वर' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (B) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
- (C) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

३७०. काल-विभाजनमे 'नायिका-स्वर'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
- (D) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब

३७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'सखी-संवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) संवाद केँ अनावश्यक मानब
- (B) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (C) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

३७२. 'सखी-संवाद'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (B) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (C) संवाद केँ अनावश्यक मानब
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

३७३. 'सखी-संवाद' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (D) संवाद केँ अनावश्यक मानब

३७४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'सखी-संवाद' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) संवाद केँ अनावश्यक मानब
- (D) मनक गुप्त भाव प्रकट करब

३७५. परीक्षामे 'सखी-संवाद' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (D) संवाद केँ अनावश्यक मानब

३७६. 'सखी-संवाद'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) संवाद केँ अनावश्यक मानब
- (D) मनक गुप्त भाव प्रकट करब

३७७. 'सखी-संवाद' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) संवाद केँ अनावश्यक मानब
- (B) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (C) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

३७८. विद्यार्थी 'सखी-संवाद' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) संवाद केँ अनावश्यक मानब
- (D) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति

३७९. 'सखी-संवाद' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
- (B) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) संवाद केँ अनावश्यक मानब

३८०. काल-विभाजनमे 'सखी-संवाद'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
- (B) संवाद केँ अनावश्यक मानब
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति

३८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भाषा-माधुर्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (C) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
- (D) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब

३८२. 'भाषा-माधुर्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (C) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
- (D) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब

३८३. 'भाषा-माधुर्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
- (B) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
- (C) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

३८४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'भाषा-माधुर्य' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
- (C) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
- (D) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब

३८५. परीक्षामे 'भाषा-माधुर्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
- (C) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (D) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब

३८६. 'भाषा-माधुर्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (D) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति

३८७. 'भाषा-माधुर्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (D) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति

३८८. विद्यार्थी 'भाषा-माधुर्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (B) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति

३८९. 'भाषा-माधुर्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
- (B) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
- (C) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

३९०. काल-विभाजनमे 'भाषा-माधुर्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
- (B) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब

३९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'सांस्कृतिक प्रसार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (B) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (C) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

३९२. 'सांस्कृतिक प्रसार'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (D) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ

३९३. 'सांस्कृतिक प्रसार' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (C) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (D) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ

३९४. मध्य युग : पदावली आ काव्यक सन्दर्भमे 'सांस्कृतिक प्रसार' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (B) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब

३९५. परीक्षामे 'सांस्कृतिक प्रसार' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
- (B) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (C) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

३९६. 'सांस्कृतिक प्रसार'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (D) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ

३९७. 'सांस्कृतिक प्रसार' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
- (D) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब

३९८. विद्यार्थी 'सांस्कृतिक प्रसार' केँ कोना चिन्हत?

- (A) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (D) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब

३९९. 'सांस्कृतिक प्रसार' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
- (B) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (C) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

४००. काल-विभाजनमे 'सांस्कृतिक प्रसार'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
- (B) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब

४०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'कीर्तनिया नाटक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
- (D) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ

४०२. 'कीर्तनिया नाटक'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (B) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
- (C) भाषाकें समाजसँ काटब
- (D) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा

४०३. 'कीर्तनिया नाटक' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (C) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
- (D) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब

४०४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'कीर्तनिया नाटक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
- (B) सभ युगकें एके रंग मानब
- (C) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (D) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा

४०५. परीक्षामे 'कीर्तनिया नाटक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
- (B) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब

४०६. 'कीर्तनिया नाटक'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
- (B) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
- (C) परिवर्तन कें दोष कहब
- (D) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ

४०७. 'कीर्तनिया नाटक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
- (C) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (D) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब

४०८. विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक' कें कोना चिन्हत?

- (A) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (B) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
- (C) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (D) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा

४०९. 'कीर्तनिया नाटक' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
- (B) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा

४१०. काल-विभाजनमे 'कीर्तनिया नाटक'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
- (D) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा

४११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'नाट्य-भाषा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) नाट्य-भाषा केँ निबंध-भाषा जेकाँ मानब
- (B) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (C) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

४१२. 'नाट्य-भाषा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) नाट्य-भाषा केँ निबंध-भाषा जेकाँ मानब
- (B) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
- (C) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

४१३. 'नाट्य-भाषा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (C) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
- (D) नाट्य-भाषा केँ निबंध-भाषा जेकाँ मानब

४१४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'नाट्य-भाषा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) नाट्य-भाषा केँ निबंध-भाषा जेकाँ मानब
- (B) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा

४१५. परीक्षामे 'नाट्य-भाषा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
- (C) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (D) नाट्य-भाषा केँ निबंध-भाषा जेकाँ मानब

४१६. 'नाट्य-भाषा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) नाट्य-भाषा केँ निबंध-भाषा जेकाँ मानब
- (C) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (D) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा

४१७. 'नाट्य-भाषा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (B) भाषाकें समाजसँ काटब
- (C) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
- (D) नाट्य-भाषा कें निबंध-भाषा जेकाँ मानब

४१८. विद्यार्थी 'नाट्य-भाषा' कें कोना चिन्हत?

- (A) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (B) नाट्य-भाषा कें निबंध-भाषा जेकाँ मानब
- (C) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
- (D) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब

४१९. 'नाट्य-भाषा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (B) नाट्य-भाषा कें निबंध-भाषा जेकाँ मानब
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा

४२०. काल-विभाजनमे 'नाट्य-भाषा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) नाट्य-भाषा कें निबंध-भाषा जेकाँ मानब
- (C) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
- (D) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा

४२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'राग-ताल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) संगीत कें भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (B) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) भाषा, लय आ भावक एकता देखब

४२२. 'राग-ताल'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (B) भाषाकें समाजसँ काटब
- (C) संगीत कें भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (D) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार

४२३. 'राग-ताल' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) संगीत कें भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (B) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार

४२४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'राग-ताल' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (B) भाषाकें समाजसँ काटब
- (C) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
- (D) संगीत कें भाषासँ असम्बद्ध मानब

४२५. परीक्षामे 'राग-ताल' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
- (B) संगीत केँ भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (C) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

४२६. 'राग-ताल'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (B) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
- (C) संगीत केँ भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

४२७. 'राग-ताल' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (B) संगीत केँ भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार

४२८. विद्यार्थी 'राग-ताल' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (B) संगीत केँ भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार

४२९. 'राग-ताल' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (B) संगीत केँ भाषासँ असम्बद्ध मानब
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार

४३०. काल-विभाजनमे 'राग-ताल'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
- (B) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) संगीत केँ भाषासँ असम्बद्ध मानब

४३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'नेपालक मैथिली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (D) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब

४३२. 'नेपालक मैथिली'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (D) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप

४३३. 'नेपालक मैथिली' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (C) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (D) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप

४३४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'नेपालक मैथिली' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (D) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप

४३५. परीक्षामे 'नेपालक मैथिली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप
- (B) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब

४३६. 'नेपालक मैथिली'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (C) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (D) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप

४३७. 'नेपालक मैथिली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (B) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप

४३८. विद्यार्थी 'नेपालक मैथिली' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (D) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप

४३९. 'नेपालक मैथिली' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (B) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
- (C) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

४४०. काल-विभाजनमे 'नेपालक मैथिली'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
- (C) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप
- (D) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब

४४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'दरबारी संरक्षण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (D) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब

४४२. 'दरबारी संरक्षण'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (B) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब

४४३. 'दरबारी संरक्षण' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (B) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
- (C) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

४४४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'दरबारी संरक्षण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (C) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (D) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब

४४५. परीक्षामे 'दरबारी संरक्षण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (B) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब

४४६. 'दरबारी संरक्षण'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (C) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
- (D) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब

४४७. 'दरबारी संरक्षण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (B) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (C) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

४४८. विद्यार्थी 'दरबारी संरक्षण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
- (B) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (C) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

४४९. 'दरबारी संरक्षण' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
- (B) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (C) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

४५०. काल-विभाजनमे 'दरबारी संरक्षण'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
- (D) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब

४५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लोक-मंच'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (D) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब

४५२. 'लोक-मंच'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
- (D) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति

४५३. 'लोक-मंच' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
- (C) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (D) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब

४५४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'लोक-मंच' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (B) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति

४५५. परीक्षामे 'लोक-मंच' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
- (D) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति

४५६. 'लोक-मंच'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
- (B) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब

४५७. 'लोक-मंच' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
- (B) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब

४५८. विद्यार्थी 'लोक-मंच' केँ कोना चिन्हत?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
- (C) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
- (D) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब

४५९. 'लोक-मंच' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
- (C) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
- (D) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब

४६०. काल-विभाजनमे 'लोक-मंच'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
- (C) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
- (D) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति

४६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पात्र-भाषा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (B) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (C) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

४६२. 'पात्र-भाषा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (B) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (C) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

४६३. 'पात्र-भाषा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (D) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान

४६४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'पात्र-भाषा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (D) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी

४६५. परीक्षामे 'पात्र-भाषा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (C) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (D) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी

४६६. 'पात्र-भाषा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (B) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी

४६७. 'पात्र-भाषा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (B) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) सभ पात्रक एके भाषा मानब

४६८. विद्यार्थी 'पात्र-भाषा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (B) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
- (C) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

४६९. 'पात्र-भाषा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) सभ पात्रक एके भाषा मानब
- (C) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (D) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी

४७०. काल-विभाजनमे 'पात्र-भाषा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
- (C) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
- (D) सभ पात्रक एके भाषा मानब

४७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भक्ति-नाट्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
- (B) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (C) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

४७२. 'भक्ति-नाट्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (B) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति

४७३. 'भक्ति-नाट्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (C) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
- (D) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब

४७४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'भक्ति-नाट्य' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
- (B) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब

४७५. परीक्षामे 'भक्ति-नाट्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
- (D) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब

४७६. 'भक्ति-नाट्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (B) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
- (C) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

४७७. 'भक्ति-नाट्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (B) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति

४७८. विद्यार्थी 'भक्ति-नाट्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
- (B) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (C) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

४७९. 'भक्ति-नाट्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
- (D) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति

४८०. काल-विभाजनमे 'भक्ति-नाट्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
- (D) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब

४८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लिखित आ मौखिक रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (C) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (D) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ

४८२. 'लिखित आ मौखिक रूप'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (B) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
- (C) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

४८३. 'लिखित आ मौखिक रूप' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (B) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
- (C) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

४८४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'लिखित आ मौखिक रूप' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (C) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
- (D) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब

४८५. परीक्षामे 'लिखित आ मौखिक रूप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
- (D) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब

४८६. 'लिखित आ मौखिक रूप'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
- (D) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब

४८७. 'लिखित आ मौखिक रूप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (C) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (D) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ

४८८. विद्यार्थी 'लिखित आ मौखिक रूप' केँ कोना चिन्हत?

- (A) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
- (B) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (C) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

४८९. 'लिखित आ मौखिक रूप' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (B) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
- (C) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

४९०. काल-विभाजनमे 'लिखित आ मौखिक रूप'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
- (D) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ

४९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'सांस्कृतिक संगम'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (C) एकरेखीय इतिहास लिखब
- (D) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल

४९२. 'सांस्कृतिक संगम'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (B) एकरेखीय इतिहास लिखब
- (C) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

४९३. 'सांस्कृतिक संगम' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (B) एकरेखीय इतिहास लिखब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल

४९४. मध्य युग : नाटक आ नेपालक सन्दर्भमे 'सांस्कृतिक संगम' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (B) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
- (C) एकरेखीय इतिहास लिखब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

४९५. परीक्षामे 'सांस्कृतिक संगम' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) एकरेखीय इतिहास लिखब
- (D) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल

४९६. 'सांस्कृतिक संगम'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) एकरेखीय इतिहास लिखब
- (B) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
- (C) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

४९७. 'सांस्कृतिक संगम' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
- (B) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) एकरेखीय इतिहास लिखब

४९८. विद्यार्थी 'सांस्कृतिक संगम' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (D) एकरेखीय इतिहास लिखब

४९९. 'सांस्कृतिक संगम' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
- (B) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) एकरेखीय इतिहास लिखब

५००. काल-विभाजनमे 'सांस्कृतिक संगम'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
- (B) एकरेखीय इतिहास लिखब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब

5

५०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मध्ययुगीन ध्वनि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (B) ध्वनि-रूपक अनदेखी
- (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

५०२. 'मध्ययुगीन ध्वनि'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) ध्वनि-रूपक अनदेखी
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (D) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत

५०३. 'मध्ययुगीन ध्वनि' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) ध्वनि-रूपक अनदेखी
- (D) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ

५०४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'मध्ययुगीन ध्वनि' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (B) ध्वनि-रूपक अनदेखी
- (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

५०५. परीक्षामे 'मध्ययुगीन ध्वनि' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (C) ध्वनि-रूपक अनदेखी
- (D) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ

५०६. 'मध्ययुगीन ध्वनि'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (D) ध्वनि-रूपक अनदेखी

५०७. 'मध्ययुगीन ध्वनि' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) ध्वनि-रूपक अनदेखी
- (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (D) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत

५०८. विद्यार्थी 'मध्ययुगीन ध्वनि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (C) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (D) ध्वनि-रूपक अनदेखी

५०९. 'मध्ययुगीन ध्वनि' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (C) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (D) ध्वनि-रूपक अनदेखी

५१०. काल-विभाजनमे 'मध्ययुगीन ध्वनि'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) ध्वनि-रूपक अनदेखी
- (B) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
- (C) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

५११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'सर्वनाम-रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
- (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (D) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब

५१२. 'सर्वनाम-रूप'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (B) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
- (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

५१३. 'सर्वनाम-रूप' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (B) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब

५१४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'सर्वनाम-रूप' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (B) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
- (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

५१५. परीक्षामे 'सर्वनाम-रूप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (C) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (D) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग

५१६. 'सर्वनाम-रूप'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (D) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग

५१७. 'सर्वनाम-रूप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (D) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग

५१८. विद्यार्थी 'सर्वनाम-रूप' केँ कोना चिन्हत?

- (A) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (D) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग

५१९. 'सर्वनाम-रूप' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (D) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब

५२०. काल-विभाजनमे 'सर्वनाम-रूप'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
- (B) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग

५२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'क्रिया-रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सभ युगकें एके रंग मानब
- (B) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (C) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (D) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब

५२२. 'क्रिया-रूप'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (C) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब
- (D) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब

५२३. 'क्रिया-रूप' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (B) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब

५२४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'क्रिया-रूप' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (B) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (C) परिवर्तन कें दोष कहब
- (D) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब

५२५. परीक्षामे 'क्रिया-रूप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (C) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (D) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब

५२६. 'क्रिया-रूप'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब
- (B) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब

५२७. 'क्रिया-रूप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब
- (B) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (C) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

५२८. विद्यार्थी 'क्रिया-रूप' कें कोना चिन्हत?

- (A) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (D) क्रिया कें केवल अर्थक शब्द मानब

५२९. 'क्रिया-रूप' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) क्रिया केँ केवल अर्थक शब्द मानब
- (C) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (D) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव

५३०. काल-विभाजनमे 'क्रिया-रूप'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) क्रिया केँ केवल अर्थक शब्द मानब
- (B) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
- (C) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

५३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'विभक्ति-चिह्न'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
- (B) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (C) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

५३२. 'विभक्ति-चिह्न'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (B) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
- (C) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

५३३. 'विभक्ति-चिह्न' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
- (D) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न

५३४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'विभक्ति-चिह्न' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
- (C) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (D) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब

५३५. परीक्षामे 'विभक्ति-चिह्न' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
- (C) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (D) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न

५३६. 'विभक्ति-चिह्न'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (B) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न

५३७. 'विभक्ति-चिह्न' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (D) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब

५३८. विद्यार्थी 'विभक्ति-चिह्न' केँ कोना चिन्हत?

- (A) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (D) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न

५३९. 'विभक्ति-चिह्न' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
- (B) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (C) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (D) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब

५४०. काल-विभाजनमे 'विभक्ति-चिह्न'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
- (B) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
- (C) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

५४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'सम्बोधन-आदर'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (B) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप

५४२. 'सम्बोधन-आदर'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (D) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब

५४३. 'सम्बोधन-आदर' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (C) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
- (D) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप

५४४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'सम्बोधन-आदर' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
- (C) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
- (D) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब

५४५. परीक्षामे 'सम्बोधन-आदर' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
- (B) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब

५४६. 'सम्बोधन-आदर'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
- (B) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
- (C) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

५४७. 'सम्बोधन-आदर' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
- (C) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
- (D) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब

५४८. विद्यार्थी 'सम्बोधन-आदर' केँ कोना चिन्हत?

- (A) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
- (B) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (C) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

५४९. 'सम्बोधन-आदर' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
- (C) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (D) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप

५५०. काल-विभाजनमे 'सम्बोधन-आदर'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
- (C) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
- (D) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब

५५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'द्विभाषिक प्रभाव'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (D) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब

५५२. 'द्विभाषिक प्रभाव'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (D) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब

५५३. 'द्विभाषिक प्रभाव' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (B) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब

५५४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'द्विभाषिक प्रभाव' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
- (B) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क

५५५. परीक्षामे 'द्विभाषिक प्रभाव' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (D) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब

५५६. 'द्विभाषिक प्रभाव'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
- (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (D) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब

५५७. 'द्विभाषिक प्रभाव' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (D) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क

५५८. विद्यार्थी 'द्विभाषिक प्रभाव' केँ कोना चिन्हत?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
- (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (D) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब

५५९. 'द्विभाषिक प्रभाव' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (B) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब

५६०. काल-विभाजनमे 'द्विभाषिक प्रभाव'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
- (B) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
- (C) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

५६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मिथिलाक्षर'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (D) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब

५६२. 'मिथिलाक्षर'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (D) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब

५६३. 'मिथिलाक्षर' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (C) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (D) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप

५६४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'मिथिलाक्षर' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (B) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

५६५. परीक्षामे 'मिथिलाक्षर' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (B) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (C) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

५६६. 'मिथिलाक्षर'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (B) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब

५६७. 'मिथिलाक्षर' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (B) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (C) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

५६८. विद्यार्थी 'मिथिलाक्षर' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (D) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब

५६९. 'मिथिलाक्षर' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (B) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (C) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

५७०. काल-विभाजनमे 'मिथिलाक्षर'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
- (B) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

५७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पाठ-भिन्नता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
- (C) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (D) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब

५७२. 'पाठ-भिन्नता'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
- (B) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब

५७३. 'पाठ-भिन्नता' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
- (B) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (C) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

५७४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'पाठ-भिन्नता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (D) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब

५७५. परीक्षामे 'पाठ-भिन्नता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (B) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (C) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

५७६. 'पाठ-भिन्नता'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (B) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब

५७७. 'पाठ-भिन्नता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (C) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
- (D) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर

५७८. विद्यार्थी 'पाठ-भिन्नता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (B) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
- (C) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

५७९. 'पाठ-भिन्नता' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
- (D) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब

५८०. काल-विभाजनमे 'पाठ-भिन्नता'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
- (C) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
- (D) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर

५८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'गीतात्मक वाक्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (C) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (D) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना

५८२. 'गीतात्मक वाक्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (C) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (D) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना

५८३. 'गीतात्मक वाक्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (C) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (D) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना

५८४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'गीतात्मक वाक्य' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (C) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (D) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना

५८५. परीक्षामे 'गीतात्मक वाक्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (D) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना

५८६. 'गीतात्मक वाक्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना
- (B) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप

५८७. 'गीतात्मक वाक्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (B) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब

५८८. विद्यार्थी 'गीतात्मक वाक्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (B) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब

५८९. 'गीतात्मक वाक्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (B) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
- (C) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (D) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना

५९०. काल-विभाजनमे 'गीतात्मक वाक्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना
- (B) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप

५९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मानकीकरणपूर्व रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब

५९२. 'मानकीकरणपूर्व रूप'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप

५९३. 'मानकीकरणपूर्व रूप' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब

५९४. मध्ययुगीन भाषा-रूपक सन्दर्भमे 'मानकीकरणपूर्व रूप' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब

५९५. परीक्षामे 'मानकीकरणपूर्व रूप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब

५९६. 'मानकीकरणपूर्व रूप'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
- (D) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप

५९७. 'मानकीकरणपूर्व रूप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (D) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब

५९८. विद्यार्थी 'मानकीकरणपूर्व रूप' केँ कोना चिन्हत?

- (A) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब

५९९. 'मानकीकरणपूर्व रूप' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
- (C) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

६००. काल-विभाजनमे 'मानकीकरणपूर्व रूप'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
- (C) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

६०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'आधुनिक युग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (B) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण

६०२. 'आधुनिक युग'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
- (B) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (C) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

६०३. 'आधुनिक युग' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (D) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण

६०४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'आधुनिक युग' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
- (D) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण

६०५. परीक्षामे 'आधुनिक युग' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
- (B) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब

६०६. 'आधुनिक युग'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
- (D) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब

६०७. 'आधुनिक युग' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (D) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब

६०८. विद्यार्थी 'आधुनिक युग' केँ कोना चिन्हत?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
- (C) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (D) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण

६०९. 'आधुनिक युग' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
- (D) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब

६१०. काल-विभाजनमे 'आधुनिक युग'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
- (D) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब

६११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मुद्रण-प्रसार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
- (C) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (D) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ

६१२. 'मुद्रण-प्रसार'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (D) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार

६१३. 'मुद्रण-प्रसार' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
- (C) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
- (D) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र

६१४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'मुद्रण-प्रसार' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (D) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ

६१५. परीक्षामे 'मुद्रण-प्रसार' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (B) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ

६१६. 'मुद्रण-प्रसार'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
- (C) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (D) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार

६१७. 'मुद्रण-प्रसार' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (B) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
- (C) सभ युगकें एके रंग मानब
- (D) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ

६१८. विद्यार्थी 'मुद्रण-प्रसार' केँ कोना चिन्हत?

- (A) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (B) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
- (C) भाषाकें समाजसँ काटब
- (D) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार

६१९. 'मुद्रण-प्रसार' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
- (B) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (C) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

६२०. काल-विभाजनमे 'मुद्रण-प्रसार'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
- (C) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
- (D) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ

६२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पत्रिका-भूमिका'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (D) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब

६२२. 'पत्रिका-भूमिका'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
- (B) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

६२३. 'पत्रिका-भूमिका' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
- (D) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच

६२४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'पत्रिका-भूमिका' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (D) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब

६२५. परीक्षामे 'पत्रिका-भूमिका' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
- (C) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (D) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब

६२६. 'पत्रिका-भूमिका'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
- (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (D) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच

६२७. 'पत्रिका-भूमिका' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (B) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब

६२८. विद्यार्थी 'पत्रिका-भूमिका' केँ कोना चिन्हत?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (D) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब

६२९. 'पत्रिका-भूमिका' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
- (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

६३०. काल-विभाजनमे 'पत्रिका-भूमिका'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाब
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
- (C) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

६३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'शिक्षा-विस्तार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (B) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव

६३२. 'शिक्षा-विस्तार'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (B) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव

६३३. 'शिक्षा-विस्तार' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (C) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (D) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव

६३४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'शिक्षा-विस्तार' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (D) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव

६३५. परीक्षामे 'शिक्षा-विस्तार' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
- (D) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब

६३६. 'शिक्षा-विस्तार'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (B) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव

६३७. 'शिक्षा-विस्तार' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (B) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
- (C) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

६३८. विद्यार्थी 'शिक्षा-विस्तार' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
- (C) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (D) भाषा केँ घर तक सीमित राखब

६३९. 'शिक्षा-विस्तार' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
- (B) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (C) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

६४०. काल-विभाजनमे 'शिक्षा-विस्तार'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
- (B) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब

६४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'नवजागरण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (B) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (C) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

६४२. 'नवजागरण'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (B) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब

६४३. 'नवजागरण' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (B) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब

६४४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'नवजागरण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
- (B) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

६४५. परीक्षामे 'नवजागरण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (D) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध

६४६. 'नवजागरण'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
- (B) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

६४७. 'नवजागरण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (D) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध

६४८. विद्यार्थी 'नवजागरण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (B) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब

६४९. 'नवजागरण' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (D) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध

६५०. काल-विभाजनमे 'नवजागरण'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
- (B) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध

६५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'गद्य-विकास'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप

६५२. 'गद्य-विकास'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (C) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (D) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब

६५३. 'गद्य-विकास' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (C) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

६५४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'गद्य-विकास' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (C) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (D) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब

६५५. परीक्षामे 'गद्य-विकास' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
- (D) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब

६५६. 'गद्य-विकास'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
- (C) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (D) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब

६५७. 'गद्य-विकास' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (D) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब

६५८. विद्यार्थी 'गद्य-विकास' केँ कोना चिन्हत?

- (A) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (B) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (C) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
- (D) साहित्यक भाषा नहि जाँचब

६५९. 'गद्य-विकास' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (C) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

६६०. काल-विभाजनमे 'गद्य-विकास'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप

६६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'विषय-विस्तार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय

६६२. 'विषय-विस्तार'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (B) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
- (C) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

६६३. 'विषय-विस्तार' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (D) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब

६६४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'विषय-विस्तार' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (B) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय

६६५. परीक्षामे 'विषय-विस्तार' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (C) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय

६६६. 'विषय-विस्तार'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
- (D) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ

६६७. 'विषय-विस्तार' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (C) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय

६६८. विद्यार्थी 'विषय-विस्तार' केँ कोना चिन्हत?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (C) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय

६६९. 'विषय-विस्तार' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
- (C) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (D) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब

६७०. काल-विभाजनमे 'विषय-विस्तार'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
- (B) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
- (C) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

६७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'जनभाषा-चेतना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा लोकतांत्रिक बनब
- (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (C) लोक-बोलीक तिरस्कार
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

६७२. 'जनभाषा-चेतना'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लोक-बोलीक तिरस्कार
- (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) भाषा लोकतांत्रिक बनब

६७३. 'जनभाषा-चेतना' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लोक-बोलीक तिरस्कार
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (D) भाषा लोकतांत्रिक बनब

६७४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'जनभाषा-चेतना' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोक-बोलीक तिरस्कार
- (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) भाषा लोकतांत्रिक बनब

६७५. परीक्षामे 'जनभाषा-चेतना' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लोक-बोलीक तिरस्कार
- (B) भाषा लोकतांत्रिक बनब
- (C) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

६७६. 'जनभाषा-चेतना'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषा लोकतांत्रिक बनब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (D) लोक-बोलीक तिरस्कार

६७७. 'जनभाषा-चेतना' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा लोकतांत्रिक बनब
- (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (C) लोक-बोलीक तिरस्कार
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

६७८. विद्यार्थी 'जनभाषा-चेतना' केँ कोना चिन्हत?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (C) भाषा लोकतांत्रिक बनब
- (D) लोक-बोलीक तिरस्कार

६७९. 'जनभाषा-चेतना' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) लोक-बोलीक तिरस्कार
- (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (C) भाषा लोकतांत्रिक बनब
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

६८०. काल-विभाजनमे 'जनभाषा-चेतना'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
- (B) भाषा लोकतांत्रिक बनब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) लोक-बोलीक तिरस्कार

६८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भाषा-अधिकार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (C) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (D) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग

६८२. 'भाषा-अधिकार'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (B) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग

६८३. 'भाषा-अधिकार' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (C) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (D) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग

६८४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'भाषा-अधिकार' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (D) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब

६८५. परीक्षामे 'भाषा-अधिकार' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (D) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग

६८६. 'भाषा-अधिकार'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
- (D) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब

६८७. 'भाषा-अधिकार' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
- (C) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (D) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि

६८८. विद्यार्थी 'भाषा-अधिकार' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
- (C) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (D) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि

६८९. 'भाषा-अधिकार' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
- (B) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (C) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

६९०. काल-विभाजनमे 'भाषा-अधिकार'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
- (B) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
- (C) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

६९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पाठक-समाज'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (C) पाठकक भूमिका नकारब
- (D) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय

६९२. 'पाठक-समाज'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पाठकक भूमिका नकारब
- (B) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय

६९३. 'पाठक-समाज' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
- (D) पाठकक भूमिका नकारब

६९४. आधुनिक युग : उदयक सन्दर्भमे 'पाठक-समाज' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
- (C) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (D) पाठकक भूमिका नकारब

६९५. परीक्षामे 'पाठक-समाज' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठकक भूमिका नकारब
- (B) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
- (C) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

६९६. 'पाठक-समाज'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
- (D) पाठकक भूमिका नकारब

६९७. 'पाठक-समाज' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) रचनाकें पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
- (B) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (C) पाठकक भूमिका नकारब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

६९८. विद्यार्थी 'पाठक-समाज' केँ कोना चिन्हत?

- (A) रचनाकें पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
- (B) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (C) पाठकक भूमिका नकारब
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

६९९. 'पाठक-समाज' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
- (B) पाठकक भूमिका नकारब
- (C) भाषाकें समाजसँ काटब
- (D) रचनाकें पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय

७००. काल-विभाजनमे 'पाठक-समाज'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) रचनाकें पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
- (B) पाठकक भूमिका नकारब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब

7

७०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मानकीकरण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सब बोली केँ मिटा देब
- (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब

७०२. 'मानकीकरण'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (D) सब बोली केँ मिटा देब

७०३. 'मानकीकरण' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (C) सब बोली केँ मिटा देब
- (D) भाषाकें समाजसँ काटब

७०४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'मानकीकरण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (B) सब बोली केँ मिटा देब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब

७०५. परीक्षामे 'मानकीकरण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) सब बोली केँ मिटा देब
- (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (C) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (D) भाषाकेँ समाजसँ काटब

७०६. 'मानकीकरण'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (C) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (D) सब बोली केँ मिटा देब

७०७. 'मानकीकरण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (B) सब बोली केँ मिटा देब
- (C) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

७०८. विद्यार्थी 'मानकीकरण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (C) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (D) सब बोली केँ मिटा देब

७०९. 'मानकीकरण' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सब बोली केँ मिटा देब
- (B) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब

७१०. काल-विभाजनमे 'मानकीकरण'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
- (B) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) सब बोली केँ मिटा देब

७११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'वर्तनी-नियम'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (B) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ

७१२. 'वर्तनी-नियम'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (D) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका

७१३. 'वर्तनी-नियम' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (C) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
- (D) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका

७१४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'वर्तनी-नियम' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
- (C) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
- (D) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब

७१५. परीक्षामे 'वर्तनी-नियम' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (C) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
- (D) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ

७१६. 'वर्तनी-नियम'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
- (B) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ

७१७. 'वर्तनी-नियम' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
- (C) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (D) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका

७१८. विद्यार्थी 'वर्तनी-नियम' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
- (B) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (C) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

७१९. 'वर्तनी-नियम' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
- (D) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब

७२०. काल-विभाजनमे 'वर्तनी-नियम'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
- (B) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
- (C) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
- (D) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब

७२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'व्याकरण-लेखन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (C) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (D) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब

७२२. 'व्याकरण-लेखन'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
- (B) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन

७२३. 'व्याकरण-लेखन' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
- (C) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (D) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन

७२४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'व्याकरण-लेखन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (C) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (D) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब

७२५. परीक्षामे 'व्याकरण-लेखन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
- (B) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

७२६. 'व्याकरण-लेखन'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब

७२७. 'व्याकरण-लेखन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (D) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब

७२८. विद्यार्थी 'व्याकरण-लेखन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (D) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब

७२९. 'व्याकरण-लेखन' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
- (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (D) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब

७३०. काल-विभाजनमे 'व्याकरण-लेखन'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
- (B) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
- (C) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

७३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'शब्दकोश'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) लोकशब्द हटायब
- (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह

७३२. 'शब्दकोश'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लोकशब्द हटायब
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह
- (D) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब

७३३. 'शब्दकोश' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लोकशब्द हटायब
- (B) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (C) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह

७३४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'शब्दकोश' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (B) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (C) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह
- (D) लोकशब्द हटायब

७३५. परीक्षामे 'शब्दकोश' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लोकशब्द हटायब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह

७३६. 'शब्दकोश'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) लोकशब्द हटायब
- (C) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह

७३७. 'शब्दकोश' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह
- (B) लोकशब्द हटायब
- (C) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (D) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा

७३८. विद्यार्थी 'शब्दकोश' केँ कोना चिन्हत?

- (A) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह
- (B) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) लोकशब्द हटायब

७३९. 'शब्दकोश' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) लोकशब्द हटायब
- (C) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह

७४०. काल-विभाजनमे 'शब्दकोश'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) लोकशब्द हटायब
- (B) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह

७४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पाठ्यपुस्तक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) जटिलता बिना क्रम देब
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ

७४२. 'पाठ्यपुस्तक'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (B) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (C) जटिलता बिना क्रम देब
- (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ

७४३. 'पाठ्यपुस्तक' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) जटिलता बिना क्रम देब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ

७४४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'पाठ्यपुस्तक' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) जटिलता बिना क्रम देब
- (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ

७४५. परीक्षामे 'पाठ्यपुस्तक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) जटिलता बिना क्रम देब
- (B) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ

७४६. 'पाठ्यपुस्तक'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) जटिलता बिना क्रम देब
- (B) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ

७४७. 'पाठ्यपुस्तक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) जटिलता बिना क्रम देब
- (B) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ

७४८. विद्यार्थी 'पाठ्यपुस्तक' केँ कोना चिन्हत?

- (A) जटिलता बिना क्रम देब
- (B) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (C) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

७४९. 'पाठ्यपुस्तक' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) जटिलता बिना क्रम देब
- (C) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
- (D) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ

७५०. काल-विभाजनमे 'पाठ्यपुस्तक'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
- (C) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
- (D) जटिलता बिना क्रम देब

७५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'अनुवाद-भाषा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (B) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ

७५२. 'अनुवाद-भाषा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (B) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
- (C) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

७५३. 'अनुवाद-भाषा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
- (B) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
- (C) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (D) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब

७५४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'अनुवाद-भाषा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (C) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
- (D) शब्दशः कृत्रिमता थोपब

७५५. परीक्षामे 'अनुवाद-भाषा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
- (B) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ

७५६. 'अनुवाद-भाषा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
- (B) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) शब्दशः कृत्रिमता थोपब

७५७. 'अनुवाद-भाषा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (C) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
- (D) शब्दशः कृत्रिमता थोपब

७५८. विद्यार्थी 'अनुवाद-भाषा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (D) शब्दशः कृत्रिमता थोपब

७५९. 'अनुवाद-भाषा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (D) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ

७६०. काल-विभाजनमे 'अनुवाद-भाषा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
- (B) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
- (C) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

७६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'तकनीकी शब्दावली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
- (B) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण

७६२. 'तकनीकी शब्दावली'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
- (D) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब

७६३. 'तकनीकी शब्दावली' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (C) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
- (D) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण

७६४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'तकनीकी शब्दावली' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (D) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण

७६५. परीक्षामे 'तकनीकी शब्दावली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (C) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
- (D) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब

७६६. 'तकनीकी शब्दावली'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
- (B) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब

७६७. 'तकनीकी शब्दावली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (B) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
- (C) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
- (D) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ

७६८. विद्यार्थी 'तकनीकी शब्दावली' केँ कोना चिन्हत?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (C) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
- (D) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण

७६९. 'तकनीकी शब्दावली' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
- (C) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
- (D) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ

७७०. काल-विभाजनमे 'तकनीकी शब्दावली'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
- (B) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
- (C) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

७७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'देवनागरी प्रयोग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
- (D) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप

७७२. 'देवनागरी प्रयोग'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
- (B) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (C) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

७७३. 'देवनागरी प्रयोग' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (B) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (C) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

७७४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'देवनागरी प्रयोग' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (B) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
- (C) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (D) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब

७७५. परीक्षामे 'देवनागरी प्रयोग' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
- (B) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (C) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

७७६. 'देवनागरी प्रयोग'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (B) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार

७७७. 'देवनागरी प्रयोग' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
- (C) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (D) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप

७७८. विद्यार्थी 'देवनागरी प्रयोग' केँ कोना चिन्हत?

- (A) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (B) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब

७७९. 'देवनागरी प्रयोग' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (B) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (C) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (D) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार

७८०. काल-विभाजनमे 'देवनागरी प्रयोग'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
- (C) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
- (D) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार

७८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'शैली-विविधता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
- (B) एके शैली सभ जगह थोपब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता

७८२. 'शैली-विविधता'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) एके शैली सभ जगह थोपब
- (D) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब

७८३. 'शैली-विविधता' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
- (D) एके शैली सभ जगह थोपब

७८४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'शैली-विविधता' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (B) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
- (C) एके शैली सभ जगह थोपब
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

७८५. परीक्षामे 'शैली-विविधता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
- (C) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (D) एके शैली सभ जगह थोपब

७८६. 'शैली-विविधता'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (D) एके शैली सभ जगह थोपब

७८७. 'शैली-विविधता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) एके शैली सभ जगह थोपब
- (C) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (D) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब

७८८. विद्यार्थी 'शैली-विविधता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) एके शैली सभ जगह थोपब
- (B) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब

७८९. 'शैली-विविधता' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) एके शैली सभ जगह थोपब
- (B) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (C) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

७९०. काल-विभाजनमे 'शैली-विविधता'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
- (C) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
- (D) एके शैली सभ जगह थोपब

७९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'सम्पादन-परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (B) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब

७९२. 'सम्पादन-परम्परा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
- (D) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब

७९३. 'सम्पादन-परम्परा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (B) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार

७९४. आधुनिक मानकीकरणक सन्दर्भमे 'सम्पादन-परम्परा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
- (B) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब

७९५. परीक्षामे 'सम्पादन-परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (C) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
- (D) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार

७९६. 'सम्पादन-परम्परा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
- (C) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (D) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब

७९७. 'सम्पादन-परम्परा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
- (B) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
- (C) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

७९८. विद्यार्थी 'सम्पादन-परम्परा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
- (D) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब

७९९. 'सम्पादन-परम्परा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (D) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार

८००. काल-विभाजनमे 'सम्पादन-परम्परा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
- (B) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
- (C) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

८०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भाषा-आन्दोलन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
- (B) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब

८०२. 'भाषा-आन्दोलन'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
- (D) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब

८०३. 'भाषा-आन्दोलन' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
- (B) भाषाकें समाजसँ काटब
- (C) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
- (D) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास

८०४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'भाषा-आन्दोलन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
- (D) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास

८०५. परीक्षामे 'भाषा-आन्दोलन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
- (D) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब

८०६. 'भाषा-आन्दोलन'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
- (B) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब

८०७. 'भाषा-आन्दोलन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
- (C) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
- (D) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास

८०८. विद्यार्थी 'भाषा-आन्दोलन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
- (B) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास

८०९. 'भाषा-आन्दोलन' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
- (D) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब

८१०. काल-विभाजनमे 'भाषा-आन्दोलन'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
- (D) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब

८११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'पत्रकारिता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (D) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब

८१२. 'पत्रकारिता'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
- (B) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (C) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

८१३. 'पत्रकारिता' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (D) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार

८१४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'पत्रकारिता' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (B) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब

८१५. परीक्षामे 'पत्रकारिता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (D) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब

८१६. 'पत्रकारिता'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (D) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब

८१७. 'पत्रकारिता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (B) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
- (C) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

८१८. विद्यार्थी 'पत्रकारिता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (B) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब

८१९. 'पत्रकारिता' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (B) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब

८२०. काल-विभाजनमे 'पत्रकारिता'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
- (B) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
- (C) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

८२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'साहित्यिक संस्था'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (D) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण

८२२. 'साहित्यिक संस्था'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
- (D) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण

८२३. 'साहित्यिक संस्था' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
- (D) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब

८२४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'साहित्यिक संस्था' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (B) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण

८२५. परीक्षामे 'साहित्यिक संस्था' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
- (B) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (C) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

८२६. 'साहित्यिक संस्था'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
- (B) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब

८२७. 'साहित्यिक संस्था' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
- (C) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (D) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब

८२८. विद्यार्थी 'साहित्यिक संस्था' केँ कोना चिन्हत?

- (A) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (B) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
- (C) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (D) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब

८२९. 'साहित्यिक संस्था' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
- (D) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब

८३०. काल-विभाजनमे 'साहित्यिक संस्था'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
- (C) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
- (D) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण

८३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मान्यता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (B) केवल तिथि-सूची रटब
- (C) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
- (D) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति

८३२. 'मान्यता'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (C) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
- (D) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति

८३३. 'मान्यता' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (B) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब

८३४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'मान्यता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
- (B) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब

८३५. परीक्षामे 'मान्यता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
- (B) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति

८३६. 'मान्यता'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
- (B) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (C) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

८३७. 'मान्यता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
- (D) मान्यता केँ निरर्थक कहब

८३८. विद्यार्थी 'मान्यता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
- (D) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब

८३९. 'मान्यता' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
- (D) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति

८४०. काल-विभाजनमे 'मान्यता'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) भाषाकेँ शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
- (C) मान्यता केँ निरर्थक कहब
- (D) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब

८४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'डिजिटल मैथिली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (C) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
- (D) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब

८४२. 'डिजिटल मैथिली'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
- (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (D) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब

८४३. 'डिजिटल मैथिली' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
- (D) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब

८४४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'डिजिटल मैथिली' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
- (B) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार

८४५. परीक्षामे 'डिजिटल मैथिली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
- (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (D) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब

८४६. 'डिजिटल मैथिली'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
- (B) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब

८४७. 'डिजिटल मैथिली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
- (D) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब

८४८. विद्यार्थी 'डिजिटल मैथिली' केँ कोना चिन्हत?

- (A) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (B) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
- (C) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
- (D) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार

८४९. 'डिजिटल मैथिली' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (B) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब

८५०. काल-विभाजनमे 'डिजिटल मैथिली'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
- (D) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब

८५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'यूनिकोड'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (B) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब

८५२. 'यूनिकोड'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
- (B) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (C) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (D) लिपि आ पाठ नहि देखब

८५३. 'यूनिकोड' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (B) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
- (C) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

८५४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'यूनिकोड' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
- (C) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (D) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब

८५५. परीक्षामे 'यूनिकोड' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (C) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
- (D) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड

८५६. 'यूनिकोड'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (B) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (C) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
- (D) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब

८५७. 'यूनिकोड' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
- (B) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (C) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (D) भाषाकें समाजसँ काटब

८५८. विद्यार्थी 'यूनिकोड' केँ कोना चिन्हत?

- (A) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
- (D) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब

८५९. 'यूनिकोड' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (B) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब

८६०. काल-विभाजनमे 'यूनिकोड'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
- (D) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब

८६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'प्रवासी मैथिली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
- (B) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब

८६२. 'प्रवासी मैथिली'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (B) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण

८६३. 'प्रवासी मैथिली' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (C) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
- (D) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव

८६४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'प्रवासी मैथिली' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
- (B) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब

८६५. परीक्षामे 'प्रवासी मैथिली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (C) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
- (D) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण

८६६. 'प्रवासी मैथिली'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (B) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
- (C) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

८६७. 'प्रवासी मैथिली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (B) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव

८६८. विद्यार्थी 'प्रवासी मैथिली' केँ कोना चिन्हत?

- (A) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (B) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
- (C) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (D) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव

८६९. 'प्रवासी मैथिली' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (D) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण

८७०. काल-विभाजनमे 'प्रवासी मैथिली'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
- (C) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
- (D) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण

८७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मीडिया-भाषा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (C) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
- (D) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब

८७२. 'मीडिया-भाषा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
- (B) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (C) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

८७३. 'मीडिया-भाषा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
- (C) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (D) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली

८७४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'मीडिया-भाषा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
- (B) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब

८७५. परीक्षामे 'मीडिया-भाषा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (C) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
- (D) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब

८७६. 'मीडिया-भाषा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (D) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली

८७७. 'मीडिया-भाषा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
- (D) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली

८७८. विद्यार्थी 'मीडिया-भाषा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
- (C) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (D) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली

८७९. 'मीडिया-भाषा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (B) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
- (C) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
- (D) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब

८८०. काल-विभाजनमे 'मीडिया-भाषा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
- (D) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब

८८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'शोध-परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
- (B) शोधकें बोझ मानब
- (C) सभ युगकें एके रंग मानब
- (D) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब

८८२. 'शोध-परम्परा'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) शोधकें बोझ मानब
- (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन

८८३. 'शोध-परम्परा' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
- (C) शोधकें बोझ मानब
- (D) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब

८८४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'शोध-परम्परा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शोधकें बोझ मानब
- (B) विविधता कें अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
- (D) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब

८८५. परीक्षामे 'शोध-परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
- (C) शोधकें बोझ मानब
- (D) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन

८८६. 'शोध-परम्परा'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) शोधकें बोझ मानब
- (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
- (C) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

८८७. 'शोध-परम्परा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सभ युगकें एके रंग मानब
- (B) शोधकें बोझ मानब
- (C) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
- (D) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन

८८८. विद्यार्थी 'शोध-परम्परा' कें कोना चिन्हत?

- (A) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
- (B) शोधकें बोझ मानब
- (C) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
- (D) परिवर्तन कें दोष कहब

८८९. 'शोध-परम्परा' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) शोधकें बोझ मानब
- (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन

८९०. काल-विभाजनमे 'शोध-परम्परा'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
- (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
- (C) शोधकें बोझ मानब
- (D) भाषाकें समाजसँ काटब

८९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भाषा-संरक्षण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
- (D) केवल भावुक नारा देब

८९२. 'भाषा-संरक्षण'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) केवल भावुक नारा देब
- (B) भाषाकें समाजसँ काटब
- (C) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब

८९३. 'भाषा-संरक्षण' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल भावुक नारा देब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
- (D) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ

८९४. आधुनिक भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे 'भाषा-संरक्षण' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल भावुक नारा देब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब

८९५. परीक्षामे 'भाषा-संरक्षण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
- (B) केवल भावुक नारा देब
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब

८९६. 'भाषा-संरक्षण'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाकें समाजसँ काटब
- (B) केवल भावुक नारा देब
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
- (D) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ

८९७. 'भाषा-संरक्षण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
- (B) केवल भावुक नारा देब
- (C) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (D) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ

८९८. विद्यार्थी 'भाषा-संरक्षण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
- (B) केवल भावुक नारा देब
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

८९९. 'भाषा-संरक्षण' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) केवल भावुक नारा देब
- (B) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

९००. काल-विभाजनमे 'भाषा-संरक्षण'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) केवल भावुक नारा देब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब

9

९०१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'तीन-युगी दृष्टि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (B) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
- (C) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (D) सभ युगकेँ एके रंग मानब

९०२. 'तीन-युगी दृष्टि'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (B) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (C) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (D) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब

९०३. 'तीन-युगी दृष्टि' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (B) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
- (C) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

९०४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'तीन-युगी दृष्टि' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
- (C) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (D) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब

९०५. परीक्षामे 'तीन-युगी दृष्टि' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
- (B) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब

९०६. 'तीन-युगी दृष्टि'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
- (B) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (C) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

९०७. 'तीन-युगी दृष्टि' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
- (B) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब

९०८. विद्यार्थी 'तीन-युगी दृष्टि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (C) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (D) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब

९०९. 'तीन-युगी दृष्टि' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (D) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब

९१०. काल-विभाजनमे 'तीन-युगी दृष्टि'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
- (C) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
- (D) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब

९११. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'आरम्भिक पहचान'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (B) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
- (C) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

९१२. 'आरम्भिक पहचान'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (B) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब

९१३. 'आरम्भिक पहचान' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
- (C) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (D) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता

९१४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'आरम्भिक पहचान' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (C) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (D) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब

९१५. परीक्षामे 'आरम्भिक पहचान' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (B) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (C) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (D) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब

९१६. 'आरम्भिक पहचान'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (C) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (D) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब

९१७. 'आरम्भिक पहचान' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (B) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (C) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (D) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब

९१८. विद्यार्थी 'आरम्भिक पहचान' केँ कोना चिन्हत?

- (A) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (B) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
- (C) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

९१९. 'आरम्भिक पहचान' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
- (B) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (C) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (D) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब

९२०. काल-विभाजनमे 'आरम्भिक पहचान'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
- (C) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
- (D) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब

९२१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'मध्ययुगीन पहचान'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (B) सभ युगकें एके रंग मानब
- (C) मध्य युग कें शून्य मानब
- (D) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता

९२२. 'मध्ययुगीन पहचान'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) परिवर्तन कें दोष कहब
- (B) मध्य युग कें शून्य मानब
- (C) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (D) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता

९२३. 'मध्ययुगीन पहचान' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) मध्य युग कें शून्य मानब
- (C) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
- (D) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब

९२४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'मध्ययुगीन पहचान' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मध्य युग कें शून्य मानब
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
- (D) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब

९२५. परीक्षामे 'मध्ययुगीन पहचान' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (D) मध्य युग कें शून्य मानब

९२६. 'मध्ययुगीन पहचान'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (B) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (C) मध्य युग कें शून्य मानब
- (D) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता

९२७. 'मध्ययुगीन पहचान' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मध्य युग कें शून्य मानब
- (B) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
- (C) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

९२८. विद्यार्थी 'मध्ययुगीन पहचान' कें कोना चिन्हत?

- (A) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (B) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (C) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
- (D) मध्य युग कें शून्य मानब

९२९. 'मध्ययुगीन पहचान' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) मध्य युग केँ शून्य मानब
- (B) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (C) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

९३०. काल-विभाजनमे 'मध्ययुगीन पहचान'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मध्य युग केँ शून्य मानब
- (B) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता

९३१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'आधुनिक पहचान'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (B) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब
- (C) केवल तिथि-सूची रटब
- (D) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार

९३२. 'आधुनिक पहचान'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
- (B) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (C) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (D) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब

९३३. 'आधुनिक पहचान' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (D) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब

९३४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'आधुनिक पहचान' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
- (D) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब

९३५. परीक्षामे 'आधुनिक पहचान' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
- (B) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब

९३६. 'आधुनिक पहचान'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब
- (C) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (D) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार

९३७. 'आधुनिक पहचान' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाकें समाजसँ काटब
- (B) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (C) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
- (D) आधुनिकता कें केवल नयका शब्द मानब

९३८. विद्यार्थी 'आधुनिक पहचान' कें कोना चिन्हत?

- (A) आधुनिकता कें केवल नयका शब्द मानब
- (B) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
- (C) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (D) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब

९३९. 'आधुनिक पहचान' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (B) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (C) आधुनिकता कें केवल नयका शब्द मानब
- (D) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार

९४०. काल-विभाजनमे 'आधुनिक पहचान'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) आधुनिकता कें केवल नयका शब्द मानब
- (B) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
- (C) भाषाकें समाजसँ काटब
- (D) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार

९४१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'निरन्तरता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक जीवित धारा देखब
- (B) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (C) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
- (D) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब

९४२. 'निरन्तरता'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब
- (B) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (C) भाषाक जीवित धारा देखब
- (D) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब

९४३. 'निरन्तरता' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) सभ युगकें एके रंग मानब
- (B) भाषाक जीवित धारा देखब
- (C) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब
- (D) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब

९४४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'निरन्तरता' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक जीवित धारा देखब
- (B) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब
- (C) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (D) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब

१४५. परीक्षामे 'निरन्तरता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
- (B) भाषाकें समाजसँ काटब
- (C) भाषाक जीवित धारा देखब
- (D) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब

१४६. 'निरन्तरता'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब
- (B) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
- (C) भाषाक जीवित धारा देखब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

१४७. 'निरन्तरता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (B) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
- (C) भाषाक जीवित धारा देखब
- (D) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब

१४८. विद्यार्थी 'निरन्तरता' कें कोना चिन्हत?

- (A) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
- (B) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब
- (C) भाषाक जीवित धारा देखब
- (D) विविधता कें अव्यवस्था मात्र कहब

१४९. 'निरन्तरता' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमक उपेक्षा
- (B) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब
- (C) भाषाक जीवित धारा देखब
- (D) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब

१५०. काल-विभाजनमे 'निरन्तरता'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) भाषाक जीवित धारा देखब
- (C) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
- (D) हर युग कें पूर्ण टूटन मानब

१५१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'परिवर्तन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (B) भाषाकें स्थिर वस्तु मानब
- (C) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (D) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब

१५२. 'परिवर्तन'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (B) सभ युगकें एके रंग मानब
- (C) भाषाकें स्थिर वस्तु मानब
- (D) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब

१५३. 'परिवर्तन' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
- (B) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब

१५४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'परिवर्तन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (B) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (C) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
- (D) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब

१५५. परीक्षामे 'परिवर्तन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
- (C) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
- (D) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ

१५६. 'परिवर्तन'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (B) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
- (C) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
- (D) केवल तिथि-सूची रटब

१५७. 'परिवर्तन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (B) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (C) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
- (D) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब

१५८. विद्यार्थी 'परिवर्तन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (B) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
- (C) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
- (D) शब्दशः कठोर व्याख्या करब

१५९. 'परिवर्तन' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
- (D) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब

१६०. काल-विभाजनमे 'परिवर्तन'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (B) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
- (C) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
- (D) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ

९६१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'प्रमाण-आधारित उत्तर'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (B) बिना आधार दावा करब
- (C) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब
- (D) लोक-रूपक उपेक्षा करब

९६२. 'प्रमाण-आधारित उत्तर'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (B) बिना आधार दावा करब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब

९६३. 'प्रमाण-आधारित उत्तर' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) सभ युगकें एके रंग मानब
- (B) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब
- (C) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (D) बिना आधार दावा करब

९६४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'प्रमाण-आधारित उत्तर' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) बिना आधार दावा करब
- (D) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब

९६५. परीक्षामे 'प्रमाण-आधारित उत्तर' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना आधार दावा करब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (D) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब

९६६. 'प्रमाण-आधारित उत्तर'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (C) बिना आधार दावा करब
- (D) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब

९६७. 'प्रमाण-आधारित उत्तर' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) बिना आधार दावा करब
- (D) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब

९६८. विद्यार्थी 'प्रमाण-आधारित उत्तर' कें कोना चिन्हत?

- (A) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (B) बिना आधार दावा करब
- (C) सभ युगकें एके रंग मानब
- (D) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब

९६९. 'प्रमाण-आधारित उत्तर' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) बिना आधार दावा करब
- (B) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब
- (C) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (D) विविधता कें अव्यवस्था मात्र कहब

९७०. काल-विभाजनमे 'प्रमाण-आधारित उत्तर'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) बिना आधार दावा करब
- (B) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (C) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
- (D) उत्तरकें विश्वसनीय बनायब

९७१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'भाषा आ साहित्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा आ साहित्य कें पूर्ण अलग करब
- (B) विविधता कें अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (D) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरसँ प्रभावित होइत अछि

९७२. 'भाषा आ साहित्य'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा आ साहित्य कें पूर्ण अलग करब
- (B) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (C) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरसँ प्रभावित होइत अछि
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

९७३. 'भाषा आ साहित्य' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरसँ प्रभावित होइत अछि
- (B) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (C) मानक रूप पहिलेसँ थोपब
- (D) भाषा आ साहित्य कें पूर्ण अलग करब

९७४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'भाषा आ साहित्य' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा आ साहित्य कें पूर्ण अलग करब
- (B) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरसँ प्रभावित होइत अछि
- (C) पाठक आ प्रयोगक भूमिका हटायब
- (D) विकासक संयुक्त अध्ययन करब

९७५. परीक्षामे 'भाषा आ साहित्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (B) भाषा आ साहित्य कें पूर्ण अलग करब
- (C) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरसँ प्रभावित होइत अछि
- (D) मानक रूप पहिलेसँ थोपब

९७६. 'भाषा आ साहित्य'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (B) भाषा आ साहित्य कें पूर्ण अलग करब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरसँ प्रभावित होइत अछि

९७७. 'भाषा आ साहित्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (B) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरासँ प्रभावित होइत अछि
- (C) भाषा आ साहित्य केँ पूर्ण अलग करब
- (D) परिवर्तन केँ दोष कहब

९७८. विद्यार्थी 'भाषा आ साहित्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषा आ साहित्य केँ पूर्ण अलग करब
- (B) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (C) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (D) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरासँ प्रभावित होइत अछि

९७९. 'भाषा आ साहित्य' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) भाषा आ साहित्य केँ पूर्ण अलग करब
- (B) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरासँ प्रभावित होइत अछि
- (C) सभ युगकेँ एके रंग मानब
- (D) विकासक संयुक्त अध्ययन करब

९८०. काल-विभाजनमे 'भाषा आ साहित्य'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) भाषा आ साहित्य केँ पूर्ण अलग करब
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
- (D) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरासँ प्रभावित होइत अछि

९८१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'लोक आ संस्था'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
- (B) साहित्यक भाषा नहि जाँचब
- (C) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (D) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब

९८२. 'लोक आ संस्था'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (B) भाषा-अधिकार गौण मानब
- (C) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
- (D) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि

९८३. 'लोक आ संस्था' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
- (B) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
- (C) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (D) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब

९८४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'लोक आ संस्था' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
- (C) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (D) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब

९८५. परीक्षामे 'लोक आ संस्था' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) केवल तिथि-सूची रटब
- (B) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
- (C) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (D) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि

९८६. 'लोक आ संस्था'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
- (C) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (D) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब

९८७. 'लोक आ संस्था' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) साहित्यिक भाषा नहि जाँचब
- (B) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
- (C) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
- (D) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब

९८८. विद्यार्थी 'लोक आ संस्था' केँ कोना चिन्हत?

- (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (B) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
- (C) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
- (D) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब

९८९. 'लोक आ संस्था' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (D) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि

९९०. काल-विभाजनमे 'लोक आ संस्था'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
- (B) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
- (C) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
- (D) भाषा-अधिकार गौण मानब

९९१. मैथिली भाषाक आवधिक विभाजनमे 'समालोचनात्मक विवेक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
- (B) कट्टर सरलीकरण करब
- (C) परिवर्तन केँ दोष कहब
- (D) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब

९९२. 'समालोचनात्मक विवेक'क अध्ययन करबाक मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) लोक-रूपक उपेक्षा करब
- (B) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
- (C) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
- (D) कट्टर सरलीकरण करब

१९३. 'समालोचनात्मक विवेक' बुझैत काल कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
- (C) कट्टर सरलीकरण करब
- (D) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान

१९४. तुलनात्मक परीक्षा-दृष्टिक सन्दर्भमे 'समालोचनात्मक विवेक' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
- (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (C) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
- (D) कट्टर सरलीकरण करब

१९५. परीक्षामे 'समालोचनात्मक विवेक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उचित उत्तर कोन?

- (A) साक्ष्यक जगह अनुमान राखब
- (B) कट्टर सरलीकरण करब
- (C) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
- (D) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब

१९६. 'समालोचनात्मक विवेक'क सही ऐतिहासिक पाठ कोन दिशा दैत अछि?

- (A) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
- (B) कट्टर सरलीकरण करब
- (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
- (D) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान

१९७. 'समालोचनात्मक विवेक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लिपि आ पाठ नहि देखब
- (B) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
- (C) कट्टर सरलीकरण करब
- (D) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब

१९८. विद्यार्थी 'समालोचनात्मक विवेक' केँ कोना चिन्हत?

- (A) कट्टर सरलीकरण करब
- (B) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
- (C) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

१९९. 'समालोचनात्मक विवेक' भाषा-विकासक कोन पक्ष खोलैत अछि?

- (A) कट्टर सरलीकरण करब
- (B) शब्दशः कठोर व्याख्या करब
- (C) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
- (D) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब

१०००. काल-विभाजनमे 'समालोचनात्मक विवेक'क मूल्यांकन करैत कोन सावधानी आवश्यक अछि?

- (A) कट्टर सरलीकरण करब
- (B) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ काटब
- (D) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान

१. (C) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
२. (C) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
३. (C) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
४. (B) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
५. (C) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
६. (A) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
७. (A) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
८. (A) भाषाक इतिहास केँ आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक चरणमे बाँटि अध्ययन करब
९. (B) बदलैत भाषा-रूप, समाज आ साहित्यक सम्बन्ध स्पष्ट करब
१०. (B) तिथि मात्र रटि भाषा-परिवर्तन नहि बुझब
११. (B) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
१२. (A) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
१३. (C) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
१४. (B) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
१५. (A) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
१६. (C) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
१७. (A) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
१८. (D) शब्द, ध्वनि, रूप, वाक्य आ लिखित-पाण्डुलिपि सँ भाषा-रूपक पहचान
१९. (A) कुन युगमे भाषा कोना बदलल से देखेनाइ
२०. (B) केवल जनश्रुति पर निर्भर रहब
२१. (D) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
२२. (A) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
२३. (C) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
२४. (B) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
२५. (D) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
२६. (C) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
२७. (D) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
२८. (B) राज, धर्म, शिक्षा, लोक-जीवन आ संचारक प्रभावक संग भाषा पढ़ब
२९. (C) भाषा-परिवर्तनक सामाजिक कारण बुझेनाइ
३०. (D) भाषा केँ समाजसँ काटि देखब
३१. (B) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
३२. (A) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
३३. (D) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
३४. (D) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब

३५. (A) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
३६. (A) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
३७. (A) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
३८. (B) काव्य, गद्य, नाटक, गीत, टीका आ पत्रिकामे भेटल भाषा-रूप
३९. (C) लिखित रूपसँ युगक भाषा-स्वर पकड़ब
४०. (A) रचना केँ केवल कथा मानि भाषा नहि देखब
४१. (B) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
४२. (B) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
४३. (A) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
४४. (A) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
४५. (C) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
४६. (A) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
४७. (A) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
४८. (C) मिथिलाक्षर, देवनागरी आ छपाई-रूपमे लिखल भाषाक चिन्ह
४९. (B) लेखन-परम्परा आ पाठ-प्रसारक क्रम बुझेनाइ
५०. (B) लिपि केँ भाषा-इतिहाससँ अलग करब
५१. (B) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
५२. (A) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
५३. (C) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
५४. (C) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
५५. (A) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
५६. (A) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
५७. (A) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
५८. (C) उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ संधि-रूपमे होइत बदलाव
५९. (B) पुरान आ नयका रूपक सम्बन्ध पकड़ब
६०. (C) उच्चारणक भिन्नता अनदेखा करब
६१. (B) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
६२. (D) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
६३. (D) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
६४. (A) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
६५. (D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
६६. (C) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
६७. (B) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब
६८. (C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति, कारक-चिह्न आ प्रत्ययक बदलाव
६९. (B) व्याकरणिक विकासक क्रम चिन्हेनाइ
७०. (C) सिर्फ अर्थ पर ध्यान राखि रूप छोड़ब

७१. (A) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
७२. (B) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
७३. (D) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
७४. (B) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
७५. (B) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
७६. (A) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
७७. (C) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
७८. (D) लोक-बोली आ लिखित-शिष्ट भाषा बीचक परस्पर सम्बन्ध
७९. (B) भाषाक जड़ आ साहित्यिक विस्तार दुनू देखब
८०. (B) लोकभाषा केँ कमतर बुझब
८१. (C) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
८२. (C) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
८३. (D) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
८४. (D) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
८५. (C) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
८६. (A) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
८७. (C) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
८८. (B) युगक मोटा सीमा बुझब, मुदा कठोर दीवाल नहि बनायब
८९. (B) परिवर्तनक क्रमिकता केँ स्थान देब
९०. (C) एक दिनमे युग बदलि गेल मानब
९१. (C) पूर्वीय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
९२. (A) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
९३. (A) केवल अलगाववादी दावा करब
९४. (C) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
९५. (D) पूर्वीय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
९६. (D) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
९७. (B) केवल अलगाववादी दावा करब
९८. (D) पूर्वीय आर्यभाषा, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ नव-आर्य भाषा संग तुलना
९९. (C) मैथिलीक अपन विशिष्टता आ सम्बन्ध दुनू बुझब
१००. (A) केवल अलगाववादी दावा करब
१०१. (D) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
१०२. (A) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
१०३. (B) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
१०४. (D) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ
१०५. (B) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
१०६. (D) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझेनाइ

१०७. (A) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
१०८. (C) ओ चरण जखन मैथिली अपन अलग भाषा-स्वर बनबैत देखाइत अछि
१०९. (B) भाषाक जन्म-प्रक्रिया आ मूल रूप बुझनाइ
११०. (D) एकदम परिपक्व आधुनिक मैथिली खोजब
१११. (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास
११२. (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
११३. (A) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
११४. (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
११५. (D) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास
११६. (A) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
११७. (B) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
११८. (B) पूर्व भारतक आर्यभाषिक परम्परासँ मैथिलीक विकास
११९. (C) भाषाक भूगोलिक आ वंशगत सम्बन्ध स्पष्ट करब
१२०. (C) मैथिली केँ निराधार अलग मानब
१२१. (D) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
१२२. (B) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
१२३. (D) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
१२४. (C) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
१२५. (B) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
१२६. (B) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
१२७. (C) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
१२८. (C) पुरान आर्यभाषासँ नव आर्यभाषा धरि संक्रमणक भाषा-चरण
१२९. (D) मैथिलीक पुरान रूपक स्रोत बुझब
१३०. (D) अपभ्रंश केँ आधुनिक बोलचाल मानि लेब
१३१. (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
१३२. (C) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझनाइ
१३३. (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
१३४. (C) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझनाइ
१३५. (B) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
१३६. (A) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझनाइ
१३७. (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
१३८. (D) अपभ्रंशोत्तर संक्रमण रूप जे नव भाषासभक नजदीक पहुँचैत अछि
१३९. (D) आरम्भिक मैथिली शब्द-रूपक पृष्ठभूमि बुझनाइ
१४०. (C) अवहट्ट केँ पूरा आधुनिक मैथिली कहब
१४१. (C) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
१४२. (A) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब

१४३. (D) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
१४४. (B) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
१४५. (B) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
१४६. (B) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
१४७. (A) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
१४८. (C) स्थानीय जीवन, खेत, घर, नातेदारी आ लोकाचारसँ जुड़ल शब्द-संपदा
१४९. (C) भाषाक स्थानीय आत्मा पहिचानब
१५०. (D) देशज शब्द केँ अशुद्ध मानब
१५१. (A) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
१५२. (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
१५३. (C) प्रत्येक तद्धव केँ गलती कहब
१५४. (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
१५५. (D) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
१५६. (B) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
१५७. (D) प्रत्येक तद्धव केँ गलती कहब
१५८. (A) संस्कृत-प्राकृत परम्परासँ बदलि लोक-रूप धारण कएल शब्द
१५९. (D) भाषिक विकासक प्राकृतिक क्रम देखब
१६०. (B) प्रत्येक तद्धव केँ गलती कहब
१६१. (B) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
१६२. (A) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
१६३. (B) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
१६४. (C) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
१६५. (A) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
१६६. (A) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
१६७. (C) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
१६८. (A) संस्कृतसँ लगभग मूल रूपमे आयल शब्द
१६९. (D) विद्या, धर्म आ शास्त्रक शब्दावलीक प्रभाव बुझब
१७०. (A) तत्समक कारण लोक-रूप नकारब
१७१. (C) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
१७२. (C) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
१७३. (C) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
१७४. (A) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
१७५. (B) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप
१७६. (D) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
१७७. (D) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
१७८. (C) मिथिलाक बोली-परम्परासँ बनल स्वर-व्यंजनक रूप

१७९. (C) भाषाक क्षेत्रीय पहचान स्पष्ट करब
१८०. (C) सब उच्चारण केँ बाहरी मापसँ काटब
१८१. (A) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
१८२. (A) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
१८३. (C) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
१८४. (B) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
१८५. (A) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
१८६. (D) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
१८७. (B) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
१८८. (B) गीत, कथा, कहावत आ लोक-वाणीमे चलैत भाषा
१८९. (D) लिखित प्रमाणक पहिने के भाषा-जीवन बुझब
१९०. (D) मौखिक रूप केँ इतिहाससँ बाहर करब
१९१. (D) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
१९२. (B) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
१९३. (D) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
१९४. (B) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
१९५. (B) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
१९६. (D) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
१९७. (A) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
१९८. (D) अन्य निकट भाषासँ सम्बन्ध रहितो मैथिलीक अपन स्वतंत्र रचना-व्यवस्था
१९९. (B) अपन विशेष ध्वनि, शब्द आ व्याकरण चिन्हब
२००. (B) साम्यता देखिते पहचान मिटायब
२०१. (B) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
२०२. (D) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
२०३. (D) गद्यक इतिहासकेँ आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
२०४. (D) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
२०५. (A) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
२०६. (C) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
२०७. (C) गद्यक इतिहासकेँ आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
२०८. (D) आरम्भिक लिखित गद्य-रूप जे भाषा-संरचना देखबैत अछि
२०९. (C) मैथिली गद्यक पुरान आधार बुझब
२१०. (C) गद्यक इतिहासकेँ आधुनिक कालसँ मात्र शुरू मानब
२११. (A) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति केँ सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसँ कहब
२१२. (C) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
२१३. (B) वर्णन केँ निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
२१४. (D) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब

२१५. (C) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति के सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसे कहब
२१६. (B) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
२१७. (A) वर्णन के निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
२१८. (D) वस्तु, नगर, नायक, समाज वा रीति के सूचीबद्ध/चित्रात्मक ढंगसे कहब
२१९. (B) आरम्भिक गद्यक अभिव्यक्ति-रीति पहचानब
२२०. (B) वर्णन के निरर्थक पुनरावृत्ति मानब
२२१. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
२२२. (B) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
२२३. (B) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
२२४. (B) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
२२५. (C) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
२२६. (A) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
२२७. (A) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
२२८. (C) हस्तलिखित ग्रन्थ, टीका, पत्र आ धार्मिक पाठक परम्परा
२२९. (B) लेखन-भाषाक निरन्तरता देखब
२३०. (C) मुद्रण नहि तँ इतिहास नहि मानब
२३१. (D) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
२३२. (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
२३३. (A) संस्कृत प्रभाव के मात्र बोझ मानब
२३४. (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
२३५. (B) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
२३६. (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
२३७. (B) संस्कृत प्रभाव के मात्र बोझ मानब
२३८. (D) विद्या आ शास्त्रक भाषा संग मैथिलीक सतत सम्पर्क
२३९. (C) शब्दावली आ वाक्य-रूपक मिश्र प्रभाव बुझब
२४०. (C) संस्कृत प्रभाव के मात्र बोझ मानब
२४१. (B) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
२४२. (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
२४३. (A) लिखित रूप के पूर्णतः कृत्रिम मानब
२४४. (B) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
२४५. (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
२४६. (D) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
२४७. (A) लिखित रूप के पूर्णतः कृत्रिम मानब
२४८. (A) लिखित पाठमे लोक-बोलचालक छाप
२४९. (C) शिष्ट लेखनमे लोक-भाषाक उपस्थिति देखब
२५०. (D) लिखित रूप के पूर्णतः कृत्रिम मानब

२५१. (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
२५२. (B) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ
२५३. (B) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
२५४. (C) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ
२५५. (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
२५६. (B) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ
२५७. (C) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
२५८. (B) पुरान समाज, शासन, धर्म, प्रेम आ व्यवहारक शब्द
२५९. (C) युगक जीवन-क्षेत्र बुझेनाइ
२६०. (A) शब्द केँ संदर्भ बिना रटब
२६१. (C) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
२६२. (D) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब
२६३. (A) रचना-संगठनक उपेक्षा
२६४. (C) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब
२६५. (D) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
२६६. (C) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब
२६७. (D) रचना-संगठनक उपेक्षा
२६८. (C) कल्लोल, खण्ड, पद, संवाद वा प्रसंगक क्रम
२६९. (D) भाषा-साक्ष्य केँ साहित्यिक रूपसँ जोड़ब
२७०. (A) रचना-संगठनक उपेक्षा
२७१. (B) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
२७२. (C) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
२७३. (A) सिर्फ मनोरंजन मानब
२७४. (C) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
२७५. (D) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
२७६. (A) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
२७७. (D) सिर्फ मनोरंजन मानब
२७८. (B) धर्म, विद्या, वर्णन, रस, नीति वा सामाजिक व्यवहार लेल लिखब
२७९. (B) भाषाक उपयोग-क्षेत्र चिन्हेनाइ
२८०. (D) सिर्फ मनोरंजन मानब
२८१. (A) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
२८२. (A) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
२८३. (A) मिश्रण केँ दोष मात्र मानब
२८४. (D) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
२८५. (C) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
२८६. (B) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब

२८७. (D) मिश्रण के दोष मात्र मानब
२८८. (B) पुरान पाठमे संस्कृत, देशज, तद्भव आ प्रादेशिक रूपक संगति
२८९. (D) संक्रमणकालीन भाषाक प्रकृति स्वीकार करब
२९०. (A) मिश्रण के दोष मात्र मानब
२९१. (D) पुरान पाठ के भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
२९२. (A) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
२९३. (B) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
२९४. (B) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
२९५. (A) पुरान पाठ के भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
२९६. (B) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
२९७. (D) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
२९८. (B) पुरान पाठ के भाषा, लिपि, रूप, अर्थ आ समाजक आधार पर पढ़ब
२९९. (D) एकहि पाठसँ अनेक ऐतिहासिक संकेत निकालब
३००. (D) केवल कथा-रस धरि सीमित रहब
३०१. (D) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
३०२. (B) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
३०३. (A) एहि युग के केवल अंधकार कहब
३०४. (D) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
३०५. (A) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
३०६. (B) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
३०७. (C) एहि युग के केवल अंधकार कहब
३०८. (B) भाषाक ओ चरण जाहिमे काव्य, गीत, भक्ति, राजाश्रय आ लोक-प्रसार मजबूत भेल
३०९. (B) मैथिलीक साहित्यिक विस्तार आ लोकप्रियता देखेनाइ
३१०. (C) एहि युग के केवल अंधकार कहब
३११. (C) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
३१२. (A) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
३१३. (C) विद्यापति के केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
३१४. (C) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
३१५. (D) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
३१६. (B) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
३१७. (D) विद्यापति के केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
३१८. (C) प्रेम, भक्ति, शृंगार आ लोक-संवेदना सँ भरल पद-धारा
३१९. (D) मैथिली काव्य-भाषाक माधुर्य आ प्रभाव बुझब
३२०. (D) विद्यापति के केवल दरबारी कवि मानि सीमित करब
३२१. (C) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
३२२. (D) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब

३२३. (D) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
३२४. (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
३२५. (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
३२६. (C) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
३२७. (D) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
३२८. (A) लय, राग आ भावसँ युक्त गेय पदक संग्रह वा परम्परा
३२९. (A) भाषाक गेयता आ लोक-प्रसारक शक्ति देखब
३३०. (B) पद केँ गद्य-निबंध जेकाँ पढ़ब
३३१. (C) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
३३२. (A) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
३३३. (D) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
३३४. (D) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
३३५. (D) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
३३६. (D) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
३३७. (C) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
३३८. (B) ईश्वर, राधा-कृष्ण, राम वा लोक-देवता प्रति भावपूर्ण समर्पण
३३९. (A) भाषाक भावात्मक विस्तार देखब
३४०. (C) भक्ति केँ केवल कर्मकाण्ड मानब
३४१. (A) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
३४२. (D) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
३४३. (B) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
३४४. (C) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
३४५. (D) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
३४६. (B) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
३४७. (B) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
३४८. (B) प्रेम, विरह, मिलन, मनोभाव आ सौन्दर्यक काव्यमय अभिव्यक्ति
३४९. (D) मानवीय भावक सूक्ष्मता बुझेनाइ
३५०. (C) शृंगार केँ अश्लीलता मानि छोड़ब
३५१. (D) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
३५२. (C) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
३५३. (B) लयक उपेक्षा करब
३५४. (A) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
३५५. (B) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय
३५६. (D) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
३५७. (A) लयक उपेक्षा करब
३५८. (C) लोकगीतक धुन, छन्द आ गायन परम्परासँ जुड़ल काव्य-लय

३५९. (D) पद केँ जन-जीवनसँ जोड़ब
३६०. (D) लयक उपेक्षा करब
३६१. (D) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
३६२. (C) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
३६३. (C) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
३६४. (B) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
३६५. (C) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
३६६. (D) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
३६७. (D) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
३६८. (C) स्त्री-पात्रक प्रेम, विरह, रोष, आशा आ अनुभवक काव्य-स्वर
३६९. (B) भीतरी मनोभाव आ स्त्री-संवेदनाक स्थान देखब
३७०. (C) स्त्री-स्वरक उपेक्षा
३७१. (C) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
३७२. (A) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
३७३. (D) संवाद केँ अनावश्यक मानब
३७४. (D) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
३७५. (C) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
३७६. (D) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
३७७. (A) संवाद केँ अनावश्यक मानब
३७८. (D) नायिका, सखी आ प्रियक बीच भाव-संचारक काव्य-युक्ति
३७९. (B) मनक गुप्त भाव प्रकट करब
३८०. (B) संवाद केँ अनावश्यक मानब
३८१. (C) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
३८२. (D) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
३८३. (C) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
३८४. (B) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
३८५. (B) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
३८६. (A) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
३८७. (C) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
३८८. (D) स्वर, लय, सरल शब्द आ भाव-संयोजनसँ बनल मधुर अभिव्यक्ति
३८९. (B) मैथिली काव्यक श्रवणीय आकर्षण देखब
३९०. (D) कठोर कृत्रिम भाषा केँ आदर्श मानब
३९१. (C) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
३९२. (A) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
३९३. (B) काव्य केँ पुस्तकमे बन्द मानब
३९४. (D) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब

३९५. (A) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
३९६. (C) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
३९७. (D) काव्य के पुस्तकमे बन्द मानब
३९८. (A) गीत, कीर्तन, लोक-गायन आ दरबारी पाठ द्वारा भाषा फैलनाइ
३९९. (A) भाषाक सीमा-पार प्रभाव बुझब
४००. (B) काव्य के पुस्तकमे बन्द मानब
४०१. (C) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
४०२. (A) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
४०३. (D) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
४०४. (C) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
४०५. (A) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
४०६. (D) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
४०७. (D) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
४०८. (D) गीत, अभिनय, भक्ति आ संवादसँ बनल मैथिली नाट्य-परम्परा
४०९. (B) भाषाक मंचीय आ गेय रूप बुझेनाइ
४१०. (C) एकरा केवल पाठ्य कविता मानब
४११. (C) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
४१२. (C) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
४१३. (D) नाट्य-भाषा के निबंध-भाषा जेकाँ मानब
४१४. (B) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
४१५. (B) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
४१६. (C) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
४१७. (D) नाट्य-भाषा के निबंध-भाषा जेकाँ मानब
४१८. (C) संवाद, गीत, पद आ अभिनय-संकेतमे प्रयुक्त भाषा
४१९. (A) बोलबा योग्य मैथिली रूपक अध्ययन
४२०. (B) नाट्य-भाषा के निबंध-भाषा जेकाँ मानब
४२१. (B) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
४२२. (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
४२३. (A) संगीत के भाषासँ असम्बद्ध मानब
४२४. (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
४२५. (A) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
४२६. (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
४२७. (B) संगीत के भाषासँ असम्बद्ध मानब
४२८. (D) नाटक आ कीर्तनमे गायनक संगीतात्मक आधार
४२९. (A) भाषा, लय आ भावक एकता देखब
४३०. (D) संगीत के भाषासँ असम्बद्ध मानब

४३१. (A) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप
४३२. (C) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
४३३. (C) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
४३४. (A) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
४३५. (A) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप
४३६. (B) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
४३७. (A) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
४३८. (D) नेपालक दरबार आ सांस्कृतिक केन्द्रमे लिखल/अभिनीत मैथिली रूप
४३९. (A) मैथिलीक क्षेत्रीय विस्तार आ राजाश्रय देखब
४४०. (D) मिथिला सीमा बाहिरक मैथिली अस्वीकार करब
४४१. (C) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
४४२. (A) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
४४३. (B) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
४४४. (B) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
४४५. (A) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
४४६. (D) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
४४७. (C) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
४४८. (C) राजा, आश्रयदाता आ सांस्कृतिक मंडली द्वारा रचना-पोषण
४४९. (B) भाषा-विकासमे संस्था आ आश्रयक भूमिका बुझब
४५०. (D) साहित्य केँ केवल निजी काज मानब
४५१. (A) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
४५२. (C) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
४५३. (C) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
४५४. (B) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
४५५. (D) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
४५६. (D) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
४५७. (B) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
४५८. (C) गाम, पर्व, कीर्तन आ सामूहिक अवसर पर प्रस्तुति
४५९. (C) भाषाक जन-प्रयोग आ सहभागिता देखब
४६०. (C) मंच केँ केवल राजसभा धरि सीमित मानब
४६१. (C) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
४६२. (A) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
४६३. (C) सभ पात्रक एके भाषा मानब
४६४. (A) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
४६५. (D) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
४६६. (A) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान

४६७. (D) सभ पात्रक एके भाषा मानब
४६८. (B) पात्रक पद, स्थिति, भाव आ प्रसंग अनुसार बदलैत वाणी
४६९. (C) नाटकीय यथार्थ आ शैलीक पहचान
४७०. (D) सभ पात्रक एके भाषा मानब
४७१. (A) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
४७२. (B) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
४७३. (D) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
४७४. (B) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
४७५. (C) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
४७६. (A) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
४७७. (A) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
४७८. (A) ईश्वर-कथा, लीला आ भक्ति-रस पर आधारित प्रस्तुति
४७९. (A) धर्म आ काव्यक मंचीय मिलन देखब
४८०. (D) भक्ति-नाट्य केँ इतिहाससँ बाहर करब
४८१. (D) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
४८२. (A) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
४८३. (A) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
४८४. (B) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
४८५. (C) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
४८६. (D) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
४८७. (C) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
४८८. (A) नाट्य-पाठ आ मंच-परम्परा दुनू रूपमे भाषा चलनाइ
४८९. (C) पाठ आ प्रदर्शनक भेद-संबंध बुझब
४९०. (C) केवल छपल पाठ केँ मान्यता देब
४९१. (D) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
४९२. (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
४९३. (B) एकरेखीय इतिहास लिखब
४९४. (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
४९५. (D) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
४९६. (C) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
४९७. (D) एकरेखीय इतिहास लिखब
४९८. (A) मिथिला, नेपाल, लोकधर्म, संगीत आ राजाश्रयक मेल
४९९. (A) भाषा-इतिहासक बहुकेन्द्रीय स्वरूप बुझब
५००. (B) एकरेखीय इतिहास लिखब
५०१. (A) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
५०२. (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझनाइ

५०३. (C) ध्वनि-रूपक अनदेखी
५०४. (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
५०५. (B) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
५०६. (C) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
५०७. (B) ध्वनि-रूपक अनदेखी
५०८. (C) गीत, पद, नाटक आ पाण्डुलिपिमे भेटैत उच्चारण-संकेत
५०९. (B) भाषाक श्रवणीय रूप बुझेनाइ
५१०. (A) ध्वनि-रूपक अनदेखी
५११. (B) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
५१२. (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
५१३. (D) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
५१४. (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
५१५. (D) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
५१६. (C) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
५१७. (A) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
५१८. (D) हम, अहाँ, तोरा, ओकर, तकर आदि रूपक ऐतिहासिक प्रयोग
५१९. (D) सम्बोधन, आदर आ व्यक्ति-भेद बुझब
५२०. (B) सर्वनाम केँ युग-विन्याससँ अलग करब
५२१. (B) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
५२२. (D) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
५२३. (D) क्रिया केँ केवल अर्थक शब्द मानब
५२४. (A) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
५२५. (C) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
५२६. (D) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
५२७. (A) क्रिया केँ केवल अर्थक शब्द मानब
५२८. (C) काल, पुरुष, वचन, आदर आ भाव अनुसार क्रियाक बदलाव
५२९. (C) व्याकरणिक विकासक दिशा देखब
५३०. (A) क्रिया केँ केवल अर्थक शब्द मानब
५३१. (C) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
५३२. (B) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
५३३. (A) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
५३४. (D) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
५३५. (D) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न
५३६. (B) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
५३७. (C) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
५३८. (D) कारक-संबंध देखाबयवला प्रत्यय, परसर्ग वा चिह्न

५३९. (D) वाक्य-संरचना आ अर्थ-संबंध स्पष्ट करब
५४०. (A) विभक्ति केँ अनावश्यक मानब
५४१. (D) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
५४२. (C) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
५४३. (C) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
५४४. (D) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
५४५. (A) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
५४६. (C) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
५४७. (B) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
५४८. (A) सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मान देखाबयवला भाषा-रूप
५४९. (C) भाषाक सामाजिक संरचना बुझब
५५०. (D) आदर-रूप केँ मात्र व्याकरणिक भूल मानब
५५१. (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
५५२. (A) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
५५३. (D) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
५५४. (B) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
५५५. (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
५५६. (D) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
५५७. (A) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
५५८. (C) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ठ आ पड़ोसी भाषासँ सम्पर्क
५५९. (B) शब्द आ शैलीक बहुस्तरीय स्रोत देखब
५६०. (C) सम्पर्क केँ प्रदूषण मानब
५६१. (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
५६२. (A) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
५६३. (C) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
५६४. (B) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
५६५. (A) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
५६६. (A) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
५६७. (B) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
५६८. (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-रूप
५६९. (C) पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचान बुझब
५७०. (B) लिपि-अध्ययन केँ छोड़ब
५७१. (C) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
५७२. (D) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
५७३. (A) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
५७४. (A) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब

५७५. (A) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
५७६. (B) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
५७७. (C) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
५७८. (C) हस्तलिखित प्रतिमे शब्द, वाक्य वा रूपक अंतर
५७९. (A) प्रसारण आ नकल-परम्पराक प्रभाव बुझब
५८०. (B) एकहि प्रति केँ अंतिम सत्य मानब
५८१. (C) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
५८२. (B) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
५८३. (D) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना
५८४. (C) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
५८५. (C) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
५८६. (B) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
५८७. (B) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना
५८८. (A) लय, पुनरावृत्ति, सम्बोधन आ भावसँ बनल वाक्य-रूप
५८९. (C) काव्य-भाषा आ बोलचालक सम्बन्ध देखब
५९०. (A) गीतक वाक्य केँ गद्य नियमसँ मात्र जाँचना
५९१. (B) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
५९२. (B) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
५९३. (C) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
५९४. (D) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
५९५. (B) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
५९६. (C) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
५९७. (B) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
५९८. (A) एकरूप नियमक पहिने चलैत अनेक रूप
५९९. (B) भाषाक प्राकृतिक विविधता बुझब
६००. (A) विविधता केँ अव्यवस्था मात्र कहब
६०१. (D) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
६०२. (A) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
६०३. (C) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
६०४. (C) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
६०५. (A) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
६०६. (C) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
६०७. (C) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब
६०८. (D) मुद्रण, शिक्षा, संस्था, पत्रकारिता आ जन-चेतनासँ मजबूत भेल भाषा-चरण
६०९. (A) मैथिलीक सार्वजनिक विस्तार बुझब
६१०. (A) आधुनिकता केँ केवल पोशाकक बदलाव मानब

६११. (B) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
६१२. (A) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
६१३. (D) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
६१४. (D) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
६१५. (B) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
६१६. (B) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
६१७. (A) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
६१८. (D) छापाखाना, पुस्तक आ पत्रिका द्वारा पाठक-विस्तार
६१९. (C) भाषाक स्थायित्व आ प्रसार बढ़ेनाइ
६२०. (B) हस्तलिखित युगक पुनरावृत्ति मात्र
६२१. (B) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
६२२. (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाव
६२३. (C) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
६२४. (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाव
६२५. (A) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
६२६. (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाव
६२७. (D) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
६२८. (B) समाचार-पत्र आ साहित्यिक पत्रिका द्वारा भाषा-विचारक मंच
६२९. (C) नव गद्य, बहस आ रचना फैलाव
६३०. (B) पत्रिका केँ क्षणिक वस्तु मानि छोड़ब
६३१. (D) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
६३२. (A) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
६३३. (B) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
६३४. (C) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
६३५. (C) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
६३६. (B) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
६३७. (A) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
६३८. (B) विद्यालय, पाठ्यक्रम आ अध्ययनसँ भाषा-ज्ञानक फैलाव
६३९. (C) नव पाठक आ लेखक-वर्ग तैयार करब
६४०. (B) भाषा केँ घर तक सीमित राखब
६४१. (C) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
६४२. (A) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
६४३. (A) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
६४४. (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
६४५. (D) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
६४६. (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब

६४७. (A) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
६४८. (B) भाषा, समाज, जातीय चेतना आ सुधारक नव बोध
६४९. (C) मैथिलीक अस्मिता आ स्वाभिमान मजबूत करब
६५०. (B) पुरानता केँ बिना प्रश्न मानब
६५१. (D) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
६५२. (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
६५३. (A) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
६५४. (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
६५५. (A) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
६५६. (D) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
६५७. (D) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
६५८. (B) निबंध, कथा, आलोचना, पत्र, जीवनी आ समाचारक भाषा-रूप
६५९. (B) विचार आ समाजक प्रश्न स्पष्ट करब
६६०. (A) केवल गीतक भाषा पर्याप्त मानब
६६१. (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
६६२. (A) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
६६३. (D) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
६६४. (A) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
६६५. (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
६६६. (D) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
६६७. (C) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
६६८. (D) विज्ञान, समाज, राजनीति, शिक्षा, स्त्री, किसान आ प्रवासक विषय
६६९. (C) भाषाक अभिव्यक्ति-क्षेत्र बढ़ेनाइ
६७०. (A) भाषाकेँ केवल पूजा-पर्व तक सीमित करब
६७१. (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
६७२. (D) भाषा लोकतांत्रिक बनब
६७३. (A) लोक-बोलीक तिरस्कार
६७४. (D) भाषा लोकतांत्रिक बनब
६७५. (C) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
६७६. (A) भाषा लोकतांत्रिक बनब
६७७. (C) लोक-बोलीक तिरस्कार
६७८. (B) लोक-भाषाकेँ सम्मान आ साहित्यिक प्रयोगक अधिकार
६७९. (C) भाषा लोकतांत्रिक बनब
६८०. (D) लोक-बोलीक तिरस्कार
६८१. (D) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
६८२. (A) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि

६८३. (B) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
६८४. (C) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
६८५. (D) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
६८६. (A) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
६८७. (C) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
६८८. (B) अपन भाषा मे शिक्षा, प्रकाशन, प्रशासन आ मान्यताक मांग
६८९. (C) सांस्कृतिक अधिकारक स्वर दैत अछि
६९०. (C) भाषा-प्रश्न केँ गौण मानब
६९१. (D) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
६९२. (B) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
६९३. (D) पाठकक भूमिका नकारब
६९४. (C) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
६९५. (B) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
६९६. (A) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
६९७. (C) पाठकक भूमिका नकारब
६९८. (A) रचनाकेँ पढ़य, सुनय, बहस करय आ बचाबयवला समुदाय
६९९. (A) भाषाक जीवित प्रसार सुनिश्चित करब
७००. (B) पाठकक भूमिका नकारब
७०१. (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
७०२. (A) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
७०३. (C) सब बोली केँ मिटा देब
७०४. (D) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
७०५. (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
७०६. (C) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
७०७. (B) सब बोली केँ मिटा देब
७०८. (B) भाषाक वर्तनी, व्याकरण, शब्दरूप आ प्रयोगमे सहमति बनब
७०९. (B) शिक्षा, प्रकाशन आ संचारमे स्थिरता देब
७१०. (D) सब बोली केँ मिटा देब
७११. (B) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
७१२. (A) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
७१३. (B) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
७१४. (B) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
७१५. (C) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका
७१६. (D) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
७१७. (C) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
७१८. (C) शब्द लिखबाक स्वीकृत आ स्पष्ट तरीका

७१९. (A) पाठक आ लेखक बीच भ्रम घटेनाइ
७२०. (A) हर शब्द मनमाने ढंगसँ लिखब
७२१. (B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
७२२. (B) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
७२३. (B) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
७२४. (C) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
७२५. (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
७२६. (A) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
७२७. (D) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
७२८. (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ प्रयोगक नियमबद्ध विवेचन
७२९. (D) भाषाक अध्ययन आ शिक्षण मजबूत करब
७३०. (B) व्याकरण केँ दमनक औजार मात्र मानब
७३१. (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह
७३२. (D) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
७३३. (A) लोकशब्द हटायब
७३४. (B) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
७३५. (D) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह
७३६. (C) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
७३७. (B) लोकशब्द हटायब
७३८. (A) शब्द, अर्थ, प्रयोग, पर्याय आ स्रोतक संग्रह
७३९. (C) भाषा-संपदा सुरक्षित आ शिक्षण-सुलभ करब
७४०. (A) लोकशब्द हटायब
७४१. (C) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
७४२. (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
७४३. (A) जटिलता बिना क्रम देब
७४४. (D) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
७४५. (B) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
७४६. (B) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
७४७. (A) जटिलता बिना क्रम देब
७४८. (B) विद्यार्थी लेल क्रमबद्ध भाषा-पाठ
७४९. (C) नव पीढ़ीमे भाषा-कौशल बढ़ेनाइ
७५०. (D) जटिलता बिना क्रम देब
७५१. (D) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
७५२. (A) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
७५३. (A) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
७५४. (B) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब

७५५. (D) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
७५६. (B) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
७५७. (D) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
७५८. (A) अन्य भाषाक ज्ञान केँ मैथिलीमे स्वाभाविक रूप देनाइ
७५९. (C) नव शब्दावली आ ज्ञान-विस्तार करब
७६०. (C) शब्दशः कृत्रिमता थोपब
७६१. (D) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
७६२. (A) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
७६३. (C) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
७६४. (C) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
७६५. (C) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
७६६. (B) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
७६७. (C) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
७६८. (D) विज्ञान, कानून, प्रशासन आ नूतन ज्ञान लेल शब्द-निर्माण
७६९. (D) भाषाक आधुनिक क्षमता बढ़ेनाइ
७७०. (B) कठिन विषय पर भाषा मौन राखब
७७१. (D) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
७७२. (B) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
७७३. (C) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
७७४. (D) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
७७५. (B) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
७७६. (A) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
७७७. (B) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
७७८. (A) आधुनिक प्रकाशनमे व्यापक रूपेँ चलैत लिखित लिपि-रूप
७७९. (A) छपाई, शिक्षा आ डिजिटल प्रसारमे सुविधा देब
७८०. (D) मिथिलाक्षर इतिहासक नकार
७८१. (D) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
७८२. (D) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
७८३. (D) एके शैली सभ जगह थोपब
७८४. (B) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
७८५. (C) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
७८६. (A) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
७८७. (B) एके शैली सभ जगह थोपब
७८८. (B) साहित्यिक, शैक्षिक, पत्रकारितिक, बोलचाल आ प्रशासनिक शैलीक भिन्नता
७८९. (C) विषय अनुसार उपयुक्त भाषा चुनब
७९०. (D) एके शैली सभ जगह थोपब

७९१. (B) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
७९२. (A) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
७९३. (B) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
७९४. (B) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
७९५. (D) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
७९६. (C) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
७९७. (A) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
७९८. (C) पाठ, वर्तनी, भाषा-सौष्ठव आ प्रमाणक सजग सुधार
७९९. (C) प्रकाशनक गुणवत्ता बढ़ेनाइ
८००. (B) भूल ज्योंक त्यों छोड़ब
८०१. (B) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
८०२. (D) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
८०३. (C) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
८०४. (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
८०५. (A) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
८०६. (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
८०७. (B) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
८०८. (D) मैथिलीकें शिक्षा, प्रशासन, प्रकाशन आ संवैधानिक प्रतिष्ठा देबाक संगठित प्रयास
८०९. (A) भाषिक अधिकार आ अस्मिता मजबूत करब
८१०. (C) भाषा प्रश्नसँ उदासीन रहब
८११. (C) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
८१२. (C) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
८१३. (A) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
८१४. (B) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
८१५. (C) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
८१६. (A) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
८१७. (B) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
८१८. (A) समाचार, लेख, बहस आ जन-मत द्वारा भाषा-प्रयोगक विस्तार
८१९. (A) सार्वजनिक गद्य आ आधुनिक शब्दावली बनब
८२०. (B) पत्रकारिता केँ साहित्यसँ अलग करि नकारब
८२१. (D) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
८२२. (C) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
८२३. (D) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
८२४. (B) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब
८२५. (C) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
८२६. (D) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श केँ आधार देब

८२७. (C) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
८२८. (B) सभा, परिषद, अकादेमी, मंच आ पत्रिका द्वारा भाषा-संरक्षण
८२९. (C) लेखन, प्रकाशन आ विमर्श के आधार देब
८३०. (B) व्यक्तिगत प्रयासे पर्याप्त मानब
८३१. (D) भाषाके शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
८३२. (C) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
८३३. (A) मान्यता के निरर्थक कहब
८३४. (D) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
८३५. (D) भाषाके शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
८३६. (C) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
८३७. (D) मान्यता के निरर्थक कहब
८३८. (C) भाषाके शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन वा संविधानमे स्वीकृति
८३९. (C) भाषा-अधिकारक औपचारिक आधार बनब
८४०. (C) मान्यता के निरर्थक कहब
८४१. (B) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
८४२. (D) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
८४३. (C) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
८४४. (B) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
८४५. (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
८४६. (A) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
८४७. (D) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
८४८. (D) वेबसाइट, ई-पत्रिका, सामाजिक माध्यम आ यूनिकोडद्वारा भाषा-प्रसार
८४९. (B) नव पाठक आ वैश्विक पहुँच बनब
८५०. (A) डिजिटल माध्यमसँ डरि भाषा रोकब
८५१. (B) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
८५२. (B) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
८५३. (B) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
८५४. (D) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
८५५. (D) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
८५६. (A) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
८५७. (A) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
८५८. (A) डिजिटल लेखन लेल मानकीकृत अक्षर-कोड
८५९. (B) टंकण, खोज, संग्रह आ प्रकाशन सुगम करब
८६०. (D) चित्र-जेकाँ पाठ राखि खोज असम्भव करब
८६१. (B) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
८६२. (D) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण

८६३. (B) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
८६४. (A) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
८६५. (C) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
८६६. (B) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
८६७. (A) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
८६८. (D) मिथिला बाहिर रहैत लोकक भाषा-प्रयोग आ सांस्कृतिक जुड़ाव
८६९. (D) भाषाक भूगोल विस्तार आ स्मृति-संरक्षण
८७०. (B) प्रवासी प्रयोग केँ गौण मानब
८७१. (C) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
८७२. (C) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
८७३. (C) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
८७४. (D) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
८७५. (C) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
८७६. (A) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
८७७. (A) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
८७८. (D) रेडियो, चलचित्र, मंच, वीडियो आ गीतमे चलैत मैथिली
८७९. (B) श्रव्य-दृश्य माध्यमसँ भाषा फैलाब
८८०. (A) मीडिया केँ भाषा-विकाससँ असम्बद्ध मानब
८८१. (A) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
८८२. (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
८८३. (C) शोधकेँ बोझ मानब
८८४. (D) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
८८५. (D) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
८८६. (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
८८७. (B) शोधकेँ बोझ मानब
८८८. (C) विश्वविद्यालय, शोधपत्र, पाठ्यक्रम आ आलोचनामे मैथिली अध्ययन
८८९. (B) भाषा-इतिहासक प्रमाणित विवेचन करब
८९०. (C) शोधकेँ बोझ मानब
८९१. (B) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
८९२. (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
८९३. (A) केवल भावुक नारा देब
८९४. (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
८९५. (A) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ
८९६. (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
८९७. (B) केवल भावुक नारा देब
८९८. (A) लेखन, शिक्षण, अभिलेखन, बोलचाल आ तकनीकद्वारा भाषा बचेनाइ

८९९. (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी भाषा-संस्कार कायम राखब
९००. (A) केवल भावुक नारा देब
९०१. (A) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
९०२. (D) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
९०३. (A) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
९०४. (B) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
९०५. (B) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
९०६. (A) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
९०७. (D) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
९०८. (B) आरम्भिक, मध्य आ आधुनिक रूपक भेद-संग निरन्तरता देखब
९०९. (A) भाषा-विकासक पूरा कथा बनायब
९१०. (B) तीनू युग केँ एक-दोसरासँ काटब
९११. (A) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
९१२. (B) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
९१३. (C) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
९१४. (D) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
९१५. (C) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
९१६. (D) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
९१७. (A) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
९१८. (A) उद्भव, संक्रमण, मिश्रित रूप आ पुरान साक्ष्यक प्रधानता
९१९. (A) भाषा बनबाक प्रक्रिया चिन्हब
९२०. (C) आधुनिक मानक पहिलेसँ खोजब
९२१. (D) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
९२२. (C) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
९२३. (B) मध्य युग केँ शून्य मानब
९२४. (D) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
९२५. (A) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
९२६. (A) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
९२७. (A) मध्य युग केँ शून्य मानब
९२८. (C) गीत, पदावली, भक्ति, नाटक, दरबार आ लोक-प्रसारक प्रधानता
९२९. (B) भाषाक काव्यात्मक आ मंचीय विस्तार चिन्हब
९३०. (A) मध्य युग केँ शून्य मानब
९३१. (D) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
९३२. (C) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
९३३. (D) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब
९३४. (A) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब

१३५. (A) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
१३६. (C) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
१३७. (D) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब
१३८. (B) मुद्रण, गद्य, शिक्षा, संस्था, मानकीकरण आ डिजिटल प्रसार
१३९. (A) भाषाक सार्वजनिक आ शैक्षिक रूप बुझब
१४०. (A) आधुनिकता केँ केवल नयका शब्द मानब
१४१. (C) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
१४२. (C) भाषाक जीवित धारा देखब
१४३. (C) हर युग केँ पूर्ण टूटन मानब
१४४. (A) भाषाक जीवित धारा देखब
१४५. (A) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
१४६. (C) भाषाक जीवित धारा देखब
१४७. (D) हर युग केँ पूर्ण टूटन मानब
१४८. (A) युग बदलितो शब्द, लोक-स्वर, भाव आ सांस्कृतिक स्मृति चलैत रहब
१४९. (C) भाषाक जीवित धारा देखब
१५०. (D) हर युग केँ पूर्ण टूटन मानब
१५१. (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
१५२. (D) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
१५३. (A) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
१५४. (D) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
१५५. (D) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
१५६. (B) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
१५७. (C) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
१५८. (A) समाज, माध्यम, शिक्षा आ सत्ता बदललासँ भाषा-रूप बदलनाइ
१५९. (A) भाषाक गतिशीलता स्वीकार करब
१६०. (B) भाषाकेँ स्थिर वस्तु मानब
१६१. (A) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
१६२. (D) उत्तरकेँ विश्वसनीय बनायब
१६३. (D) बिना आधार दावा करब
१६४. (A) उत्तरकेँ विश्वसनीय बनायब
१६५. (C) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
१६६. (D) उत्तरकेँ विश्वसनीय बनायब
१६७. (C) बिना आधार दावा करब
१६८. (A) काल-विभाजनक प्रश्नमे पाठ, भाषा-रूप आ इतिहासक आधार देब
१६९. (B) उत्तरकेँ विश्वसनीय बनायब
१७०. (A) बिना आधार दावा करब

१७१. (D) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरासँ प्रभावित होइत अछि
१७२. (B) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
१७३. (D) भाषा आ साहित्य केँ पूर्ण अलग करब
१७४. (D) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
१७५. (C) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरासँ प्रभावित होइत अछि
१७६. (A) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
१७७. (C) भाषा आ साहित्य केँ पूर्ण अलग करब
१७८. (D) भाषाक रूप आ साहित्यिक विधा एक-दोसरासँ प्रभावित होइत अछि
१७९. (D) विकासक संयुक्त अध्ययन करब
१८०. (A) भाषा आ साहित्य केँ पूर्ण अलग करब
१८१. (A) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
१८२. (C) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
१८३. (C) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
१८४. (D) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
१८५. (D) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
१८६. (D) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
१८७. (D) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
१८८. (B) लोक-प्रयोग भाषा केँ जीवन दैत अछि, संस्था ओकर संरक्षण आ विस्तार करैत अछि
१८९. (A) दुनू शक्तिक संतुलन बुझब
१९०. (A) केवल संस्था वा केवल लोक पर निर्भर रहब
१९१. (A) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
१९२. (B) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
१९३. (C) कट्टर सरलीकरण करब
१९४. (A) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
१९५. (C) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
१९६. (A) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
१९७. (C) कट्टर सरलीकरण करब
१९८. (C) काल-विभाजन केँ सुविधा मानि, प्रमाण आ अपवाद दुनू पर ध्यान
१९९. (D) संतुलित इतिहास-बोध विकसित करब
१०००. (A) कट्टर सरलीकरण करब

अध्याय ३ : मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि क्विज | Videha QUIZ

0

१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
- (C) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (D) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब

२. 'पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
- (D) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब

३. 'पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
- (C) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
- (D) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार

४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (B) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
- (C) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

५. परीक्षामे 'पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
- (C) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (D) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब

६. 'पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
- (D) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार

७. 'पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (D) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ

८. विद्यार्थी 'पृष्ठभूमि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (B) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ

९. 'पृष्ठभूमि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (B) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब

१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
- (C) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
- (D) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ

११. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'धार्मिक धरातल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (B) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (C) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

१२. 'धार्मिक धरातल' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (D) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव

१३. 'धार्मिक धरातल' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (B) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (C) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

१४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'धार्मिक धरातल' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (B) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब

१५. परीक्षामे 'धार्मिक धरातल' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (D) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब

१६. 'धार्मिक धरातल' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (B) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (C) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

१७. 'धार्मिक धरातल' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) धर्मकें मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (B) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (C) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

१८. विद्यार्थी 'धार्मिक धरातल' केँ कोना चिन्हत?

- (A) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) धर्मकें मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (D) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव

१९. 'धार्मिक धरातल' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (B) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (C) धर्मकें मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'धार्मिक धरातल'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
- (B) धर्मकें मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
- (C) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
- (D) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब

२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'आर्थिक धरातल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (C) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
- (D) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ

२२. 'आर्थिक धरातल' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (B) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
- (C) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

२३. 'आर्थिक धरातल' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (B) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
- (C) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

२४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'आर्थिक धरातल' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (C) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
- (D) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब

२५. परीक्षामे 'आर्थिक धरातल' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (C) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
- (D) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ

२६. 'आर्थिक धरातल' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
- (B) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
- (C) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

२७. 'आर्थिक धरातल' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (C) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
- (D) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब

२८. विद्यार्थी 'आर्थिक धरातल' केँ कोना चिन्हत?

- (A) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
- (B) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब

२९. 'आर्थिक धरातल' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
- (C) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (D) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ

३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'आर्थिक धरातल'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
- (D) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब

३१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'सामाजिक धरातल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (B) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
- (C) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

३२. 'सामाजिक धरातल' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) साहित्यक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (D) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम

३३. 'सामाजिक धरातल' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (D) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब

३४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'सामाजिक धरातल' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (D) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ

३५. परीक्षामे 'सामाजिक धरातल' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
- (B) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (C) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

३६. 'सामाजिक धरातल' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (D) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम

३७. 'सामाजिक धरातल' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
- (D) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ

३८. विद्यार्थी 'सामाजिक धरातल' केँ कोना चिन्हत?

- (A) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (B) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
- (C) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

३९. 'सामाजिक धरातल' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
- (C) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (D) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब

४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'सामाजिक धरातल'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) साहित्यिक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
- (D) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम

४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'सांस्कृतिक धरातल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (B) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब

४२. 'सांस्कृतिक धरातल' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (C) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब
- (D) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार

४३. 'सांस्कृतिक धरातल' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब
- (B) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब

४४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'सांस्कृतिक धरातल' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (D) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब

४५. परीक्षामे 'सांस्कृतिक धरातल' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (C) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (D) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब

४६. 'सांस्कृतिक धरातल' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (B) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (C) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब
- (D) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब

४७. 'सांस्कृतिक धरातल' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब
- (B) धर्मकें एकरूप मानब
- (C) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (D) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार

४८. विद्यार्थी 'सांस्कृतिक धरातल' कें कोना चिन्हत?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब
- (B) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (C) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

४९. 'सांस्कृतिक धरातल' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) मैथिली साहित्यिक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
- (C) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (D) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब

५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'सांस्कृतिक धरातल'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मात्र मानब
- (C) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
- (D) मैथिली साहित्यिक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब

५१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोक आ शिष्ट संवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब
- (B) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
- (C) मैथिली साहित्यिक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

५२. 'लोक आ शिष्ट संवाद' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली साहित्यिक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब
- (D) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल

५३. 'लोक आ शिष्ट संवाद' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिली साहित्यिक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (B) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
- (C) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

५४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'लोक आ शिष्ट संवाद' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब
- (B) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (C) मैथिली साहित्यिक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (D) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल

५५. परीक्षामे 'लोक आ शिष्ट संवाद' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) मैथिली साहित्यिक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (D) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब

५६. 'लोक आ शिष्ट संवाद' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) मैथिली साहित्यिक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
- (D) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब

५७. 'लोक आ शिष्ट संवाद' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब
- (B) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
- (C) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

५८. विद्यार्थी 'लोक आ शिष्ट संवाद' कें कोना चिन्हत?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब
- (C) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
- (D) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ

५९. 'लोक आ शिष्ट संवाद' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (C) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
- (D) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब

६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोक आ शिष्ट संवाद'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
- (B) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (C) लोककें अशिक्षित आ शिष्टकें मात्र श्रेष्ठ मानब
- (D) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल

६१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'भाषिक परिवेश'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (B) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब

६२. 'भाषिक परिवेश' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
- (B) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब

६३. 'भाषिक परिवेश' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
- (D) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब

६४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'भाषिक परिवेश' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (B) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
- (C) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
- (D) केवल कृति-नाम रटब

६५. परीक्षामे 'भाषिक परिवेश' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (B) धर्मकें एकरूप मानब
- (C) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
- (D) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप

६६. 'भाषिक परिवेश' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (B) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
- (C) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (D) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब

६७. 'भाषिक परिवेश' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
- (B) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
- (C) धर्मकें एकरूप मानब
- (D) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब

६८. विद्यार्थी 'भाषिक परिवेश' कें कोना चिन्हत?

- (A) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
- (D) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब

६९. 'भाषिक परिवेश' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (C) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
- (D) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप

७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'भाषिक परिवेश'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
- (D) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप

७१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'इतिहास-बोध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
- (B) कृति कें समयसँ बाहर मानब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) कृति कें युग-चेतना संग जोड़ब

७२. 'इतिहास-बोध' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) कृति कें समयसँ बाहर मानब
- (B) कृति कें युग-चेतना संग जोड़ब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब

७३. 'इतिहास-बोध' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
- (B) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) कृति केँ समयसँ बाहर मानब

७४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'इतिहास-बोध' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
- (B) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
- (C) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (D) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब

७५. परीक्षामे 'इतिहास-बोध' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
- (B) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
- (C) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

७६. 'इतिहास-बोध' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
- (D) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब

७७. 'इतिहास-बोध' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
- (C) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
- (D) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब

७८. विद्यार्थी 'इतिहास-बोध' केँ कोना चिन्हत?

- (A) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
- (D) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब

७९. 'इतिहास-बोध' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
- (C) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
- (D) कृति केँ समयसँ बाहर मानब

८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'इतिहास-बोध'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
- (B) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
- (C) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'स्रोत-पद्धति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (D) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब

८२. 'स्रोत-पद्धति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
- (D) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब

८३. 'स्रोत-पद्धति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (D) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब

८४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'स्रोत-पद्धति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (C) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
- (D) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब

८५. परीक्षामे 'स्रोत-पद्धति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
- (C) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (D) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब

८६. 'स्रोत-पद्धति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (D) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब

८७. 'स्रोत-पद्धति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
- (C) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
- (D) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब

८८. विद्यार्थी 'स्रोत-पद्धति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
- (B) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब

८९. 'स्रोत-पद्धति' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) उत्तरकें अधिक विश्वसनीय बनायब
- (C) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (D) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब

९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'स्रोत-पद्धति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
- (D) उत्तरकें अधिक विश्वसनीय बनायब

९१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'समग्र दृष्टि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) साहित्यिक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (C) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति कें अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

९२. 'समग्र दृष्टि' साहित्य बुझबामे कि एक उपयोगी अछि?

- (A) साहित्यिक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (B) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति कें अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

९३. 'समग्र दृष्टि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (C) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति कें अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
- (D) साहित्यिक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब

९४. पृष्ठभूमि-अध्ययनक आधारक सन्दर्भमे 'समग्र दृष्टि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति कें अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
- (C) साहित्यिक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

९५. परीक्षामे 'समग्र दृष्टि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) साहित्यिक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (B) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (C) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति कें अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब

९६. 'समग्र दृष्टि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति कें अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) साहित्यिक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब

९७. 'समग्र दृष्टि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (B) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति केँ अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

९८. विद्यार्थी 'समग्र दृष्टि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति केँ अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब

९९. 'समग्र दृष्टि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति केँ अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
- (C) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

१००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'समग्र दृष्टि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
- (D) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति केँ अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब

1

१०१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'शैव परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शिव-सन्दर्भकेँ केवल मंदिरक विषय मानब
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
- (D) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति

१०२. 'शैव परम्परा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
- (B) शिव-सन्दर्भकेँ केवल मंदिरक विषय मानब
- (C) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (D) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति

१०३. 'शैव परम्परा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
- (B) शिव-सन्दर्भकेँ केवल मंदिरक विषय मानब
- (C) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

१०४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'शैव परम्परा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
- (B) शिव-सन्दर्भकेँ केवल मंदिरक विषय मानब
- (C) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (D) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब

१०५. परीक्षामे 'शैव परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब
- (B) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
- (C) संस्कृतिके सजावट मानब
- (D) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब

१०६. 'शैव परम्परा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
- (D) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब

१०७. 'शैव परम्परा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब
- (B) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति

१०८. विद्यार्थी 'शैव परम्परा' के कोना चिन्हत?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
- (C) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
- (D) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब

१०९. 'शैव परम्परा' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
- (B) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
- (C) संस्कृतिके सजावट मानब
- (D) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब

११०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'शैव परम्परा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
- (B) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब

१११. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'शाक्त परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) देवी-विषयके केवल पौराणिक सूची मानब
- (B) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव

११२. 'शाक्त परम्परा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (B) देवी-विषयके केवल पौराणिक सूची मानब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव

११३. 'शाक्त परम्परा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (B) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

११४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'शाक्त परम्परा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (B) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव

११५. परीक्षामे 'शाक्त परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव

११६. 'शाक्त परम्परा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव

११७. 'शाक्त परम्परा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव
- (B) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब

११८. विद्यार्थी 'शाक्त परम्परा' कें कोना चिन्हत?

- (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (B) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव
- (C) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

११९. 'शाक्त परम्परा' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
- (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव

१२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'शाक्त परम्परा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव
- (B) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (C) देवी-विषयकें केवल पौराणिक सूची मानब
- (D) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब

१२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'वैष्णव भक्ति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब
- (C) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (D) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा

१२२. 'वैष्णव भक्ति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (C) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब
- (D) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा

१२३. 'वैष्णव भक्ति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (D) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब

१२४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'वैष्णव भक्ति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (D) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा

१२५. परीक्षामे 'वैष्णव भक्ति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (B) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
- (C) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

१२६. 'वैष्णव भक्ति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
- (B) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (C) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (D) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब

१२७. 'वैष्णव भक्ति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब
- (D) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा

१२८. विद्यार्थी 'वैष्णव भक्ति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
- (D) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब

१२९. 'वैष्णव भक्ति' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब
- (D) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब

१३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'वैष्णव भक्ति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
- (C) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
- (D) भक्तिकेँ केवल उपदेश मानब

१३१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'तान्त्रिक प्रभाव'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (B) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
- (C) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

१३२. 'तान्त्रिक प्रभाव' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (C) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
- (D) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण

१३३. 'तान्त्रिक प्रभाव' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (D) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब

१३४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'तान्त्रिक प्रभाव' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
- (D) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब

१३५. परीक्षामे 'तान्त्रिक प्रभाव' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
- (B) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
- (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

१३६. 'तान्त्रिक प्रभाव' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
- (D) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब

१३७. 'तान्त्रिक प्रभाव' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (D) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब

१३८. विद्यार्थी 'तान्त्रिक प्रभाव' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (C) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
- (D) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण

१३९. 'तान्त्रिक प्रभाव' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (D) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब

१४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'तान्त्रिक प्रभाव'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
- (D) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण

१४१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'पुराण-कथा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
- (D) पुराणकेँ केवल पुरान बात कहब

१४२. 'पुराण-कथा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) पुराणकेँ केवल पुरान बात कहब
- (D) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत

१४३. 'पुराण-कथा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (B) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) पुराणकेँ केवल पुरान बात कहब

१४४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'पुराण-कथा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (C) पुराणकेँ केवल पुरान बात कहब
- (D) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत

१४५. परीक्षामे 'पुराण-कथा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
- (B) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
- (C) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

१४६. 'पुराण-कथा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (C) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
- (D) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत

१४७. 'पुराण-कथा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
- (D) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब

१४८. विद्यार्थी 'पुराण-कथा' कें कोना चिन्हत?

- (A) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
- (D) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब

१४९. 'पुराण-कथा' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
- (C) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (D) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत

१५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'पुराण-कथा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
- (C) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
- (D) पुराणकें केवल पुरान बात कहब

१५१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'व्रत-कथा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) व्रत-कथाकें महत्वहीन घरेलू बात मानब
- (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ

१५२. 'व्रत-कथा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) व्रत-कथाकें महत्वहीन घरेलू बात मानब
- (B) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (C) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ

१५३. 'व्रत-कथा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (C) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब
- (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ

१५४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'व्रत-कथा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब
- (C) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ

१५५. परीक्षामे 'व्रत-कथा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब
- (C) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
- (D) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन

१५६. 'व्रत-कथा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
- (C) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (D) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब

१५७. 'व्रत-कथा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (C) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
- (D) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब

१५८. विद्यार्थी 'व्रत-कथा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (B) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
- (C) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (D) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब

१५९. 'व्रत-कथा' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ

१६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'व्रत-कथा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) व्रत-कथाकेँ महत्वहीन घरेलू बात मानब
- (C) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
- (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ

१६१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोकदेवता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
- (B) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (C) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (D) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब

१६२. 'लोकदेवता' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
- (B) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब

१६३. 'लोकदेवता' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (C) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (D) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब

१६४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'लोकदेवता' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (B) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (C) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

१६५. परीक्षामे 'लोकदेवता' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (B) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (C) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (D) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब

१६६. 'लोकदेवता' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
- (B) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (C) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

१६७. 'लोकदेवता' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
- (C) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (D) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था

१६८. विद्यार्थी 'लोकदेवता' कें कोना चिन्हत?

- (A) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (B) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (C) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (D) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब

१६१. 'लोकदेवता' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) लोकदेवताकेँ शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (C) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
- (D) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब

१७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोकदेवता'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोकदेवताकेँ शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
- (B) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था

१७१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'कीर्तन परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) काव्यिक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (B) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब
- (C) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

१७२. 'कीर्तन परम्परा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (C) काव्यिक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (D) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब

१७३. 'कीर्तन परम्परा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) काव्यिक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब
- (D) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप

१७४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'कीर्तन परम्परा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काव्यिक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (D) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब

१७५. परीक्षामे 'कीर्तन परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) काव्यिक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (B) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (C) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

१७६. 'कीर्तन परम्परा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब
- (B) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (C) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (D) काव्यिक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब

१७७. 'कीर्तन परम्परा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (C) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (D) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब

१७८. विद्यार्थी 'कीर्तन परम्परा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब
- (C) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (D) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब

१७९. 'कीर्तन परम्परा' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (C) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (D) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब

१८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'कीर्तन परम्परा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
- (B) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
- (C) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

१८१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'धर्म आ नैतिकता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
- (D) नैतिकताकेँ उपदेश मात्र मानब

१८२. 'धर्म आ नैतिकता' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
- (B) नैतिकताकेँ उपदेश मात्र मानब
- (C) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

१८३. 'धर्म आ नैतिकता' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) नैतिकताकेँ उपदेश मात्र मानब
- (D) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार

१८४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'धर्म आ नैतिकता' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) नैतिकताकेँ उपदेश मात्र मानब
- (B) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
- (C) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (D) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार

१८५. परीक्षामे 'धर्म आ नैतिकता' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (B) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) नैतिकताकें उपदेश मात्र मानब

१८६. 'धर्म आ नैतिकता' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (B) नैतिकताकें उपदेश मात्र मानब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब

१८७. 'धर्म आ नैतिकता' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) नैतिकताकें उपदेश मात्र मानब
- (C) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (D) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब

१८८. विद्यार्थी 'धर्म आ नैतिकता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) नैतिकताकें उपदेश मात्र मानब
- (B) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब

१८९. 'धर्म आ नैतिकता' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (C) नैतिकताकें उपदेश मात्र मानब
- (D) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब

१९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'धर्म आ नैतिकता'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
- (D) नैतिकताकें उपदेश मात्र मानब

१९१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'धार्मिक बहुलता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (D) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व

१९२. 'धार्मिक बहुलता' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (C) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
- (D) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व

१९३. 'धार्मिक बहुलता' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
- (D) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब

१९४. धार्मिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'धार्मिक बहुलता' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
- (B) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व

१९५. परीक्षामे 'धार्मिक बहुलता' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (B) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब

१९६. 'धार्मिक बहुलता' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
- (C) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
- (D) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब

१९७. 'धार्मिक बहुलता' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
- (B) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (C) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

१९८. विद्यार्थी 'धार्मिक बहुलता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
- (C) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (D) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व

१९९. 'धार्मिक बहुलता' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
- (B) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब

२००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'धार्मिक बहुलता'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
- (C) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
- (D) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व

२०१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'कृषि-जीवन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब
- (B) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (C) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

२०२. 'कृषि-जीवन' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (D) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब

२०३. 'कृषि-जीवन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
- (D) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब

२०४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'कृषि-जीवन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) धर्मकें एकरूप मानब
- (B) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब
- (C) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (D) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब

२०५. परीक्षामे 'कृषि-जीवन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (B) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
- (C) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

२०६. 'कृषि-जीवन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
- (D) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब

२०७. 'कृषि-जीवन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (C) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब
- (D) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब

२०८. विद्यार्थी 'कृषि-जीवन' कें कोना चिन्हत?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
- (C) खेतीकें साहित्यक बाहरी बात मानब
- (D) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल

२०९. 'कृषि-जीवन' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
- (D) खेतीकेँ साहित्यिक बाहरी बात मानब

२१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'कृषि-जीवन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) खेतीकेँ साहित्यिक बाहरी बात मानब
- (D) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल

२११. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'श्रम-संस्कृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) श्रमकेँ केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (D) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब

२१२. 'श्रम-संस्कृति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
- (D) श्रमकेँ केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब

२१३. 'श्रम-संस्कृति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
- (B) श्रमकेँ केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (C) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (D) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव

२१४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'श्रम-संस्कृति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) श्रमकेँ केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (D) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब

२१५. परीक्षामे 'श्रम-संस्कृति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
- (B) श्रमकेँ केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (C) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

२१६. 'श्रम-संस्कृति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (B) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
- (C) श्रमकेँ केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

२१७. 'श्रम-संस्कृति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) श्रमकें केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (D) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब

२१८. विद्यार्थी 'श्रम-संस्कृति' कें कोना चिन्हत?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
- (C) श्रमकें केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (D) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव

२१९. 'श्रम-संस्कृति' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) श्रमकें केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (B) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
- (C) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

२२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'श्रम-संस्कृति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
- (B) श्रमकें केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
- (C) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२२१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'जमींदारी व्यवस्था'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (B) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
- (C) जमींदारीकें केवल राजकीय शब्द मानब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

२२२. 'जमींदारी व्यवस्था' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
- (B) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) जमींदारीकें केवल राजकीय शब्द मानब

२२३. 'जमींदारी व्यवस्था' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (B) जमींदारीकें केवल राजकीय शब्द मानब
- (C) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

२२४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'जमींदारी व्यवस्था' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
- (B) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (C) धर्मकें एकरूप मानब
- (D) जमींदारीकें केवल राजकीय शब्द मानब

२२५. परीक्षामे 'जमींदारी व्यवस्था' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (B) जमींदारीकेँ केवल राजकीय शब्द मानब
- (C) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

२२६. 'जमींदारी व्यवस्था' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (B) जमींदारीकेँ केवल राजकीय शब्द मानब
- (C) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (D) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा

२२७. 'जमींदारी व्यवस्था' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) जमींदारीकेँ केवल राजकीय शब्द मानब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (D) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा

२२८. विद्यार्थी 'जमींदारी व्यवस्था' केँ कोना चिन्हत?

- (A) जमींदारीकेँ केवल राजकीय शब्द मानब
- (B) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (C) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

२२९. 'जमींदारी व्यवस्था' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
- (B) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (C) जमींदारीकेँ केवल राजकीय शब्द मानब
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

२३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'जमींदारी व्यवस्था'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) जमींदारीकेँ केवल राजकीय शब्द मानब
- (D) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा

२३१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'अभाव-बोध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (B) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव

२३२. 'अभाव-बोध' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब

२३३. 'अभाव-बोध' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव

२३४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'अभाव-बोध' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव

२३५. परीक्षामे 'अभाव-बोध' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
- (B) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

२३६. 'अभाव-बोध' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब

२३७. 'अभाव-बोध' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
- (B) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

२३८. विद्यार्थी 'अभाव-बोध' केँ कोना चिन्हत?

- (A) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव

२३९. 'अभाव-बोध' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
- (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
- (D) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब

२४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'अभाव-बोध'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
- (C) अभावकेँ निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
- (D) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब

२४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'दान-दक्षिणा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (B) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब

२४२. 'दान-दक्षिणा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (B) धर्मकें एकरूप मानब
- (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (D) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब

२४३. 'दान-दक्षिणा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब
- (B) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

२४४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'दान-दक्षिणा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (B) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब

२४५. परीक्षामे 'दान-दक्षिणा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (D) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब

२४६. 'दान-दक्षिणा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब
- (D) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब

२४७. 'दान-दक्षिणा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब
- (B) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (D) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार

२४८. विद्यार्थी 'दान-दक्षिणा' कें कोना चिन्हत?

- (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (B) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब
- (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (D) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब

२४९. 'दान-दक्षिणा' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (D) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब

२५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'दान-दक्षिणा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
- (B) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब

२५१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'कारीगरी'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
- (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (C) कारीगरीकें साहित्यिक विषय नमानब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

२५२. 'कारीगरी' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) कारीगरीकें साहित्यिक विषय नमानब
- (B) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
- (C) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

२५३. 'कारीगरी' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) कारीगरीकें साहित्यिक विषय नमानब
- (C) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
- (D) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा

२५४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'कारीगरी' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कारीगरीकें साहित्यिक विषय नमानब
- (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (C) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

२५५. परीक्षामे 'कारीगरी' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (C) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
- (D) कारीगरीकें साहित्यिक विषय नमानब

२५६. 'कारीगरी' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
- (C) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (D) कारीगरीकें साहित्यिक विषय नमानब

२५७. 'कारीगरी' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (C) कारीगरीकेँ साहित्यिक विषय नमानब
- (D) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब

२५८. विद्यार्थी 'कारीगरी' केँ कोना चिन्हत?

- (A) कारीगरीकेँ साहित्यिक विषय नमानब
- (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब

२५९. 'कारीगरी' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) कारीगरीकेँ साहित्यिक विषय नमानब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
- (D) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा

२६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'कारीगरी'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) कारीगरीकेँ साहित्यिक विषय नमानब
- (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब

२६१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'हाट-बजार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) बजारकेँ केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (C) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
- (D) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब

२६२. 'हाट-बजार' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
- (B) बजारकेँ केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब

२६३. 'हाट-बजार' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) बजारकेँ केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (B) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
- (C) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

२६४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'हाट-बजार' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) बजारकेँ केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (C) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
- (D) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान

२६५. परीक्षामे 'हाट-बजार' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) बजारकें केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
- (D) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान

२६६. 'हाट-बजार' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
- (D) बजारकें केवल व्यापारिक ठाम मानब

२६७. 'हाट-बजार' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
- (D) बजारकें केवल व्यापारिक ठाम मानब

२६८. विद्यार्थी 'हाट-बजार' कें कोना चिन्हत?

- (A) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
- (B) बजारकें केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (C) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

२६९. 'हाट-बजार' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) बजारकें केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (B) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब

२७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'हाट-बजार'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) बजारकें केवल व्यापारिक ठाम मानब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
- (D) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान

२७१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'प्रवास'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (C) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (D) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब

२७२. 'प्रवास' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (C) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (D) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब

२७३. 'प्रवास' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब
- (B) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ

२७४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'प्रवास' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब
- (B) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (C) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२७५. परीक्षामे 'प्रवास' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (B) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब

२७६. 'प्रवास' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (B) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब
- (C) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२७७. 'प्रवास' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (B) धर्मकें एकरूप मानब
- (C) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (D) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब

२७८. विद्यार्थी 'प्रवास' कें कोना चिन्हत?

- (A) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब
- (B) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (C) धर्मकें एकरूप मानब
- (D) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ

२७९. 'प्रवास' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब
- (B) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (C) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (D) संस्कृतिकें सजावट मानब

२८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'प्रवास'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
- (D) प्रवासकें केवल भूगोल बदलनाइ मानब

२८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'आर्थिक असमानता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (B) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
- (C) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

२८२. 'आर्थिक असमानता' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
- (D) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन

२८३. 'आर्थिक असमानता' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
- (B) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ

२८४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'आर्थिक असमानता' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
- (B) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ

२८५. परीक्षामे 'आर्थिक असमानता' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
- (C) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (D) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब

२८६. 'आर्थिक असमानता' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
- (C) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (D) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब

२८७. 'आर्थिक असमानता' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
- (D) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब

२८८. विद्यार्थी 'आर्थिक असमानता' केँ कोना चिन्हत?

- (A) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
- (B) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (C) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

२८९. 'आर्थिक असमानता' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
- (B) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ

२९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'आर्थिक असमानता'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
- (B) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
- (C) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

२९१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'आत्मनिर्भर लोकजीवन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
- (C) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (D) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार

२९२. 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' साहित्य बुझबामे कि एक उपयोगी अछि?

- (A) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (B) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (C) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

२९३. 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
- (C) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (D) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार

२९४. आर्थिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (C) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (D) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब

२९५. परीक्षामे 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (B) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
- (C) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (D) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब

२९६. 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (C) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (D) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब

२९७. 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (D) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब

२९८. विद्यार्थी 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
- (B) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब

२९९. 'आत्मनिर्भर लोकजीवन' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
- (C) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (D) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब

३००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'आत्मनिर्भर लोकजीवन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
- (C) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
- (D) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब

3

३०१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'संयुक्त परिवार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) परिवारकेँ केवल निजी बात मानब
- (C) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
- (D) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना

३०२. 'संयुक्त परिवार' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (B) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) परिवारकेँ केवल निजी बात मानब

३०३. 'संयुक्त परिवार' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) परिवारकेँ केवल निजी बात मानब
- (B) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
- (C) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

३०४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'संयुक्त परिवार' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) परिवारकेँ केवल निजी बात मानब
- (C) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (D) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब

३०५. परीक्षामे 'संयुक्त परिवार' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (B) परिवारकें केवल निजी बात मानब
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब

३०६. 'संयुक्त परिवार' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
- (C) परिवारकें केवल निजी बात मानब
- (D) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना

३०७. 'संयुक्त परिवार' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (C) परिवारकें केवल निजी बात मानब
- (D) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब

३०८. विद्यार्थी 'संयुक्त परिवार' कें कोना चिन्हत?

- (A) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
- (B) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (C) परिवारकें केवल निजी बात मानब
- (D) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब

३०९. 'संयुक्त परिवार' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
- (C) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (D) परिवारकें केवल निजी बात मानब

३१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'संयुक्त परिवार'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) परिवारकें केवल निजी बात मानब
- (D) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब

३११. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'नातेदारी'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (D) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब

३१२. 'नातेदारी' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
- (B) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
- (C) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

३१३. 'नातेदारी' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (C) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
- (D) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब

३१४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'नातेदारी' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (B) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
- (C) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

३१५. परीक्षामे 'नातेदारी' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
- (D) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल

३१६. 'नातेदारी' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (B) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब

३१७. 'नातेदारी' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
- (B) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब

३१८. विद्यार्थी 'नातेदारी' केँ कोना चिन्हत?

- (A) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (D) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब

३१९. 'नातेदारी' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (D) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब

३२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'नातेदारी'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
- (C) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
- (D) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब

३२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'जाति-संरचना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (D) जाति-विषयक जटिलता नकारब

३२२. 'जाति-संरचना' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) जाति-विषयक जटिलता नकारब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (D) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब

३२३. 'जाति-संरचना' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (B) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) जाति-विषयक जटिलता नकारब

३२४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'जाति-संरचना' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) जाति-विषयक जटिलता नकारब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (D) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा

३२५. परीक्षामे 'जाति-संरचना' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (B) जाति-विषयक जटिलता नकारब
- (C) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

३२६. 'जाति-संरचना' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (D) जाति-विषयक जटिलता नकारब

३२७. 'जाति-संरचना' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (D) जाति-विषयक जटिलता नकारब

३२८. विद्यार्थी 'जाति-संरचना' केँ कोना चिन्हत?

- (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (B) जाति-विषयक जटिलता नकारब
- (C) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

३२९. 'जाति-संरचना' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) साहित्यिक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) जाति-विषयक जटिलता नकारब
- (D) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा

३३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'जाति-संरचना'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
- (B) जाति-विषयक जटिलता नकारब
- (C) साहित्यिक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

३३१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'स्त्री-अनुभव'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
- (B) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (C) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

३३२. 'स्त्री-अनुभव' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
- (B) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब

३३३. 'स्त्री-अनुभव' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
- (C) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (D) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब

३३४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'स्त्री-अनुभव' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (C) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (D) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब

३३५. परीक्षामे 'स्त्री-अनुभव' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
- (C) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (D) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन

३३६. 'स्त्री-अनुभव' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (D) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब

३३७. 'स्त्री-अनुभव' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
- (C) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (D) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन

३३८. विद्यार्थी 'स्त्री-अनुभव' केँ कोना चिन्हत?

- (A) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (B) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब

३३९. 'स्त्री-अनुभव' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
- (B) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (C) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

३४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'स्त्री-अनुभव'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
- (D) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब

३४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'विवाह-संस्कार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (B) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (C) विवाहकेँ केवल घटना मानब
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

३४२. 'विवाह-संस्कार' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) विवाहकेँ केवल घटना मानब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (D) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ

३४३. 'विवाह-संस्कार' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (B) विवाहकेँ केवल घटना मानब
- (C) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

३४४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'विवाह-संस्कार' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (B) विवाहकेँ केवल घटना मानब
- (C) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

३४५. परीक्षामे 'विवाह-संस्कार' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) विवाहकें केवल घटना मानब
- (C) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (D) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन

३४६. 'विवाह-संस्कार' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (B) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) विवाहकें केवल घटना मानब

३४७. 'विवाह-संस्कार' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (B) विवाहकें केवल घटना मानब
- (C) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

३४८. विद्यार्थी 'विवाह-संस्कार' कें कोना चिन्हत?

- (A) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (B) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (C) विवाहकें केवल घटना मानब
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

३४९. 'विवाह-संस्कार' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) विवाहकें केवल घटना मानब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (D) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ

३५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'विवाह-संस्कार'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
- (B) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
- (C) विवाहकें केवल घटना मानब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

३५१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'ग्राम-समुदाय'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
- (D) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन

३५२. 'ग्राम-समुदाय' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
- (B) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (C) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

३५३. 'ग्राम-समुदाय' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (B) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब

३५४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'ग्राम-समुदाय' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (D) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब

३५५. परीक्षामे 'ग्राम-समुदाय' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (C) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
- (D) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब

३५६. 'ग्राम-समुदाय' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
- (C) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (D) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब

३५७. 'ग्राम-समुदाय' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
- (B) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन

३५८. विद्यार्थी 'ग्राम-समुदाय' कें कोना चिन्हत?

- (A) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
- (B) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
- (C) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

३५९. 'ग्राम-समुदाय' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
- (B) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब

३६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'ग्राम-समुदाय'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
- (B) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब

३६१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'शिक्षा-संरचना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
- (D) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय

३६२. 'शिक्षा-संरचना' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
- (D) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय

३६३. 'शिक्षा-संरचना' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (B) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
- (C) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
- (D) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय

३६४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'शिक्षा-संरचना' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
- (B) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय

३६५. परीक्षामे 'शिक्षा-संरचना' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
- (B) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
- (C) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
- (D) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब

३६६. 'शिक्षा-संरचना' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
- (B) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब

३६७. 'शिक्षा-संरचना' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
- (B) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब

३६८. विद्यार्थी 'शिक्षा-संरचना' केँ कोना चिन्हत?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
- (C) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
- (D) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब

३६९. 'शिक्षा-संरचना' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) शिक्षाक कथासँ असम्बद्ध मानब
- (B) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
- (C) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
- (D) केवल कृति-नाम रटब

३७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'शिक्षा-संरचना'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) शिक्षाक कथासँ असम्बद्ध मानब
- (D) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब

३७१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोक-नियम'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकनियमक भूमिका नकारब
- (B) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (C) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

३७२. 'लोक-नियम' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (B) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (C) लोकनियमक भूमिका नकारब
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

३७३. 'लोक-नियम' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (D) लोकनियमक भूमिका नकारब

३७४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'लोक-नियम' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) लोकनियमक भूमिका नकारब
- (D) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब

३७५. परीक्षामे 'लोक-नियम' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (D) लोकनियमक भूमिका नकारब

३७६. 'लोक-नियम' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) लोकनियमक भूमिका नकारब
- (D) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब

३७७. 'लोक-नियम' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोकनियमक भूमिका नकारब
- (B) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (C) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

३७८. विद्यार्थी 'लोक-नियम' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) लोकनियमक भूमिका नकारब
- (D) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन

३७९. 'लोक-नियम' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
- (B) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) लोकनियमक भूमिका नकारब

३८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोक-नियम'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
- (B) लोकनियमक भूमिका नकारब
- (C) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (D) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन

३८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'हाशिया-समुदाय'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (C) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
- (D) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ

३८२. 'हाशिया-समुदाय' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (C) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
- (D) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ

३८३. 'हाशिया-समुदाय' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
- (B) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
- (C) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

३८४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'हाशिया-समुदाय' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
- (C) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
- (D) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब

३८५. परीक्षामे 'हाशिया-समुदाय' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
- (C) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (D) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ

३८६. 'हाशिया-समुदाय' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (D) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक

३८७. 'हाशिया-समुदाय' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (D) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक

३८८. विद्यार्थी 'हाशिया-समुदाय' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (B) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक

३८९. 'हाशिया-समुदाय' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब
- (B) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
- (C) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

३९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'हाशिया-समुदाय'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
- (B) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) केवल प्रभुवर्गक कथा केँ इतिहास मानब

३९१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'सामाजिक परिवर्तन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (B) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (C) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

३९२. 'सामाजिक परिवर्तन' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (D) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव

३९३. 'सामाजिक परिवर्तन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (C) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (D) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव

३९४. सामाजिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'सामाजिक परिवर्तन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (B) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब

३९५. परीक्षामे 'सामाजिक परिवर्तन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
- (B) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (C) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (D) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब

३९६. 'सामाजिक परिवर्तन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (D) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव

३९७. 'सामाजिक परिवर्तन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
- (D) बदलावकेँ केवल पतन कहब

३९८. विद्यार्थी 'सामाजिक परिवर्तन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (D) बदलावकेँ केवल पतन कहब

३९९. 'सामाजिक परिवर्तन' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
- (B) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (C) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

४००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'सामाजिक परिवर्तन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
- (B) बदलावकेँ केवल पतन कहब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब

४०१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'संस्कार-परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) संस्कारकें केवल रस्म मानब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
- (D) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब

४०२. 'संस्कार-परम्परा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (B) संस्कारकें केवल रस्म मानब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम

४०३. 'संस्कार-परम्परा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (C) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
- (D) संस्कारकें केवल रस्म मानब

४०४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'संस्कार-परम्परा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संस्कारकें केवल रस्म मानब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (D) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम

४०५. परीक्षामे 'संस्कार-परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
- (B) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) संस्कारकें केवल रस्म मानब

४०६. 'संस्कार-परम्परा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) संस्कारकें केवल रस्म मानब
- (B) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब

४०७. 'संस्कार-परम्परा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
- (C) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (D) संस्कारकें केवल रस्म मानब

४०८. विद्यार्थी 'संस्कार-परम्परा' कें कोना चिन्हत?

- (A) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (B) संस्कारकें केवल रस्म मानब
- (C) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (D) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम

४०९. 'संस्कार-परम्परा' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) संस्कारकें केवल रस्म मानब
- (B) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम

४१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'संस्कार-परम्परा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) संस्कारकें केवल रस्म मानब
- (D) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम

४११. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'पर्व-उत्सव'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पर्वकें केवल छुट्टी मानब
- (B) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (C) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

४१२. 'पर्व-उत्सव' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पर्वकें केवल छुट्टी मानब
- (B) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
- (C) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

४१३. 'पर्व-उत्सव' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (C) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
- (D) पर्वकें केवल छुट्टी मानब

४१४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'पर्व-उत्सव' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पर्वकें केवल छुट्टी मानब
- (B) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (C) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (D) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व

४१५. परीक्षामे 'पर्व-उत्सव' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
- (C) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (D) पर्वकें केवल छुट्टी मानब

४१६. 'पर्व-उत्सव' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) पर्वकें केवल छुट्टी मानब
- (C) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (D) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व

४१७. 'पर्व-उत्सव' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
- (D) पर्वकेँ केवल छुट्टी मानब

४१८. विद्यार्थी 'पर्व-उत्सव' केँ कोना चिन्हत?

- (A) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (B) पर्वकेँ केवल छुट्टी मानब
- (C) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
- (D) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब

४१९. 'पर्व-उत्सव' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (B) पर्वकेँ केवल छुट्टी मानब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व

४२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'पर्व-उत्सव'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) पर्वकेँ केवल छुट्टी मानब
- (C) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
- (D) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व

४२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोकगीत'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गीतकेँ केवल मनोरंजन मानब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब

४२२. 'लोकगीत' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) गीतकेँ केवल मनोरंजन मानब
- (D) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन

४२३. 'लोकगीत' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) गीतकेँ केवल मनोरंजन मानब
- (B) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन

४२४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'लोकगीत' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
- (D) गीतकेँ केवल मनोरंजन मानब

४२५. परीक्षामे 'लोकगीत' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
- (B) गीतकें केवल मनोरंजन मानब
- (C) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

४२६. 'लोकगीत' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
- (C) गीतकें केवल मनोरंजन मानब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

४२७. 'लोकगीत' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (B) गीतकें केवल मनोरंजन मानब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन

४२८. विद्यार्थी 'लोकगीत' कें कोना चिन्हत?

- (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (B) गीतकें केवल मनोरंजन मानब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन

४२९. 'लोकगीत' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (B) गीतकें केवल मनोरंजन मानब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन

४३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोकगीत'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) गीतकें केवल मनोरंजन मानब

४३१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोकनाट्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (D) साहित्यक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ

४३२. 'लोकनाट्य' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) साहित्यक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (D) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप

४३३. 'लोकनाट्य' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (C) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (D) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप

४३४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'लोकनाट्य' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (D) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप

४३५. परीक्षामे 'लोकनाट्य' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप
- (B) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (C) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (D) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब

४३६. 'लोकनाट्य' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) धर्मकें एकरूप मानब
- (B) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (C) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (D) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप

४३७. 'लोकनाट्य' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (B) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप

४३८. विद्यार्थी 'लोकनाट्य' कें कोना चिन्हत?

- (A) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (D) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप

४३९. 'लोकनाट्य' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (B) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब
- (C) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

४४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोकनाट्य'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (B) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिन्हेनाइ
- (C) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप
- (D) लोकनाट्यकें कमतर कला मानब

४४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'मिथिला चित्रकला'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब
- (B) धर्मकें एकरूप मानब
- (C) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (D) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब

४४२. 'मिथिला चित्रकला' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (B) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब

४४३. 'मिथिला चित्रकला' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (B) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब
- (C) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (D) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब

४४४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'मिथिला चित्रकला' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (C) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (D) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब

४४५. परीक्षामे 'मिथिला चित्रकला' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (B) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब

४४६. 'मिथिला चित्रकला' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (C) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब
- (D) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब

४४७. 'मिथिला चित्रकला' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (B) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (C) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

४४८. विद्यार्थी 'मिथिला चित्रकला' कें कोना चिन्हत?

- (A) चित्रकलाकें पाठसँ अलग मानब
- (B) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (C) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (D) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब

४४९. 'मिथिला चित्रकला' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) चित्रकलाकेँ पाठसँ अलग मानब
- (B) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (C) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

४५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'मिथिला चित्रकला'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
- (D) चित्रकलाकेँ पाठसँ अलग मानब

४५१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'आहार-संस्कृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
- (D) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब

४५२. 'आहार-संस्कृति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
- (D) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार

४५३. 'आहार-संस्कृति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
- (C) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
- (D) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब

४५४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'आहार-संस्कृति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
- (B) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
- (C) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (D) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार

४५५. परीक्षामे 'आहार-संस्कृति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
- (D) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार

४५६. 'आहार-संस्कृति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
- (B) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब

४५७. 'आहार-संस्कृति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
- (B) भोजनक उल्लेखकें तुच्छ मानब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब

४५८. विद्यार्थी 'आहार-संस्कृति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
- (C) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
- (D) भोजनक उल्लेखकें तुच्छ मानब

४५९. 'आहार-संस्कृति' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
- (C) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
- (D) भोजनक उल्लेखकें तुच्छ मानब

४६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'आहार-संस्कृति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
- (C) भोजनक उल्लेखकें तुच्छ मानब
- (D) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार

४६१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'वस्त्र-आभूषण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (B) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (C) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

४६२. 'वस्त्र-आभूषण' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (B) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (C) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
- (D) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब

४६३. 'वस्त्र-आभूषण' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (D) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब

४६४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'वस्त्र-आभूषण' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (B) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (C) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (D) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा

४६५. परीक्षामे 'वस्त्र-आभूषण' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (C) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (D) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा

४६६. 'वस्त्र-आभूषण' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (B) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (C) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (D) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा

४६७. 'वस्त्र-आभूषण' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (B) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब

४६८. विद्यार्थी 'वस्त्र-आभूषण' कें कोना चिन्हत?

- (A) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (B) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
- (C) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

४६९. 'वस्त्र-आभूषण' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
- (C) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (D) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा

४७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'वस्त्र-आभूषण'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
- (C) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
- (D) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब

४७१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोकभाषा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
- (B) लोकभाषाकें अशुद्ध मानब
- (C) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

४७२. 'लोकभाषा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोकभाषाकें अशुद्ध मानब
- (B) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल

४७३. 'लोकभाषा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (C) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
- (D) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब

४७४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'लोकभाषा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
- (B) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (C) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (D) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब

४७५. परीक्षामे 'लोकभाषा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
- (D) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब

४७६. 'लोकभाषा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (B) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
- (C) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

४७७. 'लोकभाषा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब
- (B) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल

४७८. विद्यार्थी 'लोकभाषा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
- (B) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब
- (C) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

४७९. 'लोकभाषा' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब
- (D) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल

४८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोकभाषा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
- (B) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (C) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
- (D) लोकभाषाकेँ अशुद्ध मानब

४८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'प्रकृति-संस्कृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (C) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (D) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार

४८२. 'प्रकृति-संस्कृति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (B) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
- (C) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

४८३. 'प्रकृति-संस्कृति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (B) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
- (C) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

४८४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'प्रकृति-संस्कृति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (C) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
- (D) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब

४८५. परीक्षामे 'प्रकृति-संस्कृति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
- (D) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब

४८६. 'प्रकृति-संस्कृति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
- (D) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब

४८७. 'प्रकृति-संस्कृति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (C) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (D) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार

४८८. विद्यार्थी 'प्रकृति-संस्कृति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
- (B) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (C) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (D) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब

४८९. 'प्रकृति-संस्कृति' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (B) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
- (C) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

४९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'प्रकृति-संस्कृति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) प्रकृतिकेँ पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
- (D) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार

४९१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'सांस्कृतिक स्मृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (C) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव

४९२. 'सांस्कृतिक स्मृति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (B) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

४९३. 'सांस्कृतिक स्मृति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (B) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब
- (C) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव

४९४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'सांस्कृतिक स्मृति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
- (C) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

४९५. परीक्षामे 'सांस्कृतिक स्मृति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव

४९६. 'सांस्कृतिक स्मृति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
- (C) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

४९७. 'सांस्कृतिक स्मृति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
- (B) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब

४९८. विद्यार्थी 'सांस्कृतिक स्मृति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (D) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब

४९९. 'सांस्कृतिक स्मृति' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब

५००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'सांस्कृतिक स्मृति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
- (B) स्मृतिकेँ पुरान बोझ मानब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) साहित्यिक निरन्तरता आ पहचान देखब

5

५०१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'पाण्डित्य-परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (B) पाण्डित्यकेँ लोकसाहित्यसँ अलग करब
- (C) साहित्यिक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

५०२. 'पाण्डित्य-परम्परा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पाण्डित्यकेँ लोकसाहित्यसँ अलग करब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) साहित्यिक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (D) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा

५०३. 'पाण्डित्य-परम्परा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) पाण्डित्यकेँ लोकसाहित्यसँ अलग करब
- (D) साहित्यिक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब

५०४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'पाण्डित्य-परम्परा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (B) पाण्डित्यकेँ लोकसाहित्यसँ अलग करब
- (C) साहित्यिक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

५०५. परीक्षामे 'पाण्डित्य-परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (C) पाण्डित्यकें लोकसाहित्यसँ अलग करब
- (D) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब

५०६. 'पाण्डित्य-परम्परा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (C) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (D) पाण्डित्यकें लोकसाहित्यसँ अलग करब

५०७. 'पाण्डित्य-परम्परा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) पाण्डित्यकें लोकसाहित्यसँ अलग करब
- (C) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (D) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा

५०८. विद्यार्थी 'पाण्डित्य-परम्परा' कें कोना चिन्हत?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (C) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (D) पाण्डित्यकें लोकसाहित्यसँ अलग करब

५०९. 'पाण्डित्य-परम्परा' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (C) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (D) पाण्डित्यकें लोकसाहित्यसँ अलग करब

५१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'पाण्डित्य-परम्परा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पाण्डित्यकें लोकसाहित्यसँ अलग करब
- (B) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
- (C) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

५११. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'पञ्जी-व्यवस्था'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
- (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (D) पञ्जीकें केवल सूखी सूची मानब

५१२. 'पञ्जी-व्यवस्था' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पञ्जीकें केवल सूखी सूची मानब
- (B) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
- (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (D) संस्कृतिकें सजावट मानब

५१३. 'पञ्जी-व्यवस्था' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (B) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब

५१४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'पञ्जी-व्यवस्था' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
- (B) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
- (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

५१५. परीक्षामे 'पञ्जी-व्यवस्था' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (C) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
- (D) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा

५१६. 'पञ्जी-व्यवस्था' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
- (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (D) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा

५१७. 'पञ्जी-व्यवस्था' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (D) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा

५१८. विद्यार्थी 'पञ्जी-व्यवस्था' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (D) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा

५१९. 'पञ्जी-व्यवस्था' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
- (D) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब

५२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'पञ्जी-व्यवस्था'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
- (B) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा

५२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'मिथिलाक्षर'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (C) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (D) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब

५२२. 'मिथिलाक्षर' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (C) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब
- (D) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब

५२३. 'मिथिलाक्षर' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (B) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (C) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (D) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब

५२४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'मिथिलाक्षर' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (B) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (C) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (D) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब

५२५. परीक्षामे 'मिथिलाक्षर' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (D) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब

५२६. 'मिथिलाक्षर' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब
- (B) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब

५२७. 'मिथिलाक्षर' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब
- (B) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

५२८. विद्यार्थी 'मिथिलाक्षर' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (D) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब

५२९. 'मिथिलाक्षर' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब
- (C) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (D) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार

५३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'मिथिलाक्षर'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसँ अलग मानब
- (B) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
- (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

५३१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'देवनागरी प्रसार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
- (B) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (C) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

५३२. 'देवनागरी प्रसार' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (B) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
- (C) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

५३३. 'देवनागरी प्रसार' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
- (D) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप

५३४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'देवनागरी प्रसार' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
- (C) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (D) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब

५३५. परीक्षामे 'देवनागरी प्रसार' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
- (C) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (D) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप

५३६. 'देवनागरी प्रसार' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (B) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप

५३७. 'देवनागरी प्रसार' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (D) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब

५३८. विद्यार्थी 'देवनागरी प्रसार' केँ कोना चिन्हत?

- (A) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (D) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप

५३९. 'देवनागरी प्रसार' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
- (B) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब

५४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'देवनागरी प्रसार'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
- (B) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
- (C) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
- (D) केवल कृति-नाम रटब

५४१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'व्याकरण-बोध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (B) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान

५४२. 'व्याकरण-बोध' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (D) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब

५४३. 'व्याकरण-बोध' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (C) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब
- (D) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान

५४४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'व्याकरण-बोध' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब
- (C) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
- (D) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब

५४५. परीक्षामे 'व्याकरण-बोध' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
- (B) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (C) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (D) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब

५४६. 'व्याकरण-बोध' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
- (B) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब
- (C) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

५४७. 'व्याकरण-बोध' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब
- (C) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
- (D) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब

५४८. विद्यार्थी 'व्याकरण-बोध' केँ कोना चिन्हत?

- (A) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
- (B) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (C) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

५४९. 'व्याकरण-बोध' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब
- (C) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (D) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान

५५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'व्याकरण-बोध'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
- (C) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
- (D) व्याकरणकेँ रचनात्मकता-विरोधी मानब

५५१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'ज्योतिष-संस्कार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (D) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब

५५२. 'ज्योतिष-संस्कार' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (D) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब

५५३. 'ज्योतिष-संस्कार' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (B) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब

५५४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'ज्योतिष-संस्कार' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब
- (B) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (C) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (D) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा

५५५. परीक्षामे 'ज्योतिष-संस्कार' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (D) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब

५५६. 'ज्योतिष-संस्कार' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब
- (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (D) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब

५५७. 'ज्योतिष-संस्कार' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (D) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा

५५८. विद्यार्थी 'ज्योतिष-संस्कार' केँ कोना चिन्हत?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब
- (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (D) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब

५५९. 'ज्योतिष-संस्कार' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (B) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब

५६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'ज्योतिष-संस्कार'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
- (B) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
- (C) ज्योतिषक उल्लेखकेँ केवल अंधविश्वास कहब
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

५६१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'पाठशाला संस्कृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (D) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब

५६२. 'पाठशाला संस्कृति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (D) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब

५६३. 'पाठशाला संस्कृति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) संस्कृति केँ सजावट मानब
- (B) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (C) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (D) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति

५६४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'पाठशाला संस्कृति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (B) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (C) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (D) धर्म केँ एकरूप मानब

५६५. परीक्षामे 'पाठशाला संस्कृति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (B) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (C) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

५६६. 'पाठशाला संस्कृति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (B) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब

५६७. 'पाठशाला संस्कृति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (B) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (C) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (D) परम्परा केँ प्रश्नरहित मानब

५६८. विद्यार्थी 'पाठशाला संस्कृति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (B) संस्कृति केँ सजावट मानब
- (C) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (D) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब

५६९. 'पाठशाला संस्कृति' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (B) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (C) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

५७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'पाठशाला संस्कृति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
- (B) पाठशाला केँ साहित्यिक प्रसंग नमानब
- (C) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

५७१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'अनुवाद-परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
- (C) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (D) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब

५७२. 'अनुवाद-परम्परा' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
- (B) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब

५७३. 'अनुवाद-परम्परा' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
- (B) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (C) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

५७४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'अनुवाद-परम्परा' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (D) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब

५७५. परीक्षामे 'अनुवाद-परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (B) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (C) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

५७६. 'अनुवाद-परम्परा' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (B) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब

५७७. 'अनुवाद-परम्परा' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (C) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
- (D) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब

५७८. विद्यार्थी 'अनुवाद-परम्परा' केँ कोना चिन्हत?

- (A) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (B) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
- (C) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

५७९. 'अनुवाद-परम्परा' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
- (D) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब

५८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'अनुवाद-परम्परा'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
- (C) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
- (D) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब

५८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'आलोचना-चेतना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) साहित्यक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (C) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (D) आलोचनाकेँ निन्दा मात्र मानब

५८२. 'आलोचना-चेतना' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) साहित्यक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (C) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (D) आलोचनाकेँ निन्दा मात्र मानब

५८३. 'आलोचना-चेतना' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) साहित्यक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (C) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (D) आलोचनाकेँ निन्दा मात्र मानब

५८४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'आलोचना-चेतना' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (C) साहित्यक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (D) आलोचनाकेँ निन्दा मात्र मानब

५८५. परीक्षामे 'आलोचना-चेतना' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (D) आलोचनाकें निन्दा मात्र मानब

५८६. 'आलोचना-चेतना' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) आलोचनाकें निन्दा मात्र मानब
- (B) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण

५८७. 'आलोचना-चेतना' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (B) आलोचनाकें निन्दा मात्र मानब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब

५८८. विद्यार्थी 'आलोचना-चेतना' कें कोना चिन्हत?

- (A) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (B) आलोचनाकें निन्दा मात्र मानब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब

५८९. 'आलोचना-चेतना' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
- (C) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (D) आलोचनाकें निन्दा मात्र मानब

५९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'आलोचना-चेतना'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) आलोचनाकें निन्दा मात्र मानब
- (B) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण

५९१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोक-विद्या'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (C) लोक-विद्याकें अज्ञान मानब
- (D) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब

५९२. 'लोक-विद्या' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
- (C) लोक-विद्याकें अज्ञान मानब
- (D) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान

५९३. 'लोक-विद्या' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (C) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (D) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब

५९४. विद्या, भाषा आ पाण्डित्यक सन्दर्भमे 'लोक-विद्या' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (D) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब

५९५. परीक्षामे 'लोक-विद्या' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (C) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (D) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब

५९६. 'लोक-विद्या' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
- (D) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान

५९७. 'लोक-विद्या' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (C) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (D) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब

५९८. विद्यार्थी 'लोक-विद्या' केँ कोना चिन्हत?

- (A) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (D) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब

५९९. 'लोक-विद्या' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (B) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
- (C) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

६००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोक-विद्या'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
- (B) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
- (C) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

६०१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'राजाश्रय'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (B) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण

६०२. 'राजाश्रय' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
- (B) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (C) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

६०३. 'राजाश्रय' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (D) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण

६०४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'राजाश्रय' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
- (D) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण

६०५. परीक्षामे 'राजाश्रय' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
- (B) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब

६०६. 'राजाश्रय' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
- (D) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब

६०७. 'राजाश्रय' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (D) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब

६०८. विद्यार्थी 'राजाश्रय' केँ कोना चिन्हत?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
- (C) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (D) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण

६०९. 'राजाश्रय' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
- (D) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब

६१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'राजाश्रय'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
- (D) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब

६११. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'सभा-संस्था'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
- (C) साहित्यकेँ केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (D) आधुनिक साहित्यिक संगठित विकास देखब

६१२. 'सभा-संस्था' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) आधुनिक साहित्यिक संगठित विकास देखब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) साहित्यकेँ केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (D) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन

६१३. 'सभा-संस्था' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
- (C) आधुनिक साहित्यिक संगठित विकास देखब
- (D) साहित्यकेँ केवल अकेला लेखकक काज मानब

६१४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'सभा-संस्था' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) साहित्यकेँ केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (D) आधुनिक साहित्यिक संगठित विकास देखब

६१५. परीक्षामे 'सभा-संस्था' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) साहित्यकेँ केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (B) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
- (C) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (D) आधुनिक साहित्यिक संगठित विकास देखब

६१६. 'सभा-संस्था' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) आधुनिक साहित्यिक संगठित विकास देखब
- (C) साहित्यकेँ केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (D) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन

६१७. 'सभा-संस्था' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) साहित्यकें केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (B) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब

६१८. विद्यार्थी 'सभा-संस्था' कें कोना चिन्हत?

- (A) साहित्यकें केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (B) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन

६१९. 'सभा-संस्था' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
- (B) साहित्यकें केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (C) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

६२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'सभा-संस्था'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) साहित्यकें केवल अकेला लेखकक काज मानब
- (C) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
- (D) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब

६२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'पत्रिका-संस्कृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (D) पत्रिका कें क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब

६२२. 'पत्रिका-संस्कृति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पत्रिका कें क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
- (B) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

६२३. 'पत्रिका-संस्कृति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (B) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (C) पत्रिका कें क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
- (D) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा

६२४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'पत्रिका-संस्कृति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (D) पत्रिका कें क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब

६२५. परीक्षामे 'पत्रिका-संस्कृति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब

६२६. 'पत्रिका-संस्कृति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
- (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (D) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा

६२७. 'पत्रिका-संस्कृति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (B) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) पत्रिका केँ क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब

६२८. विद्यार्थी 'पत्रिका-संस्कृति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (D) पत्रिका केँ क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब

६२९. 'पत्रिका-संस्कृति' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
- (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

६३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'पत्रिका-संस्कृति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
- (B) पत्रिका केँ क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
- (C) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

६३१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'भाषा-आन्दोलन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (B) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष

६३२. 'भाषा-आन्दोलन' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (B) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष

६३३. 'भाषा-आन्दोलन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (C) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (D) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष

६३४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'भाषा-आन्दोलन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (D) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष

६३५. परीक्षामे 'भाषा-आन्दोलन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
- (D) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब

६३६. 'भाषा-आन्दोलन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (B) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष

६३७. 'भाषा-आन्दोलन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (B) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
- (C) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

६३८. विद्यार्थी 'भाषा-आन्दोलन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
- (C) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (D) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब

६३९. 'भाषा-आन्दोलन' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
- (B) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (C) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

६४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'भाषा-आन्दोलन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
- (B) भाषा-अधिकारकेँ साहित्यसँ अलग करब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब

६४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'शिक्षा-नीति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (B) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (C) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

६४२. 'शिक्षा-नीति' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (B) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब

६४३. 'शिक्षा-नीति' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (B) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब

६४४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'शिक्षा-नीति' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
- (B) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

६४५. परीक्षामे 'शिक्षा-नीति' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान

६४६. 'शिक्षा-नीति' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
- (B) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

६४७. 'शिक्षा-नीति' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान

६४८. विद्यार्थी 'शिक्षा-नीति' केँ कोना चिन्हत?

- (A) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (B) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब

६४९. 'शिक्षा-नीति' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (B) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान

६५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'शिक्षा-नीति'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
- (B) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान

६५१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'प्रकाशन-व्यवस्था'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
- (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र

६५२. 'प्रकाशन-व्यवस्था' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (C) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (D) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब

६५३. 'प्रकाशन-व्यवस्था' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
- (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (C) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (D) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब

६५४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'प्रकाशन-व्यवस्था' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (C) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (D) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब

६५५. परीक्षामे 'प्रकाशन-व्यवस्था' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
- (D) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब

६५६. 'प्रकाशन-व्यवस्था' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
- (C) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (D) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब

६५७. 'प्रकाशन-व्यवस्था' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (D) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब

६५८. विद्यार्थी 'प्रकाशन-व्यवस्था' कें कोना चिन्हत?

- (A) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (B) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (C) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
- (D) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब

६५९. 'प्रकाशन-व्यवस्था' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
- (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (C) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

६६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'प्रकाशन-व्यवस्था'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
- (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र

६६१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'सांस्कृतिक सम्मान'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) सम्मानकें केवल औपचारिकता मानब
- (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता

६६२. 'सांस्कृतिक सम्मान' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (B) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
- (C) सम्मानकें केवल औपचारिकता मानब
- (D) संस्कृतिकें सजावट मानब

६६३. 'सांस्कृतिक सम्मान' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (D) सम्मानकें केवल औपचारिकता मानब

६६४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'सांस्कृतिक सम्मान' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (B) सम्मानकें केवल औपचारिकता मानब
- (C) धर्मकें एकरूप मानब
- (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता

६६५. परीक्षामे 'सांस्कृतिक सम्मान' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) सम्मानकेँ केवल औपचारिकता मानब
- (C) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता

६६६. 'सांस्कृतिक सम्मान' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) सम्मानकेँ केवल औपचारिकता मानब
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
- (D) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब

६६७. 'सांस्कृतिक सम्मान' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (C) सम्मानकेँ केवल औपचारिकता मानब
- (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता

६६८. विद्यार्थी 'सांस्कृतिक सम्मान' केँ कोना चिन्हत?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) सम्मानकेँ केवल औपचारिकता मानब
- (C) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता

६६९. 'सांस्कृतिक सम्मान' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
- (C) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (D) सम्मानकेँ केवल औपचारिकता मानब

६७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'सांस्कृतिक सम्मान'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) सम्मानकेँ केवल औपचारिकता मानब
- (B) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
- (C) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

६७१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'जन-माध्यम'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
- (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (C) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

६७२. 'जन-माध्यम' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
- (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब

६७३. 'जन-माध्यम' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (D) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब

६७४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'जन-माध्यम' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
- (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब

६७५. परीक्षामे 'जन-माध्यम' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
- (B) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
- (C) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

६७६. 'जन-माध्यम' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (D) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब

६७७. 'जन-माध्यम' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
- (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (C) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

६७८. विद्यार्थी 'जन-माध्यम' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (C) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
- (D) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब

६७९. 'जन-माध्यम' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
- (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (C) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

६८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'जन-माध्यम'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
- (B) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब

६८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'प्रवासी संस्था'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (C) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (D) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच

६८२. 'प्रवासी संस्था' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (B) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच

६८३. 'प्रवासी संस्था' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (C) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (D) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच

६८४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'प्रवासी संस्था' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (D) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब

६८५. परीक्षामे 'प्रवासी संस्था' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (B) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (C) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (D) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच

६८६. 'प्रवासी संस्था' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (B) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (C) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
- (D) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब

६८७. 'प्रवासी संस्था' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
- (C) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (D) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब

६८८. विद्यार्थी 'प्रवासी संस्था' कें कोना चिन्हत?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
- (C) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (D) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब

६८९. 'प्रवासी संस्था' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
- (B) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (C) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

६९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'प्रवासी संस्था'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
- (B) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
- (C) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

६९१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'अभिलेखन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (C) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
- (D) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब

६९२. 'अभिलेखन' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
- (B) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब

६९३. 'अभिलेखन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब
- (D) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब

६९४. राजनीतिक आ संस्थागत पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे 'अभिलेखन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब
- (C) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (D) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब

६९५. परीक्षामे 'अभिलेखन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
- (B) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब
- (C) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

६९६. 'अभिलेखन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब
- (D) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब

६९७. 'अभिलेखन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकेँ सुरक्षित रखब
- (B) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (C) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

६९८. विद्यार्थी 'अभिलेखन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकेँ सुरक्षित रखब
- (B) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (C) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

६९९. 'अभिलेखन' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
- (B) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकेँ सुरक्षित रखब

७००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'अभिलेखन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकेँ सुरक्षित रखब
- (B) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
- (C) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (D) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब

7

७०१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोकगीतक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (C) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (D) मौखिक साहित्यिक भाव-स्रोत चिन्हब

७०२. 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) मौखिक साहित्यिक भाव-स्रोत चिन्हब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (D) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब

७०३. 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मौखिक साहित्यिक भाव-स्रोत चिन्हब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (C) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

७०४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (B) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) मौखिक साहित्यिक भाव-स्रोत चिन्हब

७०५. परीक्षामे 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (C) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

७०६. 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (C) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
- (D) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब

७०७. 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
- (B) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब
- (C) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

७०८. विद्यार्थी 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (C) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
- (D) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब

७०९. 'लोकगीतक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब
- (B) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि

७१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोकगीतक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
- (B) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) लोकगीतकेँ केवल धुन मानब

७११. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोककथाक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोककथाकेँ बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (B) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
- (C) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (D) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब

७१२. 'लोककथाक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) लोककथाकेँ बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (D) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार

७१३. 'लोककथाक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (C) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
- (D) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार

७१४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'लोककथाक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
- (C) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
- (D) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब

७१५. परीक्षामे 'लोककथाक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (C) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
- (D) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब

७१६. 'लोककथाक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
- (B) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब

७१७. 'लोककथाक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
- (C) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (D) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार

७१८. विद्यार्थी 'लोककथाक पृष्ठभूमि' कें कोना चिन्हत?

- (A) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
- (B) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (C) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
- (D) संस्कृतिकें सजावट मानब

७१९. 'लोककथाक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
- (D) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब

७२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोककथाक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
- (B) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
- (C) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
- (D) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब

७२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'नाटकक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (B) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (C) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (D) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब

७२२. 'नाटकक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब
- (B) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग

७२३. 'नाटकक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब
- (C) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (D) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग

७२४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'नाटकक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (B) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (C) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (D) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब

७२५. परीक्षामे 'नाटकक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब
- (B) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (C) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

७२६. 'नाटकक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (B) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब

७२७. 'नाटकक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (D) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब

७२८. विद्यार्थी 'नाटकक पृष्ठभूमि' कें कोना चिन्हत?

- (A) नाटककें केवल पढ़बाक पाठ मानब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (D) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब

७२९. 'नाटकक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) नाटककेँ केवल पढ़बाक पाठ मानब
- (C) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (D) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब

७३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'नाटकक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
- (B) नाटककेँ केवल पढ़बाक पाठ मानब
- (C) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

७३१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'काव्यक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
- (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव

७३२. 'काव्यक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव
- (D) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब

७३३. 'काव्यक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
- (B) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (C) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव

७३४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'काव्यक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (C) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव
- (D) कविताकेँ समाज-विमुख मानब

७३५. परीक्षामे 'काव्यक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव

७३६. 'काव्यक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
- (C) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव

७३७. 'काव्यक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव
- (B) कविताकें समाज-विमुख मानब
- (C) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (D) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब

७३८. विद्यार्थी 'काव्यक पृष्ठभूमि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव
- (B) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (C) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (D) कविताकें समाज-विमुख मानब

७३९. 'काव्यक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) कविताकें समाज-विमुख मानब
- (C) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव

७४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'काव्यक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) कविताकें समाज-विमुख मानब
- (B) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
- (C) धर्मकें एकरूप मानब
- (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव

७४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'उपन्यासक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) उपन्यासकें केवल प्रेमकथा मानब
- (B) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (C) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब

७४२. 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (C) उपन्यासकें केवल प्रेमकथा मानब
- (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब

७४३. 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) उपन्यासकें केवल प्रेमकथा मानब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब

७४४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) उपन्यासकें केवल प्रेमकथा मानब
- (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब

७४५. परीक्षामे 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) उपन्यासक केवल प्रेमकथा मानब
- (B) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (C) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब

७४६. 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) उपन्यासक केवल प्रेमकथा मानब
- (B) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल

७४७. 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) उपन्यासक केवल प्रेमकथा मानब
- (B) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब

७४८. विद्यार्थी 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) उपन्यासक केवल प्रेमकथा मानब
- (B) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (C) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

७४९. 'उपन्यासक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) उपन्यासक केवल प्रेमकथा मानब
- (C) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
- (D) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल

७५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'उपन्यासक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
- (C) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
- (D) उपन्यासक केवल प्रेमकथा मानब

७५१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लघुकथाक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (B) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार

७५२. 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (B) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
- (C) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

७५३. 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
- (B) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब

७५४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (C) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
- (D) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब

७५५. परीक्षामे 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
- (B) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (C) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (D) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार

७५६. 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
- (B) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब

७५७. 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (C) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
- (D) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब

७५८. विद्यार्थी 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (D) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब

७५९. 'लघुकथाक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (D) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार

७६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लघुकथाक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
- (B) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
- (C) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

७६१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'निबंधक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) निबंधकें सूखा उपदेश मानब
- (B) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र

७६२. 'निबंधक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
- (D) निबंधकें सूखा उपदेश मानब

७६३. 'निबंधक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (C) निबंधकें सूखा उपदेश मानब
- (D) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र

७६४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'निबंधक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) निबंधकें सूखा उपदेश मानब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (D) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र

७६५. परीक्षामे 'निबंधक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (C) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
- (D) निबंधकें सूखा उपदेश मानब

७६६. 'निबंधक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
- (B) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) निबंधकें सूखा उपदेश मानब

७६७. 'निबंधक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
- (C) निबंधकें सूखा उपदेश मानब
- (D) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब

७६८. विद्यार्थी 'निबंधक पृष्ठभूमि' कें कोना चिन्हत?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (C) निबंधकें सूखा उपदेश मानब
- (D) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र

७६९. 'निबंधक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) निबंधक सँ सूखा उपदेश मानब
- (C) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
- (D) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब

७७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'निबंधक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
- (B) निबंधक सँ सूखा उपदेश मानब
- (C) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
- (D) संस्कृतिक सजावट मानब

७७१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'संस्मरणक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) संस्मरणक निजी बात मात्र मानब
- (D) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना

७७२. 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) संस्मरणक निजी बात मात्र मानब
- (B) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (C) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

७७३. 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (B) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (C) संस्मरणक निजी बात मात्र मानब
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

७७४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (B) संस्मरणक निजी बात मात्र मानब
- (C) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (D) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब

७७५. परीक्षामे 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) संस्मरणक निजी बात मात्र मानब
- (B) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (C) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (D) संस्कृतिक सजावट मानब

७७६. 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (B) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) संस्मरणक निजी बात मात्र मानब

७७७. 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) संस्मरणकें निजी बात मात्र मानब
- (C) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (D) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना

७७८. विद्यार्थी 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' कें कोना चिन्हत?

- (A) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (B) संस्मरणकें निजी बात मात्र मानब
- (C) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (D) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब

७७९. 'संस्मरणक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (B) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) संस्मरणकें निजी बात मात्र मानब

७८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'संस्मरणक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
- (C) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्चना
- (D) संस्मरणकें निजी बात मात्र मानब

७८१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'आलोचनाक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यिक निर्णायक प्रमाणिकता बढ़ायब
- (B) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब

७८२. 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
- (D) साहित्यिक निर्णायक प्रमाणिकता बढ़ायब

७८३. 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) साहित्यिक निर्णायक प्रमाणिकता बढ़ायब
- (D) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब

७८४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (B) साहित्यिक निर्णायक प्रमाणिकता बढ़ायब
- (C) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

७८५. परीक्षामे 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (B) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
- (C) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (D) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब

७८६. 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (D) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब

७८७. 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
- (C) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (D) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब

७८८. विद्यार्थी 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' कें कोना चिन्हत?

- (A) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
- (B) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब

७८९. 'आलोचनाक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
- (B) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (C) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

७९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'आलोचनाक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) धर्मकें एकरूप मानब
- (B) कृति कें समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
- (C) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
- (D) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब

७९१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'अनुवादक पृष्ठभूमि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (B) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब

७९२. 'अनुवादक पृष्ठभूमि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (B) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (C) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
- (D) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब

७९३. 'अनुवादक पृष्ठभूमि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (B) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब
- (C) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (D) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु

७९४. लोकजीवन आ विधा-विकासक सन्दर्भमे 'अनुवादक पृष्ठभूमि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
- (B) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब

७९५. परीक्षामे 'अनुवादक पृष्ठभूमि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (C) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब
- (D) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु

७९६. 'अनुवादक पृष्ठभूमि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
- (C) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (D) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब

७९७. 'अनुवादक पृष्ठभूमि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब
- (B) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
- (C) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

७९८. विद्यार्थी 'अनुवादक पृष्ठभूमि' कें कोना चिन्हत?

- (A) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
- (D) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब

७९९. 'अनुवादक पृष्ठभूमि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (D) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु

८००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'अनुवादक पृष्ठभूमि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
- (B) अनुवादकें शब्द-बदलाव मात्र मानब
- (C) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
- (D) केवल कृति-नाम रटब

८०१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'मुद्रण-युग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
- (B) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
- (C) धर्मकें एकरूप मानब
- (D) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब

८०२. 'मुद्रण-युग' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब
- (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब

८०३. 'मुद्रण-युग' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब
- (D) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार

८०४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'मुद्रण-युग' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब
- (D) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार

८०५. परीक्षामे 'मुद्रण-युग' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
- (B) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (C) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब
- (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब

८०६. 'मुद्रण-युग' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
- (B) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब

८०७. 'मुद्रण-युग' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब
- (C) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
- (D) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार

८०८. विद्यार्थी 'मुद्रण-युग' कें कोना चिन्हत?

- (A) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब
- (B) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार

८०९. 'मुद्रण-युग' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार समझब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
- (D) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब

८१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'मुद्रण-युग'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) मुद्रणकें केवल तकनीक मानब
- (D) साहित्यिक सार्वजनिक प्रसार समझब

८११. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'शहरी अनुभव'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
- (B) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (C) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (D) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब

८१२. 'शहरी अनुभव' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
- (B) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (C) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (D) धर्मकें एकरूप मानब

८१३. 'शहरी अनुभव' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
- (B) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (C) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (D) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव

८१४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'शहरी अनुभव' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (B) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब

८१५. परीक्षामे 'शहरी अनुभव' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (D) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब

८१६. 'शहरी अनुभव' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (D) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब

८१७. 'शहरी अनुभव' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (B) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
- (C) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (D) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब

८१८. विद्यार्थी 'शहरी अनुभव' कें कोना चिन्हत?

- (A) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (B) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब

८१९. 'शहरी अनुभव' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (B) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब

८२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'शहरी अनुभव'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
- (B) शहरकें मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
- (C) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

८२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'स्त्री-चेतना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) स्त्री-चेतनाकें पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (D) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार

८२२. 'स्त्री-चेतना' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) स्त्री-चेतनाकें पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
- (D) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार

८२३. 'स्त्री-चेतना' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
- (D) स्त्री-चेतनाकें पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब

८२४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'स्त्री-चेतना' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) स्त्री-चेतनाकें पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (B) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार

८२५. परीक्षामे 'स्त्री-चेतना' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
- (B) स्त्री-चेतनाकेँ पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (C) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

८२६. 'स्त्री-चेतना' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
- (B) स्त्री-चेतनाकेँ पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब

८२७. 'स्त्री-चेतना' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
- (C) स्त्री-चेतनाकेँ पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (D) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब

८२८. विद्यार्थी 'स्त्री-चेतना' केँ कोना चिन्हत?

- (A) स्त्री-चेतनाकेँ पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (B) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
- (C) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (D) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब

८२९. 'स्त्री-चेतना' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
- (D) स्त्री-चेतनाकेँ पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब

८३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'स्त्री-चेतना'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) स्त्री-चेतनाकेँ पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
- (C) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
- (D) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार

८३१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'शिक्षित मध्यमवर्ग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (B) केवल कृति-नाम रटब
- (C) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
- (D) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग

८३२. 'शिक्षित मध्यमवर्ग' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (C) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
- (D) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग

८३३. 'शिक्षित मध्यमवर्ग' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (B) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब

८३४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'शिक्षित मध्यमवर्ग' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
- (B) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब

८३५. परीक्षामे 'शिक्षित मध्यमवर्ग' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
- (B) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग

८३६. 'शिक्षित मध्यमवर्ग' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
- (B) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (C) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

८३७. 'शिक्षित मध्यमवर्ग' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
- (D) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब

८३८. विद्यार्थी 'शिक्षित मध्यमवर्ग' केँ कोना चिन्हत?

- (A) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
- (D) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब

८३९. 'शिक्षित मध्यमवर्ग' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
- (D) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग

८४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'शिक्षित मध्यमवर्ग'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
- (C) मध्यमवर्गकेँ एकरूप मानब
- (D) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब

८४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'जाति-विमर्श'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (C) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
- (D) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब

८४२. 'जाति-विमर्श' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब
- (C) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (D) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब

८४३. 'जाति-विमर्श' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब
- (D) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब

८४४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'जाति-विमर्श' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब
- (B) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
- (C) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (D) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार

८४५. परीक्षामे 'जाति-विमर्श' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
- (C) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (D) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब

८४६. 'जाति-विमर्श' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
- (B) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब

८४७. 'जाति-विमर्श' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
- (D) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब

८४८. विद्यार्थी 'जाति-विमर्श' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब
- (C) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
- (D) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार

८४९. 'जाति-विमर्श' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (B) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब

८५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'जाति-विमर्श'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) जाति-विमर्शकेँ केवल राजनीति कहब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
- (D) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब

८५१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'भाषिक मानक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (B) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब

८५२. 'भाषिक मानक' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
- (B) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (C) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (D) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब

८५३. 'भाषिक मानक' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (B) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
- (C) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

८५४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'भाषिक मानक' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
- (C) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (D) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब

८५५. परीक्षामे 'भाषिक मानक' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (C) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
- (D) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति

८५६. 'भाषिक मानक' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (B) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (C) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

८५७. 'भाषिक मानक' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
- (B) साहित्यिक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (C) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

८५८. विद्यार्थी 'भाषिक मानक' केँ कोना चिन्हत?

- (A) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
- (D) साहित्यिक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब

८५९. 'भाषिक मानक' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (B) साहित्यिक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब

८६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'भाषिक मानक'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) साहित्यिक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
- (D) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब

८६१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'डिजिटल मंच'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मैथिली साहित्यिक वैश्विक पहुँच देखब
- (B) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब

८६२. 'डिजिटल मंच' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (B) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) मैथिली साहित्यिक वैश्विक पहुँच देखब

८६३. 'डिजिटल मंच' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (C) मैथिली साहित्यिक वैश्विक पहुँच देखब
- (D) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह

८६४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'डिजिटल मंच' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिली साहित्यिक वैश्विक पहुँच देखब
- (B) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
- (C) बिना प्रमाण दावा करब
- (D) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब

८६५. परीक्षामे 'डिजिटल मंच' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
- (D) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब

८६६. 'डिजिटल मंच' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (B) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब
- (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

८६७. 'डिजिटल मंच' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (B) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह

८६८. विद्यार्थी 'डिजिटल मंच' केँ कोना चिन्हत?

- (A) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (B) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब
- (C) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (D) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह

८६९. 'डिजिटल मंच' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (D) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब

८७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'डिजिटल मंच'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) डिजिटल माध्यमकेँ हलुक मानब
- (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
- (D) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब

८७१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'प्रवासक आधुनिक रूप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (C) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
- (D) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब

८७२. 'प्रवासक आधुनिक रूप' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
- (B) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (C) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

८७३. 'प्रवासक आधुनिक रूप' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
- (C) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (D) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण

८७४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'प्रवासक आधुनिक रूप' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
- (B) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब

८७५. परीक्षामे 'प्रवासक आधुनिक रूप' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (C) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
- (D) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब

८७६. 'प्रवासक आधुनिक रूप' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (D) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण

८७७. 'प्रवासक आधुनिक रूप' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
- (D) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण

८७८. विद्यार्थी 'प्रवासक आधुनिक रूप' केँ कोना चिन्हत?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
- (C) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (D) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण

८७९. 'प्रवासक आधुनिक रूप' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (B) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
- (C) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
- (D) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब

८८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'प्रवासक आधुनिक रूप'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) प्रवासकेँ केवल कमाइ मानब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
- (D) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब

८८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोकसंसाधनक संकट'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
- (B) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब

८८२. 'लोकसंसाधनक संकट' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव

८८३. 'लोकसंसाधनक संकट' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
- (C) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (D) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब

८८४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'लोकसंसाधनक संकट' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
- (D) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब

८८५. परीक्षामे 'लोकसंसाधनक संकट' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
- (C) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (D) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव

८८६. 'लोकसंसाधनक संकट' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
- (C) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

८८७. 'लोकसंसाधनक संकट' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (C) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
- (D) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव

८८८. विद्यार्थी 'लोकसंसाधनक संकट' केँ कोना चिन्हत?

- (A) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
- (B) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (C) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

८८९. 'लोकसंसाधनक संकट' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
- (C) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (D) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव

८९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोकसंसाधनक संकट'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
- (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
- (C) संकटकेँ गैर-साहित्यिक विषय मानब
- (D) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब

८९१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'नव पाठक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
- (C) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
- (D) पाठकक भूमिका नकारब

८९२. 'नव पाठक' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) पाठकक भूमिका नकारब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
- (D) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब

८९३. 'नव पाठक' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठकक भूमिका नकारब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
- (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय

८९४. आधुनिक परिवर्तनक सन्दर्भमे 'नव पाठक' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पाठकक भूमिका नकारब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
- (D) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब

८९५. परीक्षामे 'नव पाठक' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
- (B) पाठकक भूमिका नकारब
- (C) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (D) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब

८९६. 'नव पाठक' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) पाठकक भूमिका नकारब
- (C) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
- (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय

८९७. 'नव पाठक' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
- (B) पाठकक भूमिका नकारब
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय

८९८. विद्यार्थी 'नव पाठक' केँ कोना चिन्हत?

- (A) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
- (B) पाठकक भूमिका नकारब
- (C) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

८९९. 'नव पाठक' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) पाठकक भूमिका नकारब
- (B) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
- (C) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

९००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'नव पाठक'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) पाठकक भूमिका नकारब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
- (D) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब

9

९०१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'कारक-विश्लेषण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (B) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
- (C) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (D) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब

९०२. 'कारक-विश्लेषण' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (C) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (D) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब

९०३. 'कारक-विश्लेषण' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (B) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
- (C) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

९०४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'कारक-विश्लेषण' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
- (C) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (D) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब

९०५. परीक्षामे 'कारक-विश्लेषण' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
- (B) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (C) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (D) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब

९०६. 'कारक-विश्लेषण' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
- (B) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (C) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

९०७. 'कारक-विश्लेषण' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
- (B) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब

९०८. विद्यार्थी 'कारक-विश्लेषण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (C) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (D) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब

९०९. 'कारक-विश्लेषण' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (D) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब

९१०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'कारक-विश्लेषण'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (B) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
- (C) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
- (D) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब

९११. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'उदाहरण-प्रयोग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (B) सैद्धान्तिक उत्तरकेँ ठोस बनायब
- (C) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

९१२. 'उदाहरण-प्रयोग' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (B) सैद्धान्तिक उत्तरकेँ ठोस बनायब
- (C) संस्कृतिकेँ सजावट मानब
- (D) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब

९१३. 'उदाहरण-प्रयोग' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब
- (C) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (D) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब

९१४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'उदाहरण-प्रयोग' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (C) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (D) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब

९१५. परीक्षामे 'उदाहरण-प्रयोग' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (B) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (C) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (D) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब

९१६. 'उदाहरण-प्रयोग' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बात दैत अछि?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (C) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (D) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब

९१७. 'उदाहरण-प्रयोग' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (B) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (C) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (D) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब

९१८. विद्यार्थी 'उदाहरण-प्रयोग' कें कोना चिन्हत?

- (A) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (B) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब
- (C) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

९१९. 'उदाहरण-प्रयोग' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब
- (B) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (C) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (D) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब

९२०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'उदाहरण-प्रयोग'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
- (C) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
- (D) सैद्धान्तिक उत्तरकें ठोस बनायब

९२१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'तुलनात्मक दृष्टि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (D) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब

९२२. 'तुलनात्मक दृष्टि' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (B) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (C) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (D) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब

९२३. 'तुलनात्मक दृष्टि' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (C) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
- (D) विकासक क्रम स्पष्ट करब

९२४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'तुलनात्मक दृष्टि' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (B) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (C) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
- (D) विकासक क्रम स्पष्ट करब

९२५. परीक्षामे 'तुलनात्मक दृष्टि' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (D) सभ विधा पर एके बात लिखब

९२६. 'तुलनात्मक दृष्टि' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (B) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (C) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (D) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब

९२७. 'तुलनात्मक दृष्टि' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (B) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
- (C) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (D) मौखिक परम्परा नकारब

९२८. विद्यार्थी 'तुलनात्मक दृष्टि' केँ कोना चिन्हत?

- (A) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (B) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (C) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
- (D) सभ विधा पर एके बात लिखब

९२९. 'तुलनात्मक दृष्टि' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (B) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (C) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
- (D) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब

९३०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'तुलनात्मक दृष्टि'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) सभ विधा पर एके बात लिखब
- (B) विकासक क्रम स्पष्ट करब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब

९३१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'लोक-साक्ष्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (B) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
- (C) केवल कृति-नाम रटब
- (D) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब

९३२. 'लोक-साक्ष्य' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (D) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब

९३३. 'लोक-साक्ष्य' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (D) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब

९३४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'लोक-साक्ष्य' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
- (D) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब

९३५. परीक्षामे 'लोक-साक्ष्य' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
- (B) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब

९३६. 'लोक-साक्ष्य' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
- (C) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (D) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब

९३७. 'लोक-साक्ष्य' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (B) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (C) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
- (D) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब

९३८. विद्यार्थी 'लोक-साक्ष्य' केँ कोना चिन्हत?

- (A) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
- (B) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
- (C) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (D) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब

९३९. 'लोक-साक्ष्य' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (B) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (C) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
- (D) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब

९४०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'लोक-साक्ष्य'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
- (B) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब

९४१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'शिष्ट-साक्ष्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
- (D) शिष्ट स्रोतकेँ अभिजन कहि छोड़ब

९४२. 'शिष्ट-साक्ष्य' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शिष्ट स्रोतकेँ अभिजन कहि छोड़ब
- (B) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण

९४३. 'शिष्ट-साक्ष्य' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (C) शिष्ट स्रोतकेँ अभिजन कहि छोड़ब
- (D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण

९४४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'शिष्ट-साक्ष्य' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (B) शिष्ट स्रोतकेँ अभिजन कहि छोड़ब
- (C) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण

१४५. परीक्षामे 'शिष्ट-साक्ष्य' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (D) शिष्ट स्रोतकें अभिजन कहि छोड़ब

१४६. 'शिष्ट-साक्ष्य' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) शिष्ट स्रोतकें अभिजन कहि छोड़ब
- (B) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
- (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

१४७. 'शिष्ट-साक्ष्य' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (B) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
- (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (D) शिष्ट स्रोतकें अभिजन कहि छोड़ब

१४८. विद्यार्थी 'शिष्ट-साक्ष्य' कें कोना चिन्हत?

- (A) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
- (B) शिष्ट स्रोतकें अभिजन कहि छोड़ब
- (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (D) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब

१४९. 'शिष्ट-साक्ष्य' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) आधुनिक माध्यमसँ दूरी राखब
- (B) शिष्ट स्रोतकें अभिजन कहि छोड़ब
- (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण

१५०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'शिष्ट-साक्ष्य'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
- (C) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
- (D) शिष्ट स्रोतकें अभिजन कहि छोड़ब

१५१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'विरोधाभास-पठन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (B) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (C) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (D) साहित्यक जटिलता बुझब

१५२. 'विरोधाभास-पठन' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (B) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (C) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (D) साहित्यक जटिलता बुझब

९५३. 'विरोधाभास-पठन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (B) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (C) परिवर्तनकें सदैव पतन कहब
- (D) साहित्यक जटिलता बुझब

९५४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'विरोधाभास-पठन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (B) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब
- (C) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (D) साहित्यक जटिलता बुझब

९५५. परीक्षामे 'विरोधाभास-पठन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण दावा करब
- (B) साहित्यक जटिलता बुझब
- (C) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (D) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब

९५६. 'विरोधाभास-पठन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (B) साहित्यक जटिलता बुझब
- (C) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (D) केवल कृति-नाम रटब

९५७. 'विरोधाभास-पठन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (B) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (C) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (D) साहित्यक जटिलता बुझब

९५८. विद्यार्थी 'विरोधाभास-पठन' कें कोना चिन्हत?

- (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (B) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (C) साहित्यक जटिलता बुझब
- (D) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब

९५९. 'विरोधाभास-पठन' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) साहित्यक जटिलता बुझब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
- (D) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब

९६०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'विरोधाभास-पठन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (B) साहित्यकें केवल सुखद चित्र बनायब
- (C) साहित्यक जटिलता बुझब
- (D) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब

९६१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'स्तर-विभाजन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (B) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (C) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
- (D) लोक-स्वरकें अशुद्ध कहब

९६२. 'स्तर-विभाजन' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (B) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब

९६३. 'स्तर-विभाजन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (B) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
- (C) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (D) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब

९६४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'स्तर-विभाजन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
- (B) मौखिक परम्परा नकारब
- (C) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (D) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब

९६५. परीक्षामे 'स्तर-विभाजन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (B) धर्मकें एकरूप मानब
- (C) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब

९६६. 'स्तर-विभाजन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (C) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब

९६७. 'स्तर-विभाजन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब

९६८. विद्यार्थी 'स्तर-विभाजन' कें कोना चिन्हत?

- (A) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (B) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब

९६९. 'स्तर-विभाजन' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (B) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
- (C) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (D) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब

९७०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'स्तर-विभाजन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
- (B) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (C) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
- (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब

९७१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'भाषा-शैली परीक्षण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (D) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब

९७२. 'भाषा-शैली परीक्षण' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (B) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (C) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

९७३. 'भाषा-शैली परीक्षण' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
- (B) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (C) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब
- (D) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब

९७४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'भाषा-शैली परीक्षण' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (B) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
- (C) एकहि कारणसँ सभ व्याख्या करब
- (D) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब

९७५. परीक्षामे 'भाषा-शैली परीक्षण' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (B) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (C) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
- (D) भाषा-शैली पर ध्यान नहि देब

९७६. 'भाषा-शैली परीक्षण' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (B) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (C) मौखिक परम्परा नकारब
- (D) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब

९७७. 'भाषा-शैली परीक्षण' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (B) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
- (C) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (D) संस्कृतिकेँ सजावट मानब

९७८. विद्यार्थी 'भाषा-शैली परीक्षण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (B) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (C) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (D) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब

९७९. 'भाषा-शैली परीक्षण' सँ साहित्यक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (B) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
- (C) स्त्री-अनुभव उपेक्षित रखब
- (D) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब

९८०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'भाषा-शैली परीक्षण'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
- (D) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब

९८१. मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'समालोचनात्मक संतुलन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
- (B) परम्पराकेँ प्रश्नरहित मानब
- (C) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (D) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब

९८२. 'समालोचनात्मक संतुलन' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (B) उदाहरण बिना उत्तर देब
- (C) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
- (D) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि

९८३. 'समालोचनात्मक संतुलन' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
- (B) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
- (C) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (D) धर्मकेँ एकरूप मानब

९८४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'समालोचनात्मक संतुलन' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मौखिक परम्परा नकारब
- (B) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
- (C) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (D) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब

९८५. परीक्षामे 'समालोचनात्मक संतुलन' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) केवल कृति-नाम रटब
- (B) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
- (C) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (D) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि

९८६. 'समालोचनात्मक संतुलन' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
- (C) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (D) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब

९८७. 'समालोचनात्मक संतुलन' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) परम्पराकें प्रश्नरहित मानब
- (B) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
- (C) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
- (D) एकतरफा मूल्यांकन करब

९८८. विद्यार्थी 'समालोचनात्मक संतुलन' केँ कोना चिन्हत?

- (A) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (B) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
- (C) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
- (D) एकतरफा मूल्यांकन करब

९८९. 'समालोचनात्मक संतुलन' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
- (B) बिना प्रमाण दावा करब
- (C) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (D) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि

९९०. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'समालोचनात्मक संतुलन'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) एकतरफा मूल्यांकन करब
- (B) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
- (C) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
- (D) उदाहरण बिना उत्तर देब

९९१. मैथिली साहित्यिक पृष्ठभूमि-अध्ययनमे 'निष्कर्ष-निर्माण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
- (B) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (C) संस्कृतिकें सजावट मानब
- (D) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब

९९२. 'निष्कर्ष-निर्माण' साहित्य बुझबामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोक-स्वरकेँ अशुद्ध कहब
- (B) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
- (C) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
- (D) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब

९९३. 'निष्कर्ष-निर्माण' पर विचार करैत कोन भूलसँ बचबाक चाही?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
- (C) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (D) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब

९९४. परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अभ्यासक सन्दर्भमे 'निष्कर्ष-निर्माण' सर्वाधिक कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
- (B) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (C) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
- (D) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब

९९५. परीक्षामे 'निष्कर्ष-निर्माण' पर प्रश्न आयल तँ उचित उत्तर कोन?

- (A) धर्मकेँ एकरूप मानब
- (B) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (C) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
- (D) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब

९९६. 'निष्कर्ष-निर्माण' मैथिली रचनाक अर्थ खोलबाक कोन बाट दैत अछि?

- (A) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
- (B) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (C) परिवर्तनकेँ सदैव पतन कहब
- (D) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब

९९७. 'निष्कर्ष-निर्माण' सम्बन्धी गलत दृष्टि कोन अछि?

- (A) अर्थव्यवस्थाक प्रभाव नकारब
- (B) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
- (C) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (D) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब

९९८. विद्यार्थी 'निष्कर्ष-निर्माण' केँ कोना चिन्हत?

- (A) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (B) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
- (C) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
- (D) बिना प्रमाण दावा करब

९९९. 'निष्कर्ष-निर्माण' सँ साहित्यिक कोन पृष्ठभूमि अधिक उजागर होइत अछि?

- (A) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (B) पाठक-वर्गक भूमिका नकारब
- (C) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
- (D) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब

१०००. पृष्ठभूमि-विवेचनमे 'निष्कर्ष-निर्माण'क संतुलित मूल्यांकन लेल कोन सावधानी जरूरी अछि?

- (A) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
- (B) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
- (C) समाज-सन्दर्भ छोड़ि देब
- (D) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब

१. (C) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
२. (C) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
३. (C) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
४. (B) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
५. (C) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
६. (A) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
७. (A) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
८. (A) रचनाक पाछाँ रहल जीवन-परिस्थिति, लोक-विश्वास, अर्थव्यवस्था आ संस्कारक संयुक्त आधार
९. (B) साहित्यक भाव, पात्र, भाषा आ विषयक वास्तविक स्रोत बुझेनाइ
१०. (B) केवल कृति-नाम रटि समाज-जीवन नहि देखब
११. (B) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
१२. (A) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
१३. (C) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
१४. (B) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
१५. (A) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
१६. (C) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
१७. (A) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
१८. (D) देव-उपासना, व्रत, तीर्थ, पुराण, तन्त्र, भक्ति आ लोकदेवताक प्रभाव
१९. (A) काव्य, गीत, कथा आ नाटकमे आस्था आ प्रतीकक अर्थ खोलब
२०. (B) धर्मकेँ मात्र कर्मकाण्ड कहि छोड़ब
२१. (D) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
२२. (A) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
२३. (C) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
२४. (B) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
२५. (D) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
२६. (C) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
२७. (D) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
२८. (B) खेती, श्रम, व्यापार, दान, जमींदारी, अभाव आ आजीविकाक जीवन-सन्दर्भ
२९. (C) पात्रक संघर्ष, लोकगीतक दुख-सुख आ कथाक यथार्थ बुझब
३०. (D) धन-व्यवस्था केँ साहित्यसँ अलग मानब
३१. (B) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
३२. (A) साहित्यक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
३३. (D) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
३४. (D) साहित्यक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ

३५. (A) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
३६. (A) साहित्यक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
३७. (A) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
३८. (B) परिवार, जाति, नातेदारी, स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, ग्राम-व्यवस्था आ लोक-नियम
३९. (C) साहित्यक पात्र-व्यवहार आ संघर्षक समाजगत कारण बुझेनाइ
४०. (A) समाज-संरचनाकेँ अनदेखा करब
४१. (B) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
४२. (B) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
४३. (A) संस्कृतिकेँ सजावट मात्र मानब
४४. (A) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
४५. (C) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
४६. (A) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
४७. (A) संस्कृतिकेँ सजावट मात्र मानब
४८. (C) पर्व, संस्कार, गीत, नृत्य, चित्र, आहार, वस्त्र, बोली आ लोक-रीतिक संसार
४९. (B) मैथिली साहित्यक मिथिलात्मक रंग आ पहचान बुझब
५०. (B) संस्कृतिकेँ सजावट मात्र मानब
५१. (B) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
५२. (A) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
५३. (C) लोककेँ अशिक्षित आ शिष्टकेँ मात्र श्रेष्ठ मानब
५४. (C) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
५५. (A) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
५६. (A) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
५७. (A) लोककेँ अशिक्षित आ शिष्टकेँ मात्र श्रेष्ठ मानब
५८. (C) लोकजीवनक अनुभव आ शिष्ट विद्या-परम्पराक परस्पर मेल
५९. (B) मैथिली साहित्यक दोहरी शक्ति चिन्हेनाइ
६०. (C) लोककेँ अशिक्षित आ शिष्टकेँ मात्र श्रेष्ठ मानब
६१. (B) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
६२. (D) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
६३. (D) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
६४. (A) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
६५. (D) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
६६. (C) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
६७. (B) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब
६८. (C) घर-आँगन, खेत, दरबार, पाठशाला आ मंचमे चलैत भाषा-रूप
६९. (B) कथ्यक अनुसार भाषा-शैलीक चयन बुझब
७०. (C) सभ रचनामे एके कृत्रिम भाषा खोजब

७१. (A) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
७२. (B) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
७३. (D) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
७४. (B) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
७५. (B) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
७६. (A) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
७७. (C) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
७८. (D) समय, सत्ता, संस्था, संघर्ष आ परिवर्तनक क्रमसँ साहित्य पढ़ब
७९. (B) कृति केँ युग-चेतना संग जोड़ब
८०. (B) कृति केँ समयसँ बाहर मानब
८१. (C) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
८२. (C) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
८३. (D) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
८४. (D) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
८५. (C) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
८६. (A) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
८७. (C) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
८८. (B) गीत, कथा, पाण्डुलिपि, पत्रिका, अभिलेख, लोक-स्मृति आ आलोचना सभसँ प्रमाण लेब
८९. (B) उत्तरकेँ अधिक विश्वसनीय बनायब
९०. (C) एकहि स्रोत पर पूर्ण निर्भर रहब
९१. (C) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति केँ अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
९२. (A) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
९३. (A) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
९४. (C) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
९५. (D) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति केँ अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
९६. (D) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
९७. (B) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
९८. (D) धर्म, अर्थ, समाज आ संस्कृति केँ अलग-अलग नहि, परस्पर जुड़ल रूपमे देखब
९९. (C) साहित्यक बहुस्तरीय अर्थ पकड़ब
१००. (A) एक कारणसँ सभ व्याख्या करब
१०१. (D) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
१०२. (A) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
१०३. (B) शिव-सन्दर्भकेँ केवल मंदिरक विषय मानब
१०४. (D) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
१०५. (B) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
१०६. (D) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब

१०७. (A) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब
१०८. (C) शिव-उपासना, शिव-पार्वती कथा, लोकगीत आ मिथिलाक गृहस्थ-भक्ति
१०९. (B) काव्य आ गीतमे विरक्ति, करुणा, हास्य आ दाम्पत्य प्रतीक बुझब
११०. (D) शिव-सन्दर्भके केवल मंदिरक विषय मानब
१११. (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव
११२. (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
११३. (A) देवी-विषयके केवल पौराणिक सूची मानब
११४. (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
११५. (D) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव
११६. (A) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
११७. (B) देवी-विषयके केवल पौराणिक सूची मानब
११८. (B) देवी, शक्ति, मातृ-पूजा, दुर्गा-काली आ लोक-देवीक सांस्कृतिक प्रभाव
११९. (C) स्त्री-शक्ति, रक्षा, भय, करुणा आ उत्सवक प्रतीक खोलब
१२०. (C) देवी-विषयके केवल पौराणिक सूची मानब
१२१. (D) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
१२२. (B) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
१२३. (D) भक्तिके केवल उपदेश मानब
१२४. (C) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
१२५. (B) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
१२६. (B) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
१२७. (C) भक्तिके केवल उपदेश मानब
१२८. (C) राधा-कृष्ण, राम, नाम-स्मरण, प्रेम, विरह आ भक्ति-रसक धारा
१२९. (D) पदावली, गीत आ नाटकक भाव-संरचना बुझब
१३०. (D) भक्तिके केवल उपदेश मानब
१३१. (B) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
१३२. (C) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
१३३. (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
१३४. (C) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
१३५. (B) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
१३६. (A) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
१३७. (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
१३८. (D) मन्त्र, साधना, शक्ति, रहस्य आ लोकविश्वाससँ जुड़ल धार्मिक वातावरण
१३९. (D) किछु प्रतीक आ गूढ़ भावक अर्थ बुझब
१४०. (C) तन्त्रक नाम सुनिते साहित्यिक अर्थ नकारब
१४१. (C) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
१४२. (A) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब

१४३. (D) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
१४४. (B) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
१४५. (B) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
१४६. (B) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
१४७. (A) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
१४८. (C) देव, अवतार, तीर्थ, ऋषि आ धर्मकथासँ बनल कथास्रोत
१४९. (C) रचना मे उपमा, प्रसंग आ चरित्र-रूपक चिन्हब
१५०. (D) पुराणकें केवल पुरान बात कहब
१५१. (A) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
१५२. (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
१५३. (C) व्रत-कथाकें महत्वहीन घरेलू बात मानब
१५४. (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
१५५. (D) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
१५६. (B) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
१५७. (D) व्रत-कथाकें महत्वहीन घरेलू बात मानब
१५८. (A) व्रत, उपवास, पूजा आ परिवारक मंगलक संग चलैत कथावाचन
१५९. (D) स्त्री-लोक, गृहस्थ जीवन आ धार्मिक आशाक स्वर बुझेनाइ
१६०. (B) व्रत-कथाकें महत्वहीन घरेलू बात मानब
१६१. (B) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
१६२. (A) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
१६३. (B) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
१६४. (C) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
१६५. (A) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
१६६. (A) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
१६७. (C) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
१६८. (A) ग्रामदेवता, कुलदेवता, नाग, धरती, नदी आ स्थानीय आस्था
१६९. (D) लोकक भय, आशा आ सामुदायिक रक्षा-भाव समझब
१७०. (A) लोकदेवताकें शास्त्रबाहिर कहि छोड़ब
१७१. (C) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
१७२. (C) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
१७३. (C) कीर्तनकें केवल धार्मिक आयोजन मानब
१७४. (A) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
१७५. (B) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप
१७६. (D) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
१७७. (D) कीर्तनकें केवल धार्मिक आयोजन मानब
१७८. (C) समूह-गायन, भक्ति, कथा, पद आ तालक लोक-धार्मिक रूप

१७९. (C) काव्यक गेयता, सामूहिकता आ मंचीयता बुझब
१८०. (C) कीर्तनकेँ केवल धार्मिक आयोजन मानब
१८१. (A) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
१८२. (A) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
१८३. (C) नैतिकताकेँ उपदेश मात्र मानब
१८४. (B) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
१८५. (A) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
१८६. (D) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
१८७. (B) नैतिकताकेँ उपदेश मात्र मानब
१८८. (B) पाप-पुण्य, दान, सत्य, सेवा, करुणा आ लोकनियमक विचार
१८९. (D) कथा आ निबंधमे मूल्य-संघर्ष बुझब
१९०. (D) नैतिकताकेँ उपदेश मात्र मानब
१९१. (D) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
१९२. (B) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
१९३. (D) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
१९४. (B) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
१९५. (B) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
१९६. (D) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
१९७. (A) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
१९८. (D) विभिन्न आस्था, सम्प्रदाय, जाति-समुदाय आ पूजा-पद्धतिक सह-अस्तित्व
१९९. (B) मैथिली साहित्यक सहजीवन आ बहुरंगी परिवेश देखब
२००. (B) एकहि धर्मरूपसँ सम्पूर्ण साहित्य बुझब
२०१. (B) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
२०२. (D) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
२०३. (D) खेतीकेँ साहित्यक बाहरी बात मानब
२०४. (D) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
२०५. (A) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
२०६. (C) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
२०७. (C) खेतीकेँ साहित्यक बाहरी बात मानब
२०८. (D) धान, मखान, गाछी, बारी, ऋतु आ खेतक श्रमसँ बनल जीवन-धरातल
२०९. (C) लोकगीत, कथा आ काव्यमे धरती-संबंध बुझब
२१०. (C) खेतीकेँ साहित्यक बाहरी बात मानब
२११. (A) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
२१२. (C) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
२१३. (B) श्रमकेँ केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
२१४. (D) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब

२१५. (C) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
२१६. (B) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
२१७. (A) श्रमकें केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
२१८. (D) हल जोतनाइ, रोपनी, कटनी, चरवाही, मछमारी आ कारीगरीक अनुभव
२१९. (B) लोकक देहगत परिश्रम आ सामूहिकता चिन्हब
२२०. (B) श्रमकें केवल पृष्ठभूमि सजावट मानब
२२१. (B) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
२२२. (B) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
२२३. (B) जमींदारीकें केवल राजकीय शब्द मानब
२२४. (B) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
२२५. (C) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
२२६. (A) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
२२७. (A) जमींदारीकें केवल राजकीय शब्द मानब
२२८. (C) भूमि, लगान, अधिकार, आश्रय आ शोषणक सामाजिक-आर्थिक ढाँचा
२२९. (B) कथा आ उपन्यासमे वर्ग-संघर्ष बुझब
२३०. (C) जमींदारीकें केवल राजकीय शब्द मानब
२३१. (D) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
२३२. (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
२३३. (A) अभावकें निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
२३४. (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
२३५. (B) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
२३६. (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
२३७. (B) अभावकें निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
२३८. (D) गरीबी, अनाजक कमी, ऋण, बेरोजगारी आ जीवन-संघर्षक अनुभव
२३९. (C) करुणा, व्यंग्य आ यथार्थक स्रोत बुझब
२४०. (C) अभावकें निजी दुर्भाग्य मात्र कहब
२४१. (B) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
२४२. (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
२४३. (A) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब
२४४. (B) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
२४५. (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
२४६. (D) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
२४७. (A) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब
२४८. (A) पण्डिताई, यज्ञ, संस्कार, गुरु-सेवा आ आश्रय-सम्बन्धक अर्थ-व्यवहार
२४९. (C) धर्म, विद्या आ अर्थक सम्बन्ध देखब
२५०. (D) दानकें केवल उदारता मानि आर्थिक पक्ष नदेखब

२५१. (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
२५२. (B) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
२५३. (B) कारीगरीकेँ साहित्यिक विषय नमानब
२५४. (C) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
२५५. (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
२५६. (B) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
२५७. (C) कारीगरीकेँ साहित्यिक विषय नमानब
२५८. (B) मृद्गाण्ड, लकड़ी, बुनाई, चित्र, वाद्य, मछजाल आ हस्तकौशलक पेशा
२५९. (C) लोककला आ आजीविकाक संयुक्त रूप बुझब
२६०. (A) कारीगरीकेँ साहित्यिक विषय नमानब
२६१. (C) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
२६२. (D) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
२६३. (A) बजारकेँ केवल व्यापारिक ठाम मानब
२६४. (C) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
२६५. (D) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
२६६. (C) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
२६७. (D) बजारकेँ केवल व्यापारिक ठाम मानब
२६८. (C) गामक लेन-देन, खरीद-बिक्री, मोलभाव आ समाचार-विनिमयक स्थान
२६९. (D) लोकजीवनक चलन्त अर्थव्यवस्था आ भाषा बुझब
२७०. (A) बजारकेँ केवल व्यापारिक ठाम मानब
२७१. (B) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
२७२. (C) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
२७३. (A) प्रवासकेँ केवल भूगोल बदलनाइ मानब
२७४. (C) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
२७५. (D) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
२७६. (A) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
२७७. (D) प्रवासकेँ केवल भूगोल बदलनाइ मानब
२७८. (B) रोजगार, शिक्षा वा अभावक कारण मिथिला छोड़ि बाहर जाएब
२७९. (B) विरह, स्मृति, धन-आशा आ पहचान-संकटक स्वर बुझेनाइ
२८०. (D) प्रवासकेँ केवल भूगोल बदलनाइ मानब
२८१. (A) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
२८२. (A) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
२८३. (A) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
२८४. (D) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
२८५. (C) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
२८६. (B) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ

२८७. (D) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
२८८. (B) धन, भूमि, श्रम, जाति आ अवसरक असंतुलन
२८९. (D) रचनामे अन्याय, प्रतिरोध आ करुणा चिन्हेनाइ
२९०. (A) समानता मानि संघर्ष अनदेखा करब
२९१. (D) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
२९२. (A) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
२९३. (B) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
२९४. (B) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
२९५. (A) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
२९६. (B) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
२९७. (D) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
२९८. (B) घरक उत्पादन, बारी, पशु, शिल्प, बचत आ सामुदायिक सहकार
२९९. (D) गामक जीवन-शक्ति आ साधन-संपन्नता बुझब
३००. (D) ग्रामजीवनकेँ केवल गरीबीक चित्र मानब
३०१. (D) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
३०२. (B) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
३०३. (A) परिवारकेँ केवल निजी बात मानब
३०४. (D) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
३०५. (A) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
३०६. (B) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
३०७. (C) परिवारकेँ केवल निजी बात मानब
३०८. (B) दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन, पुतोहु आ सम्बन्धक विस्तृत गृह-संरचना
३०९. (B) कथा आ गीतमे सम्बन्धक तनाव आ स्नेह बुझब
३१०. (C) परिवारकेँ केवल निजी बात मानब
३११. (C) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
३१२. (A) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
३१३. (C) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
३१४. (C) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
३१५. (D) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
३१६. (B) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
३१७. (D) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
३१८. (C) मायके, ससुरारि, समधी, मामा, पिसा, फुआ आ गोतियारीक सम्बन्ध-जाल
३१९. (D) लोकगीत आ कथामे संबोधन आ भावक अर्थ पकड़ब
३२०. (D) नातेदारिक शब्दावली छोड़ि देब
३२१. (C) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
३२२. (D) साहित्यक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब

३२३. (D) जाति-विषयक जटिलता नकारब
३२४. (C) साहित्यिक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
३२५. (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
३२६. (C) साहित्यिक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
३२७. (D) जाति-विषयक जटिलता नकारब
३२८. (A) समाजमे पेशा, मान, सम्बन्ध आ विवाह-संयोजनसँ जुड़ल जातिगत ढाँचा
३२९. (A) साहित्यिक यथार्थ, असमानता आ बदलाव बुझब
३३०. (B) जाति-विषयक जटिलता नकारब
३३१. (C) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
३३२. (A) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
३३३. (D) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
३३४. (D) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
३३५. (D) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
३३६. (D) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
३३७. (C) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
३३८. (B) बेटी, बहिन, पुतोहु, माई, विधवा, कलाकार आ श्रमिक रूपमे स्त्रीक जीवन
३३९. (A) गीत, कथा आ उपन्यासमे स्त्री-स्वरक गहराई समझब
३४०. (C) स्त्री पात्रकेँ केवल सहायक मानब
३४१. (A) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
३४२. (D) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
३४३. (B) विवाहकेँ केवल घटना मानब
३४४. (C) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
३४५. (D) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
३४६. (B) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
३४७. (B) विवाहकेँ केवल घटना मानब
३४८. (B) वर-वधू, कन्यादान, गीत, कोहबर, पञ्जी, भोज आ रस्मक सामूहिक आयोजन
३४९. (D) लोकगीत, हास्य, विदाई आ सामाजिक नियम बुझेनाइ
३५०. (C) विवाहकेँ केवल घटना मानब
३५१. (D) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
३५२. (C) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
३५३. (B) गामकेँ स्थिर चित्र मात्र मानब
३५४. (A) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
३५५. (B) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन
३५६. (D) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
३५७. (A) गामकेँ स्थिर चित्र मात्र मानब
३५८. (C) टोला, आँगन, चौपाल, पोखरि, खेत आ पंचायतसँ बनल सामूहिक जीवन

३५९. (D) सामूहिक निर्णय, प्रतिष्ठा आ लोकमतक भूमिका देखब
३६०. (D) गामकें स्थिर चित्र मात्र मानब
३६१. (D) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
३६२. (C) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
३६३. (C) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
३६४. (B) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
३६५. (C) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
३६६. (D) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
३६७. (D) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
३६८. (C) पाठशाला, पण्डित, घरक शिक्षा, विद्यापीठ आ आधुनिक विद्यालय
३६९. (B) विद्या, वर्ग आ भाषा-मानकक सम्बन्ध बुझब
३७०. (C) शिक्षाकें कथासँ असम्बद्ध मानब
३७१. (C) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
३७२. (A) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
३७३. (D) लोकनियमक भूमिका नकारब
३७४. (D) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
३७५. (C) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
३७६. (D) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
३७७. (A) लोकनियमक भूमिका नकारब
३७८. (D) मर्यादा, लाज, प्रतिष्ठा, अतिथि-सत्कार, पंचायत आ पारिवारिक अनुशासन
३७९. (B) पात्रक निर्णय आ दबावक सामाजिक आधार बुझब
३८०. (B) लोकनियमक भूमिका नकारब
३८१. (C) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
३८२. (D) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
३८३. (C) केवल प्रभुवर्गक कथा कें इतिहास मानब
३८४. (B) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
३८५. (B) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
३८६. (A) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
३८७. (C) केवल प्रभुवर्गक कथा कें इतिहास मानब
३८८. (D) गरीब, निम्नवर्ग, श्रमिक, सेवक, कलाकार, घुमन्तू आ उपेक्षित लोक
३८९. (B) साहित्यक लोकतांत्रिक दृष्टि आ करुणा चिन्हेनाइ
३९०. (D) केवल प्रभुवर्गक कथा कें इतिहास मानब
३९१. (C) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
३९२. (A) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
३९३. (B) बदलावकें केवल पतन कहब
३९४. (D) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब

३९५. (A) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
३९६. (C) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
३९७. (D) बदलावकेँ केवल पतन कहब
३९८. (A) पुरान मर्यादा आ नयका शिक्षा, रोजगार, राजनीति, स्त्री-चेतना आ मीडिया बीचक बदलाव
३९९. (A) आधुनिक मैथिली साहित्यक संघर्ष समझब
४००. (B) बदलावकेँ केवल पतन कहब
४०१. (C) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
४०२. (A) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
४०३. (D) संस्कारकेँ केवल रस्म मानब
४०४. (C) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
४०५. (A) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
४०६. (D) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
४०७. (D) संस्कारकेँ केवल रस्म मानब
४०८. (D) जन्म, मुंडन, उपनयन, विवाह, मृत्यु आ गृह-रीतिक क्रम
४०९. (B) लोकगीत आ कथा मे जीवन-चक्रक अर्थ बुझब
४१०. (C) संस्कारकेँ केवल रस्म मानब
४११. (C) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
४१२. (C) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
४१३. (D) पर्वकेँ केवल छुट्टी मानब
४१४. (B) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
४१५. (B) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
४१६. (C) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
४१७. (D) पर्वकेँ केवल छुट्टी मानब
४१८. (C) छठि, सामा-चकेवा, मधुश्रावणी, होरी, दीप, दुर्गापूजा आ ऋतु-पर्व
४१९. (A) ऋतु, परिवार, प्रकृति आ देव-आस्थाक मेल देखब
४२०. (B) पर्वकेँ केवल छुट्टी मानब
४२१. (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
४२२. (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
४२३. (A) गीतकेँ केवल मनोरंजन मानब
४२४. (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
४२५. (A) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
४२६. (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
४२७. (B) गीतकेँ केवल मनोरंजन मानब
४२८. (D) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, विरह, देवता आ हास्यक सामूहिक गायन
४२९. (A) लोक-स्वर आ स्त्री-स्मृतिक महत्त्व बुझब
४३०. (D) गीतकेँ केवल मनोरंजन मानब

४३१. (A) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप
४३२. (C) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिह्नेनाइ
४३३. (C) लोकनाट्यकेँ कमतर कला मानब
४३४. (A) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिह्नेनाइ
४३५. (A) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप
४३६. (B) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिह्नेनाइ
४३७. (A) लोकनाट्यकेँ कमतर कला मानब
४३८. (D) गायन, अभिनय, संवाद, वेशभूषा आ ग्राम-मंचक नाट्यरूप
४३९. (A) साहित्यिक दृश्य-श्रव्य रूप चिह्नेनाइ
४४०. (D) लोकनाट्यकेँ कमतर कला मानब
४४१. (C) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
४४२. (A) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
४४३. (B) चित्रकलाकेँ पाठसँ अलग मानब
४४४. (B) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
४४५. (A) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
४४६. (D) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
४४७. (C) चित्रकलाकेँ पाठसँ अलग मानब
४४८. (C) रेखा, रंग, कोहबर, देव-प्रतीक, प्रकृति आ स्त्री-कला परम्परा
४४९. (B) दृश्य-संस्कृति आ साहित्यिक प्रतीकक सम्बन्ध बुझब
४५०. (D) चित्रकलाकेँ पाठसँ अलग मानब
४५१. (A) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
४५२. (C) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
४५३. (C) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
४५४. (B) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
४५५. (D) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
४५६. (D) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
४५७. (B) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
४५८. (C) भात, दही, चूड़ा, माछ, साग, पान, पकवान आ भोजक लोक-संसार
४५९. (C) कथा मे अतिथि, उत्सव, गरीबी आ स्वादक अर्थ समझब
४६०. (C) भोजनक उल्लेखकेँ तुच्छ मानब
४६१. (C) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
४६२. (A) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
४६३. (C) वस्त्रकेँ केवल वर्णन मानब
४६४. (A) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
४६५. (D) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
४६६. (A) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब

४६७. (D) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
४६८. (B) पाग, साड़ी, लहठी, सिन्दूर, माला, गहना आ अवसरानुसार पहनावा
४६९. (C) पात्रक स्थिति, उत्सव आ सामाजिक पहचान पढ़ब
४७०. (D) वस्त्रकें केवल वर्णन मानब
४७१. (A) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
४७२. (B) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
४७३. (D) लोकभाषाकें अशुद्ध मानब
४७४. (B) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
४७५. (C) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
४७६. (A) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
४७७. (A) लोकभाषाकें अशुद्ध मानब
४७८. (A) कहावत, मुहावरा, संबोधन, गारी, हँसी आ भावक बोलचाल
४७९. (A) रचनाक स्वाद, व्यंग्य आ पात्रक स्वाभाविकता पकड़ब
४८०. (D) लोकभाषाकें अशुद्ध मानब
४८१. (D) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
४८२. (A) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
४८३. (A) प्रकृतिकें पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
४८४. (B) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
४८५. (C) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
४८६. (D) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
४८७. (C) प्रकृतिकें पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
४८८. (A) कोसी, कमला, गाछ, पोखरि, वर्षा, बाढ़, खेत आ ऋतु-संसार
४८९. (C) प्रकृति आ मानवजीवनक परस्पर सम्बन्ध बुझब
४९०. (C) प्रकृतिकें पृष्ठभूमि सजावट मात्र मानब
४९१. (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
४९२. (A) साहित्यक निरन्तरता आ पहचान देखब
४९३. (B) स्मृतिकें पुरान बोझ मानब
४९४. (A) साहित्यक निरन्तरता आ पहचान देखब
४९५. (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
४९६. (C) साहित्यक निरन्तरता आ पहचान देखब
४९७. (D) स्मृतिकें पुरान बोझ मानब
४९८. (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत कथा, गीत, नाम, रीति आ सामूहिक अनुभव
४९९. (A) साहित्यक निरन्तरता आ पहचान देखब
५००. (B) स्मृतिकें पुरान बोझ मानब
५०१. (A) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
५०२. (C) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब

५०३. (C) पाण्डित्यकेँ लोकसाहित्यसेँ अलग करब
५०४. (C) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
५०५. (B) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
५०६. (C) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
५०७. (B) पाण्डित्यकेँ लोकसाहित्यसेँ अलग करब
५०८. (C) शास्त्र, तर्क, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष आ संस्कृत-विद्याक मिथिला-परम्परा
५०९. (B) साहित्यक बौद्धिक पृष्ठभूमि आ शब्द-संपदा बुझब
५१०. (A) पाण्डित्यकेँ लोकसाहित्यसेँ अलग करब
५११. (B) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
५१२. (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
५१३. (D) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
५१४. (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
५१५. (D) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
५१६. (C) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
५१७. (A) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
५१८. (D) वंश, गोत्र, विवाह-योग्यता आ सामाजिक अभिलेखनक परम्परा
५१९. (D) समाज, विवाह आ स्मृतिक संरचना समझब
५२०. (B) पञ्जीकेँ केवल सूखी सूची मानब
५२१. (B) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
५२२. (D) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
५२३. (D) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसेँ अलग मानब
५२४. (A) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
५२५. (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
५२६. (D) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
५२७. (A) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसेँ अलग मानब
५२८. (C) मैथिली लेखनक परम्परागत लिपि-संस्कार
५२९. (C) पाण्डुलिपि, पत्र आ पुरान पाठक दृश्य इतिहास बुझब
५३०. (A) लिपिकेँ भाषा-साहित्यसेँ अलग मानब
५३१. (C) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
५३२. (B) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
५३३. (A) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
५३४. (D) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
५३५. (D) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप
५३६. (B) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
५३७. (C) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
५३८. (D) आधुनिक छपाई, शिक्षा आ पाठक-विस्तारमे व्यापक लिखित रूप

५३९. (D) प्रकाशन आ जन-पहुँचक सुविधा देखब
५४०. (A) देवनागरी आ पुरान लिपिक सम्बन्ध नकारब
५४१. (D) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
५४२. (C) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
५४३. (C) व्याकरणकें रचनात्मकता-विरोधी मानब
५४४. (D) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
५४५. (A) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
५४६. (C) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
५४७. (B) व्याकरणकें रचनात्मकता-विरोधी मानब
५४८. (A) शब्द, कारक, क्रिया, वाक्य आ शुद्ध प्रयोगक सजग ज्ञान
५४९. (C) भाषा-मानक आ शैलीक विकास समझब
५५०. (D) व्याकरणकें रचनात्मकता-विरोधी मानब
५५१. (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
५५२. (A) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
५५३. (D) ज्योतिषक उल्लेखकें केवल अंधविश्वास कहब
५५४. (B) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
५५५. (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
५५६. (D) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
५५७. (A) ज्योतिषक उल्लेखकें केवल अंधविश्वास कहब
५५८. (C) काल, तिथि, नक्षत्र, विवाह-मुहूर्त आ लोकविश्वासक विद्या-धारा
५५९. (B) कथा आ हास्यमे ज्योतिषक सामाजिक प्रभाव पकड़ब
५६०. (C) ज्योतिषक उल्लेखकें केवल अंधविश्वास कहब
५६१. (C) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
५६२. (A) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
५६३. (C) पाठशाला कें साहित्यिक प्रसंग नमानब
५६४. (B) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
५६५. (A) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
५६६. (A) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
५६७. (B) पाठशाला कें साहित्यिक प्रसंग नमानब
५६८. (C) गुरु, विद्यार्थी, पाठ, स्मरण, श्लोक आ अनुशासनक शिक्षा-पद्धति
५६९. (C) पुरान आ आधुनिक शिक्षा बीचक फर्क बुझब
५७०. (B) पाठशाला कें साहित्यिक प्रसंग नमानब
५७१. (C) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकें मैथिलीमे रूपान्तरित करब
५७२. (D) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
५७३. (A) अनुवादकें मौलिकताक विरोधी मानब
५७४. (A) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब

५७५. (A) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
५७६. (B) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
५७७. (C) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
५७८. (C) अन्य भाषाक ग्रन्थ, कथा, विचार आ ज्ञानकेँ मैथिलीमे रूपान्तरित करब
५७९. (A) ज्ञान-विस्तार आ भाषिक क्षमता देखब
५८०. (B) अनुवादकेँ मौलिकताक विरोधी मानब
५८१. (C) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
५८२. (B) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
५८३. (D) आलोचनाकेँ निन्दा मात्र मानब
५८४. (C) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
५८५. (C) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
५८६. (B) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
५८७. (B) आलोचनाकेँ निन्दा मात्र मानब
५८८. (A) कृतिसभक मूल्यांकन, इतिहास-लेखन, समीक्षा आ मानदण्ड-निर्माण
५८९. (C) साहित्यिक गुण-दोष आ युग-स्वर पहचानब
५९०. (A) आलोचनाकेँ निन्दा मात्र मानब
५९१. (B) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
५९२. (B) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
५९३. (C) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
५९४. (D) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
५९५. (B) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
५९६. (C) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
५९७. (B) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
५९८. (A) खेती, औषधि, ऋतु, कथा, कहावत, शिल्प आ अनुभवक लोक-ज्ञान
५९९. (B) ग्राम-जीवनक बुद्धि आ व्यवहारक साहित्यिक रूप बुझब
६००. (A) लोक-विद्याकेँ अज्ञान मानब
६०१. (D) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
६०२. (A) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
६०३. (C) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
६०४. (C) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
६०५. (A) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
६०६. (C) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
६०७. (C) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब
६०८. (D) दरबार, राजा, सामन्त वा आश्रयदाता द्वारा विद्या आ कलाक संरक्षण
६०९. (A) मध्यकालीन रचना-प्रसारक शक्ति समझब
६१०. (A) राजाश्रयकेँ पूर्णतः निष्प्रभावी मानब

६११. (B) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
६१२. (A) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब
६१३. (D) साहित्यकें केवल अकेला लेखकक काज मानब
६१४. (D) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब
६१५. (B) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
६१६. (B) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब
६१७. (A) साहित्यकें केवल अकेला लेखकक काज मानब
६१८. (D) साहित्यिक गोष्ठी, परिषद, अकादेमी, मंच आ सांस्कृतिक संगठन
६१९. (C) आधुनिक साहित्यक संगठित विकास देखब
६२०. (B) साहित्यकें केवल अकेला लेखकक काज मानब
६२१. (B) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
६२२. (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
६२३. (C) पत्रिका कें क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
६२४. (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
६२५. (A) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
६२६. (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
६२७. (D) पत्रिका कें क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
६२८. (B) समाचार-पत्र, मासिक, पाक्षिक, ई-पत्रिका आ मंच-प्रकाशनक परम्परा
६२९. (C) नव विधा, नयका लेखक आ जन-विमर्शक विकास बुझब
६३०. (B) पत्रिका कें क्षणिक माध्यम मानि छोड़ब
६३१. (D) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
६३२. (A) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
६३३. (B) भाषा-अधिकारकें साहित्यसँ अलग करब
६३४. (C) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
६३५. (C) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
६३६. (B) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
६३७. (A) भाषा-अधिकारकें साहित्यसँ अलग करब
६३८. (B) मैथिली मान्यता, शिक्षा, परीक्षा आ सार्वजनिक प्रयोग लेल संघर्ष
६३९. (C) साहित्य आ अस्मिताक सम्बन्ध देखब
६४०. (B) भाषा-अधिकारकें साहित्यसँ अलग करब
६४१. (C) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
६४२. (A) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
६४३. (A) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
६४४. (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
६४५. (D) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
६४६. (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब

६४७. (A) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
६४८. (B) विद्यालय, विश्वविद्यालय, पाठ्यक्रम आ परीक्षा मे मैथिलीक स्थान
६४९. (C) लेखन, पाठक आ शोधक विस्तार बुझब
६५०. (B) शिक्षा-नीतिक प्रभाव नकारब
६५१. (D) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
६५२. (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
६५३. (A) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
६५४. (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
६५५. (A) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
६५६. (D) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
६५७. (D) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
६५८. (B) मुद्रण, प्रकाशक, पुस्तक-बाजार, पुस्तकालय आ वितरणक तंत्र
६५९. (B) कृति पाठक धरि कोना पहुँचैत अछि से बुझब
६६०. (A) प्रकाशनकें साहित्यिक इतिहाससँ बाहर राखब
६६१. (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
६६२. (A) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
६६३. (D) सम्मानकें केवल औपचारिकता मानब
६६४. (A) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
६६५. (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
६६६. (D) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
६६७. (C) सम्मानकें केवल औपचारिकता मानब
६६८. (D) लेखक, कलाकार, गायक, नाटककर्मी आ लोक-सेवकक सार्वजनिक मान्यता
६६९. (C) साहित्य-संस्कृतिक सामाजिक प्रतिष्ठा देखब
६७०. (A) सम्मानकें केवल औपचारिकता मानब
६७१. (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
६७२. (D) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
६७३. (A) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
६७४. (D) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
६७५. (C) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
६७६. (A) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
६७७. (C) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
६७८. (B) रेडियो, मंच, चलचित्र, दूरदर्शन, ध्वनि-चित्र आ डिजिटल माध्यम
६७९. (C) लोकसाहित्य आ आधुनिक साहित्यक नयका प्रसार-पथ बुझब
६८०. (D) माध्यम-परिवर्तनक असर नकारब
६८१. (D) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
६८२. (A) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब

६८३. (B) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
६८४. (C) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
६८५. (D) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
६८६. (A) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
६८७. (C) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
६८८. (B) मिथिला बाहिरक मैथिल समाज द्वारा भाषा-संस्कृति संरक्षणक मंच
६८९. (C) घर-छूटल स्मृति आ नयका पाठक-वर्ग बुझब
६९०. (C) प्रवासी प्रयासकें गौण मानब
६९१. (D) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब
६९२. (B) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
६९३. (D) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
६९४. (C) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
६९५. (B) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब
६९६. (A) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
६९७. (C) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
६९८. (A) पुरान पाठ, गीत, पत्रिका, चित्र, ध्वनि आ सम्मान-सूचीकें सुरक्षित रखब
६९९. (A) सांस्कृतिक स्मृति भविष्य लेल बचायब
७००. (B) बिना संरक्षण सभ स्वयमें बचि जाएत मानब
७०१. (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
७०२. (A) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
७०३. (C) लोकगीतकें केवल धुन मानब
७०४. (D) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
७०५. (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
७०६. (C) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
७०७. (B) लोकगीतकें केवल धुन मानब
७०८. (B) संस्कार, ऋतु, श्रम, प्रेम, देवता आ नारी-अनुभवक सामूहिक ध्वनि
७०९. (B) मौखिक साहित्यक भाव-स्रोत चिन्हब
७१०. (D) लोकगीतकें केवल धुन मानब
७११. (B) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
७१२. (A) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
७१३. (B) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
७१४. (B) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
७१५. (C) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार
७१६. (D) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
७१७. (C) लोककथाकें बाल-मनोरंजन मात्र मानब
७१८. (C) चतुराई, नैतिकता, भय, जादू, पशु-पक्षी आ ग्राम-अनुभवक कथासंसार

७१९. (A) लोकबुद्धि आ सामूहिक सीख समझब
७२०. (A) लोककथाकेँ बाल-मनोरंजन मात्र मानब
७२१. (B) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
७२२. (B) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
७२३. (B) नाटककेँ केवल पढ़बाक पाठ मानब
७२४. (C) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
७२५. (C) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
७२६. (A) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
७२७. (D) नाटककेँ केवल पढ़बाक पाठ मानब
७२८. (C) मंच, मंडली, गीत, गाँवक दर्शक, सामाजिक विषय आ धार्मिक प्रसंग
७२९. (D) मैथिली रंगमंचक सामूहिकता बुझब
७३०. (B) नाटककेँ केवल पढ़बाक पाठ मानब
७३१. (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव
७३२. (D) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
७३३. (A) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
७३४. (B) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
७३५. (D) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव
७३६. (C) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
७३७. (B) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
७३८. (A) भक्ति, शृंगार, प्रकृति, लोकलय, इतिहास आ आत्म-अनुभव
७३९. (C) काव्यक प्रतीक आ रसक स्रोत पहचानब
७४०. (A) कविताकेँ समाज-विमुख मानब
७४१. (C) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
७४२. (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
७४३. (A) उपन्यासकेँ केवल प्रेमकथा मानब
७४४. (D) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
७४५. (B) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
७४६. (B) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
७४७. (A) उपन्यासकेँ केवल प्रेमकथा मानब
७४८. (B) समाज, परिवार, वर्ग, शिक्षा, स्त्री, राजनीति आ आर्थिक संघर्षक विस्तृत धरातल
७४९. (C) चरित्र-विकास आ कथा-संघर्ष समझब
७५०. (D) उपन्यासकेँ केवल प्रेमकथा मानब
७५१. (D) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
७५२. (A) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
७५३. (A) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
७५४. (B) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब

७५५. (D) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
७५६. (B) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
७५७. (D) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
७५८. (A) एक घटना, विडम्बना, तनाव वा सामाजिक चुभनक संक्षिप्त आधार
७५९. (C) कम शब्दमे गहिर समाज-संकेत पकड़ब
७६०. (C) लघुकथाकेँ छोट कथा मात्र मानब
७६१. (D) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
७६२. (A) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
७६३. (C) निबंधकेँ सूखा उपदेश मानब
७६४. (C) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
७६५. (C) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
७६६. (B) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
७६७. (C) निबंधकेँ सूखा उपदेश मानब
७६८. (D) विचार, समाज, भाषा, संस्कृति आ आत्म-चिन्तनक गद्य-क्षेत्र
७६९. (D) लेखकक विवेक आ युग-चिन्ता समझब
७७०. (B) निबंधकेँ सूखा उपदेश मानब
७७१. (D) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्रचना
७७२. (B) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
७७३. (C) संस्मरणकेँ निजी बात मात्र मानब
७७४. (D) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
७७५. (B) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्रचना
७७६. (A) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
७७७. (B) संस्मरणकेँ निजी बात मात्र मानब
७७८. (A) व्यक्ति, स्थान, समय, सम्बन्ध आ स्मृतिक आत्मीय पुनर्रचना
७७९. (A) सांस्कृतिक इतिहासक जीवित विवरण प्राप्त करब
७८०. (D) संस्मरणकेँ निजी बात मात्र मानब
७८१. (D) कृति केँ समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
७८२. (D) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
७८३. (D) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
७८४. (B) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
७८५. (C) कृति केँ समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
७८६. (A) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
७८७. (B) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब
७८८. (B) कृति केँ समाज, इतिहास, भाषा, विधा आ मूल्यक आधार पर परखब
७८९. (C) साहित्यिक निर्णयक प्रमाणिकता बढ़ायब
७९०. (D) आलोचनामे पृष्ठभूमि अनावश्यक मानब

७९१. (B) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
७९२. (A) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
७९३. (B) अनुवादकेँ शब्द-बदलाव मात्र मानब
७९४. (B) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
७९५. (D) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
७९६. (C) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
७९७. (A) अनुवादकेँ शब्द-बदलाव मात्र मानब
७९८. (C) दू भाषा, दू संस्कृति आ दू सामाजिक अनुभव बीचक सेतु
७९९. (C) मैथिलीमे नयका ज्ञान आ संवेदना प्रवेश बुझब
८००. (B) अनुवादकेँ शब्द-बदलाव मात्र मानब
८०१. (B) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
८०२. (D) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
८०३. (C) मुद्रणकेँ केवल तकनीक मानब
८०४. (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
८०५. (A) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
८०६. (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
८०७. (B) मुद्रणकेँ केवल तकनीक मानब
८०८. (D) छपाई द्वारा पुस्तक, पत्रिका आ पाठक-वर्गक विस्तार
८०९. (A) साहित्यक सार्वजनिक प्रसार समझब
८१०. (C) मुद्रणकेँ केवल तकनीक मानब
८११. (C) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
८१२. (C) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
८१३. (A) शहरकेँ मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
८१४. (B) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
८१५. (C) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
८१६. (A) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
८१७. (B) शहरकेँ मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
८१८. (A) नगर, नौकरी, शिक्षा, बाजार, एकान्त आ नव जीवन-पद्धतिक प्रभाव
८१९. (A) आधुनिक कथा आ कविता मे नयका तनाव चिन्हब
८२०. (B) शहरकेँ मिथिला-साहित्यसँ बाहर मानब
८२१. (D) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
८२२. (C) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
८२३. (D) स्त्री-चेतनाकेँ पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
८२४. (B) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
८२५. (C) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
८२६. (D) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब

८२७. (C) स्त्री-चेतनाकें पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
८२८. (B) स्त्रीक शिक्षा, स्वाभिमान, श्रम, लेखन आ सामाजिक प्रश्नक उभार
८२९. (C) नव कथा, कविता आ निबंधमे स्त्री-दृष्टि समझब
८३०. (B) स्त्री-चेतनाकें पारिवारिक विद्रोह मात्र मानब
८३१. (D) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
८३२. (C) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
८३३. (A) मध्यमवर्गकें एकरूप मानब
८३४. (D) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
८३५. (D) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
८३६. (C) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
८३७. (D) मध्यमवर्गकें एकरूप मानब
८३८. (C) नौकरी, विद्यालय, परीक्षा, पत्रिका, घर-परिवार आ आधुनिक आकांक्षाक वर्ग
८३९. (C) हास्य, व्यंग्य, द्वन्द्व आ सुधारवादी स्वर समझब
८४०. (C) मध्यमवर्गकें एकरूप मानब
८४१. (B) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
८४२. (D) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
८४३. (C) जाति-विमर्शकें केवल राजनीति कहब
८४४. (B) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
८४५. (C) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
८४६. (A) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
८४७. (D) जाति-विमर्शकें केवल राजनीति कहब
८४८. (D) सामाजिक असमानता, सम्मान, अवसर आ प्रतिरोध पर नयका विचार
८४९. (B) आधुनिक साहित्यक न्याय-बोध बुझब
८५०. (A) जाति-विमर्शकें केवल राजनीति कहब
८५१. (B) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
८५२. (B) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
८५३. (B) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
८५४. (D) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
८५५. (D) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
८५६. (A) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
८५७. (A) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
८५८. (A) लिखित रूप, वर्तनी, शैली आ पाठ्य प्रयोगमे सहमति
८५९. (B) साहित्यक प्रसार आ शिक्षा सुगम बनब
८६०. (D) मानक बनिते लोकभाषा मेटि देब
८६१. (B) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
८६२. (D) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब

८६३. (B) डिजिटल माध्यमकें हलुक मानब
८६४. (A) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब
८६५. (C) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
८६६. (B) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब
८६७. (A) डिजिटल माध्यमकें हलुक मानब
८६८. (D) वेबसाइट, ई-पत्रिका, ध्वनि, दृश्य, सामाजिक माध्यम आ ऑनलाइन संग्रह
८६९. (D) मैथिली साहित्यक वैश्विक पहुँच देखब
८७०. (B) डिजिटल माध्यमकें हलुक मानब
८७१. (C) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
८७२. (C) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
८७३. (C) प्रवासकें केवल कमाइ मानब
८७४. (D) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
८७५. (C) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
८७६. (A) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
८७७. (A) प्रवासकें केवल कमाइ मानब
८७८. (D) देश-विदेशमे काम, शिक्षा, बसोबास आ स्मृति-संरक्षण
८७९. (B) घर-भाषा आ विश्व-अनुभवक संगम समझब
८८०. (A) प्रवासकें केवल कमाइ मानब
८८१. (A) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
८८२. (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
८८३. (C) संकटकें गैर-साहित्यिक विषय मानब
८८४. (D) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
८८५. (D) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
८८६. (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
८८७. (B) संकटकें गैर-साहित्यिक विषय मानब
८८८. (C) बाढ़, पलायन, भूमि-समस्या, नदी, रोजगार आ पर्यावरणक दबाव
८८९. (B) आधुनिक साहित्यक सामाजिक-पर्यावरणीय दर्द समझब
८९०. (C) संकटकें गैर-साहित्यिक विषय मानब
८९१. (B) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
८९२. (D) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
८९३. (A) पाठकक भूमिका नकारब
८९४. (D) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
८९५. (A) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय
८९६. (C) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
८९७. (B) पाठकक भूमिका नकारब
८९८. (A) विद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रवासी, डिजिटल पाठक आ युवा समुदाय

८९९. (C) रचनाक भाषा, विषय आ रूप बदलबाक कारण बुझब
९००. (A) पाठकक भूमिका नकारब
९०१. (A) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
९०२. (D) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
९०३. (A) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
९०४. (B) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
९०५. (B) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
९०६. (A) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
९०७. (D) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
९०८. (B) धर्म, अर्थ, समाज, संस्कृति, राजनीति आ भाषा सभकेँ कारण रूपमे परखब
९०९. (A) प्रश्नक संतुलित उत्तर बनायब
९१०. (B) एक कारणसँ पूरा साहित्य समझायब
९११. (A) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
९१२. (B) सैद्धान्तिक उत्तरकेँ ठोस बनायब
९१३. (C) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
९१४. (D) सैद्धान्तिक उत्तरकेँ ठोस बनायब
९१५. (C) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
९१६. (D) सैद्धान्तिक उत्तरकेँ ठोस बनायब
९१७. (A) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
९१८. (A) गीत, कथा, नाटक, कविता, पत्रिका वा पात्रक उदाहरण देब
९१९. (A) सैद्धान्तिक उत्तरकेँ ठोस बनायब
९२०. (C) बिना उदाहरण लम्बा दावा करब
९२१. (D) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
९२२. (C) विकासक क्रम स्पष्ट करब
९२३. (B) सभ विधा पर एके बात लिखब
९२४. (D) विकासक क्रम स्पष्ट करब
९२५. (A) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
९२६. (A) विकासक क्रम स्पष्ट करब
९२७. (A) सभ विधा पर एके बात लिखब
९२८. (C) एक युग, विधा वा लेखककेँ दोसरासँ तुलना करि भेद-सम्बन्ध बुझब
९२९. (B) विकासक क्रम स्पष्ट करब
९३०. (A) सभ विधा पर एके बात लिखब
९३१. (D) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
९३२. (C) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
९३३. (D) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
९३४. (A) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब

१३५. (A) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
१३६. (C) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
१३७. (D) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
१३८. (B) गीत, कहावत, कथा, व्रत, चित्र, नाटक आ मौखिक परम्परासँ प्रमाण लेब
१३९. (A) जनजीवनक असली धरातल पकड़ब
१४०. (A) केवल लिखित ग्रन्थ मान्य मानब
१४१. (C) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
१४२. (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
१४३. (C) शिष्ट स्रोतकेँ अभिजन कहि छोड़ब
१४४. (A) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
१४५. (A) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
१४६. (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
१४७. (D) शिष्ट स्रोतकेँ अभिजन कहि छोड़ब
१४८. (A) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्रिका, आलोचना, संस्था आ अभिलेखक प्रमाण
१४९. (C) इतिहासक क्रम आ मान्यताक आधार बनायब
१५०. (D) शिष्ट स्रोतकेँ अभिजन कहि छोड़ब
१५१. (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
१५२. (D) साहित्यक जटिलता बुझब
१५३. (A) साहित्यकेँ केवल सुखद चित्र बनायब
१५४. (D) साहित्यक जटिलता बुझब
१५५. (D) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
१५६. (B) साहित्यक जटिलता बुझब
१५७. (C) साहित्यकेँ केवल सुखद चित्र बनायब
१५८. (A) एकहि समाजमे भक्ति आ शोषण, उत्सव आ अभाव, परम्परा आ परिवर्तन देखब
१५९. (A) साहित्यक जटिलता बुझब
१६०. (B) साहित्यकेँ केवल सुखद चित्र बनायब
१६१. (A) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
१६२. (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
१६३. (D) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
१६४. (A) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
१६५. (C) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
१६६. (D) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
१६७. (C) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब
१६८. (A) व्यक्ति, परिवार, गाम, क्षेत्र, राष्ट्र आ प्रवासक स्तर पर पृष्ठभूमि देखब
१६९. (B) कृतिमे अर्थक विस्तार पकड़ब
१७०. (A) केवल निजी भाव धरि सीमित रहब

१७१. (D) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
१७२. (B) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
१७३. (D) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
१७४. (D) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
१७५. (C) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
१७६. (A) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
१७७. (C) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
१७८. (D) कुन पात्र वा प्रसंगमे कतेक लोकभाषा, पाण्डित्य वा आधुनिकता अछि से देखब
१७९. (D) पृष्ठभूमिक भाषिक संकेत पकड़ब
१८०. (A) भाषाकेँ केवल माध्यम मानब
१८१. (A) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
१८२. (C) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
१८३. (C) एकतरफा मूल्यांकन करब
१८४. (D) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
१८५. (D) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
१८६. (D) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
१८७. (D) एकतरफा मूल्यांकन करब
१८८. (B) गौरव आ कमी, परम्परा आ सुधार, लोक आ संस्था सभ पर न्यायपूर्ण दृष्टि
१८९. (A) अति-प्रशंसा आ अति-निन्दा सँ बचब
१९०. (A) एकतरफा मूल्यांकन करब
१९१. (A) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
१९२. (B) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
१९३. (C) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
१९४. (A) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
१९५. (C) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
१९६. (A) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
१९७. (C) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब
१९८. (C) प्रश्नक अन्तमे मुख्य बिन्दु सभ जोड़ि स्पष्ट निर्णय देब
१९९. (D) उत्तरकेँ पूरा आ यादगार बनायब
१०००. (A) बिना सारांश अचानक उत्तर समाप्त करब